हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

13 मार्च, 1990

खण्ड 2, अंक 2

अधिकृत विवरण

विशय सूची

मंगलवार, 13 मार्च, 1990

	पृश्ठ संख्या
तारांकित प्र न एव उत्तर	(2)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(2)26
विभिन्न विशयों को उठाया जाना	(2)28
नियम 30 के अधीन प्रस्ताव	(2)34
नियम 121 के अधीन प्रस्तावः–	
समितियों के गठन सम्बन्धी	(2)34
वर्श 1989–90 के सप्लीमैंटरी ऐस्टिमैट्स (दूसरी किस्त) पर चर्चा तथा मतदान	(2)36
बैठक का समय बढ़ाना	(2)86
वर्श 1989–90 के सप्लीमैटरी ऐस्टिमेट्स (दूसरी किस्त) पर चर्चा तथा मतदान	(2)86

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार 13 मार्च, 1990

विधान सभी की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार हर मोहिन्दरसिंह चट्ठा) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, अब सवाल होगे।

Recruitment of Constables in Police Department

1029 Sh. Surinder Kumar Madan: Will the Minister for Home be pleased to state—

(a) Whether any recruitment of constables in Haryana Armed Police, Madhuban (Karnal) and in 1st Battalian, Ambala was made during the period from 1st January, 1989 to 30th November, 1989 and from 1st December, 1989 to February, 1990 separately; and

(b) If so, the names and addresses of the constables so recruited?

गृह मुत्री (प्रो0 सम्पत सिंह):

(क) हां, जी।

(ख) 1.1.1989 से 30.11.1989 तक हरियाणा स ास्त्र पुलिस मधुबन (करनाल) में 905 उम्मीदवार तथा प्रथम वाहिनी, अम्बाला भाहर में 88 उम्मीदवार भर्ती किए गए 01.12.1989 से फरवरी 1990 तक हरियाणा स ास्त्र पुलिस मधुबन (करनाल) में 128 तथा प्रथम वाहिनी, अम्बाला भाहर में 29 उम्मीदवार भर्ती किए गए। उनके नाम व पते सम्बन्धी सूचना दिए जाने में जितना समय व परिश्रम लगेगा उसकी तुलना में होने वाले सम्भावित लाभ से बहुत अधिक होगा।

श्री सुरेन्द्र कुमार मदानः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय ये यह पूछना चाहता हूं कि जो 01.12. 1989 से फरवरी, 1990 के दौरान मधुबन में भती की गयी उसका मोड़ औफ ऐडवर्टाइजमैट किया था? किस तरीके से लोगों को यह इत्तलाह दी गयी कि भती होगी? इस भर्ती के दौरान भर्ती किये गये कर्मचारियों में जनरल क्लासिज के कितने, बैकवर्ड क्लाजि के कितने और ि ाड्यूल्ड कास्ट्स के कितने हैं

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर भर्ती दो किस्म की होती है एक नयी पोस्टस जब सैक ान हेाती है तब जनरन भर्ती होती हैं उसको हम जनरल भर्ती बोल देते हैं उसकी हम बाकायदा ऐडवटडिजमैंट करते हैं अखबारों के अन्दर उसके लिये बाकायदा तारीख और टाईम किदया जात है और साथ ही उसके लिए क्वालिफिके ान्ज वगैरह भी अखबरों में दी जाती है। कुछ भर्ती ऐसी वेकेन्सीज की होती है जैसे कोई रिटायर हो जाात है या

कोई मर जाता हैं ऐसी वेकेन्सीज को हम वैस्टेज की वेकेन्सीज कहते है। ऐसी पुलिस वेकेन्सीज में हम आफटर ऐवरी थ्री मन्थस भर्ती करते रहे है। यह पुलि के रूल्ज में स्टैडिग आर्ड हैं वैस्टेज की वेकेन्सीज का पहलाब बैच ट्रेनिग पर जनवरी में जाता है दूसरा बैच अप्रैल में जाता है, तीसरा जुलाई मैं और चौथा बैच अक्तूबर में जाता है। ऐसी वेकेन्सीज को भरने के लिए सिर्फ नोटिस बोर्ड पर नोटीफाई किया जाता हैं ताकि जो लोग ऐलिजिबल हो, वे आ जाये। जनरली हम जिनकी डैथ हुई है, उनके बच्चों को प्रैफररैस देते है। अगर उनका बच्चा एलिजिबल न हो तो हम ओपन भी छोड़ देते है। कि कोई आकर भर्ती हो सकता हैं

श्री सुरेन्द्र कुमार मदानः मै मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि कितने ऐसे कांस्टेबल भती किए गये है जिनके पिता पहले पुलिए में थे और उनकी सर्विस के दौरान मृत्यु हो गयी ओर इनके अन्दर कितने ऐसे युवक है जिनके पिता सर्विस में थे ओर वे भर्ती नही हो पाये?

प्रो० सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मेरे पास ऐसे कर्मचारियों को ऐग्जैक्ट नम्बर तो इस वक्त नही है ओर न ही मै बता सकूंगा। लेकिन एक भी ऐसा ऐलिजिबल कैडीडेट नही है जो न लिया गया हो बल्कि हमने तो उनको रिलैक्से ान भी दी हैं यह जो टोटल 1150 वेकेन्सीज की रिक्रूटमैंट हुई है, इसमें 232 ि ाड्यूल्ड कास्ट्स के आदमी लिये गये हैं यह 20 परसैन्ट से कुछ फालतु ही बनते है। 81 बैकवर्ड क्लासिज से लिए गये हैं

श्री भगवान सहाय रावतः स्पीकर साहबा, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में यह बताया है कि अम्बाला भाहर में 88 एक तथा 29 यानि 117 आदमी भर्ती किए गऐ हैं और मधुबन में 905 और 128 यानि 1033 आदमी भर्ती किए गए हैं इनमें जिलावार कितने–कितने आदमी लिये गये है। उनकी जिलावार संख्या कितनी हैं

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, टोटल 1150 की मै ब्रेक–अप बता देता हू। अम्बाला में 156, कुरूक्षेत्र में 80, रोहतक में 108, सोनीपत में 210, करनाल में 172, गुडगांव में 65, फरीदाबाद में 32, नारनौल मं 44, हिसार में 71, सिरसा में 37, भिवानी में 72, जींद में 61 और मिसलेनियस 41 है।

श्री रणजीत सिंहः स्पीकर साहब, मदान साहब का सप्लीमैटरी सवाल यह था कि यह जो भर्ती की गयची, उसके लिए क्या ऐडवर्टाइजमैंट की गयी थी। एक आध स्टे ान पर जैसे मधुबन में ओर अम्बाला भाहर मे भर्ती की गयी तो उन स्टे ान्ज के लोग ही बुलाये गये या दूसरे स्टे ान्ज से भी लोग बुलाये गये। एक सवाल के जवाब में मंत्री जी ने यह कहा है कि वैस्टेज की वेकेन्सीज को भरते समय कैडीडेटस को रिलैक्से ान भी दी जाती जहै। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि अगर रिलैक्से ान दी जाती हैं तो हाईट वगैरा में कितनी दी जाती है?

प्रो0 सम्मत सिंहः स्पीकर सर, मै यह बताना चाहता हूं कि भर्ती केवल अम्बाला ओर मधुवन में ही नही होती हैं और कई जगहों पर भी होती है। उनका सवाल अम्बाला ओर मधुबन में हुई भर्ती के बारें में था। दूसेर डिस्ट्रिक्ट्स में भी पुलिए भर्ती अलग से होती है। उसके लिए एस0 पी0 भर्ती करता हैं वह अलग से होती हौ। मै आपकी मार्फत माननीय सदस्य को यह बताना चाहता हूं कि जो कमांडैन्ट रिक्रूटमैंट करता है, उनको नम्बर एच0 ए0 पी0 का दिया जाता हैं हमने यह सिस्टम बना दिया है कि अब एच0 ए0 पी0 से जवान सीनियोरिटी से पुलिस में जायेगे। पहल डिस्ट्रिक्ट के अन्दर जो जवान भर्ती होते थे, वह सीधे पुलिस में चले जाते थे। अब सारे के सारे एच0 ए0 पी0 के अन्दर ट्रेनिग लेने जायेगे। उसको बाद सीनियोरिटी के हिसाब से पुलिस में जायेगे। पहले उनको नम्बर एच0 ए0 पी0 मिलता रहता है।

श्री सुशमा स्वराजः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि जिन बटालियंज के लिए अम्बाला में सिपाहियों की भर्ती की गइ वे सारे सिवाई अम्बाला के थे या बाकी जिलों के भी थे?

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह जो भर्ती की गई थी वह फर्स्ट, सैकिण्ड, थर्ड, फोर्थ और फिफ्थ बटालियंज के लिये थी। अध्यक्ष महोदय, सोर डिस्ट्रिक्टस से भर्ती होती है और उसके बाद जो वैकेन्सी जिस बटालियन के लिये होती है सीनियोरिटी के हिसाब से उनको वहां भेज दिया जाता है।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, पुलिस रूल्ज अंग्रेजो के जमाने के बने हुए है ओर काफी पुराने हो चुके है। क्या सरकार रिक्रूटमैंट और सर्विस से सम्बन्धित रूल्ज बदलने के लिए विचार करेगी या कर रही है?

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, श्री हीरा नन्द आर्य इस सदन के बहुत सीनियर मैम्बर हैं इस बारें में ये जो भी सुझाव देगे उनपर हम जरूर विचार करेगे।

श्री परमानन्दः अध्यक्ष महोदय, जब कभी भी भर्ती किए गए सिपाहियों के ऐड्रैस और नाम पूछे जाते है तो यह जवाबद दिया जात है कि सूचना दिए जाने में जितना समय व परिश्रम लगेगा वह उसकी तुलना में होने वलो सम्भावित लाभ से बहुत अधिक होगा। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे की हरियाणा की यह प्रतिनिध सभा इतनी इंफरमे ान लेने के काबिल भी नही है?

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह सभा बिल्कुल जवाब लेने के काबिल है। श्री परमानन्द वैसे तो बहुत काबिल मैम्बर है लेकिन हाउस में फर्स्ट टाईम ही आए है। अध्यक्ष महोदय, मै सदन को बताना चाहता हूं कि इस मतलब के लिए अनस्टार्ड क्वै चन है। अनस्टार्ड क्वै चन के द्वारा बाकायदा हर मैम्बर को जानकारी प्राप्त करने का अधिकार हैं अनस्टार्ड क्वै चन के द्वारा डिटेल में इन्फरमे ान प्राप्त की जा सकती हैं मै यह भी बताना हूं

कि पिछले सै ान मं नाम और पते पूछे गए थे और यह इंफरमो ान पिछले सै ान में दी गई थी।

श्री राम बिलास भार्माः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि सरकार को इस भर्ती के सम्बन्ध में भ्रश्टाचार और पक्षपात की कोई ि ाकायत मिली थी और और अगर ि ाकायत मिली थी तो क्या सरकार ने इसकी जांच की थी?

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, डायरैक्ट हमारे पासकिसी सदस्य की या पब्लिक से कोई ि ाकायत नही मिल। डिस्ट्रिक्ट लेवर पर कुछ ि ाकायतें आई थ्झी कुछ लोगों के बोग पाए गए थे हमने इस बारें में ि ाक्षा बोर्ड से इक्वायरी कीथी और जो बोगस सटिफिकेट पाए गए थे उनके खिलाफ केस रजिस्टर करके आव यक कार्यवाही की गई थी। अध्यक्ष महोदय, आग्र भी अगर कोई ि ाकायत आएगी तो बाकायदा सरकार उस पर कार्यवाही करेगी।

श्री रघुवीर सिंहः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि गवर्नमैंट की तरफ से कोई आर्डर हुए हैं कि पुलिस में अब क बाद भर्ती नही की जाएगी। और उस आर्डर के वायले ान में कया कोई रिक्रूटमैंट हुई है? क्या यह बात मंत्री जी की नौलेज में है?

प्रो० सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय,वैस्टेज की हम कोई वैकेन्सी नही रहते। बाकायदा तीन महीने के अन्दर भर्ती की जाती

है। जरूरी काम के कारण हफ्ता या दस दिन के लिए पोस्पोन कर दें, यह दूसरी बात है लेकिन वैस्टेज की वैकेन्सी रखते नही है। इन टाईम हम उनको भतरे है। इसके अलावा हमने भर्ती न करने का कोई आर्ड नही दिया ळैं

डा0 मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, जिन दिनों भर्ती हुई थी उन दिनों अखबरां में भर्ती के मामले में कई बातें छपी थी। अखबारं में यह आया था कि भती में इनता पैसा दिया गया और भ्रश्टाचार की बा तकही गइ थी। कया मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि अगर यह बात कही गई थी तो सरकार ने उस पर क्या कार्यवाही की?

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, सिी भी अखबार में कोई स्पेसिफिक ऐलीगे ान नही लगाया गया था।

श्री वीरेन्द्र सिहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री होदय ने राम बिलास भार्मा की सप्लीमैन्टरी के जवाब में बताया है कि कुछ ि ाकायते मालूम हुई थी ओरउन ऐक ान लिया गया था। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि कितनी ि ाकायते मिली थी, वे किस प्रकार की ि ाकायते थी और उन पर क्या ऐक ान लिया गया?

प्रो0 सम्पत सिहः अध्यक्ष महोदय, मैने पहले ही कह दिया है कि गवर्नमैंट के पासकोई ि ाकायत नही आई थी और न ही किसी मैम्बर ने लिखकरकोई ि ाकायत की थी। नीचे डिस्ट्रिक्ट

लैवल पर ि ाकायत आई थी और उन पर कार्यवाही की गई थी। जो ि ाकायत आई थी वे बोगस सटिफिकेट्स के बारें में थी। इस बारें में हमने यह फैसला लिया हैं कि आईन्दा के लिए पुलिस में भर्ती के समय जो मैट्रिक का सटिफिकेट लिया जाएगा हम उस सिटिफिकेट को बोड्र से वैरिफाई करवाएंगे।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में कहा है कि सम्बन्धित सूचना एकत्रित करने में जितना समिय व परिश्रम लगेगा वह उसकी तुलना में होने वाले सम्भावित लाभ से बहुत अधिक होगा। हो सकता है कि जानकारी न देकर भायद इनकों कोई लाभ हो इसलिए ये जानकारी नही देना चाहते। (ोर एवं व्यवधान) भायद सही जानकारी देने में इनको कोई आपत्ति हो रही होगी।

Mr. Speaker: I request you to please put a question.

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह बडा ही अहम सवाल ळै, कोई सरल सवाल नही है। इन्होने अपने सभी जवाबों में यह कहा है कि कोर्ठ किसी प्रकार की अनियमिताएं नही हुई हैं ओर न ही कोई ि ाकायते इनके पास आई है। मै डा0 साहब के सवाल के साथ सहमत हूं और उसी संदर्भ में पूछना चाहता हूं कि क्या भर्ती क दौरान पैसे के साथ साथ दूसरी प्रकार की अनियमितताएं भी हुई है? (ोर)

Mr. Speaker: Please put a question.

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः क्या मंत्री महोदय यह बताने का कश्ट करेगे कि इनका भर्ती का क्राइटेरिया क्या है? क्या सही तरीके से जिलावार भर्ती हुई है और उन्ही जिलों से सम्बन्धित लड़कों की भर्ती किया गया है या जिलों के बाहर से भी कोई लड़के भर्ती किए गए हैं? (ाोर)

Mr. Speaker: Do not mix the question.

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै दावे के साथ हाउस में यह कह सकता हूं कि फरीदाबाद जिले में आधे से ज्यादा लड़के बाहर से भर्ती किये गये है क्या यह नियमों के उल्लंघना नही है? क्या इस बात की जांच करवाने के लिए सरकार तैयार है और क्या मंत्री महोदय इस संबंध में यहां पूरी जानकारी देने के लिए तैयार है?

Mr. Speaker: This is not supplementary.

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, जानकारी ने देने का हक तो जनता ने इनसे 1987 से छीन लिया था। जानकारी देने का हम हमारा है। और इनका जानकारी लेने का हक है। स्पीकर साहब, ये बार बार अखबारों का जिकरकरके यहां कर रहे है लकिन कोई स्पैसिफिक ऐलीगे ान नही लगाया। कोई स्पेसिपिक ऐलीगे ान इनके पास है ते बताएं (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, अगर कोई स्पेसिफिक ऐलीगे ान लगाएंगे तो हम उसका सही जवाबद देगे ओर उचित कार्यवाही करवायेगे। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः ** * *

Mr. Speaker: Mahender Partap Ji, this is not the way. Olese take your seat. Whatever is said without my permission that is not be recorded.

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैने कहा कि अगर कोई स्पैसिफिक ऐलीगे ान लगाएंगे तो हम का कार्यवाही करवा लेगे।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः ** * *

श्री रतन लाल कटारियाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि इस समय सारे हरियाणा मे कितनी सिपाही कार्यरत हैं और उनमं से कितने अनुसूचित जाति से सम्बन्धित हैं और क्या इस समय कोई बैंक लोग तो नही है?

Mr. Speaker: It is not possible to answer this question off hand.

श्री रण सिंह मानः अध्यक्ष महोदय, क्या गृहमंत्री महोदय यह बताने का कश्ट करेगे कि 01.01.89 से लेकर फरवरी, 90 तक कुलकितनी रिक्रूटमैंट हुई हैं? क्या कैटेगरी वाईज ये बताने का कश्ट करेगे कि कितने लड़कों को उनके फादर की डैथ होने के बाद उनकी जगह परनौकरी दी गई हैं और कितनी भर्ती जनरल कैटेगरी में से की गई है? इसके साथ साथ स्पीकर साहब, मै यह

भी निवेदन करना चाहूंगा कि दो केसिज से मैने स्पेसिफिक चार्चिज लगाकर मंत्री महोदय को लिखित रूप में दिया था। नाम भी दिए थे जिनमे ंसे एक पर तो कार्यवाही हुई है लेकिन दूसरे केस के बारें में अभी तक कोई कार्यवाही नही की गई है। इसके क्या कारण है?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, एक केक बारें में तो यह मान ही रहे है कि कार्यवाही हो चुकी है। दूसरा केस अन्दर प्रोसैस होगा।

कामरेड हरपाल सिंहः क्या मंत्री महोदय के नोटिस में यह बात है कि जो पुलिस के जवानों की भर्ती हुई है उसमें कुछ लोगों ने अपने ऐड्रैस और दिए है लेकिन उनका डिस्ट्रिक्ट दूसरा है। एक टेलीफोन कांड भी हुआ था अैर छाती की पैमाईश की बात भी आई थी। क्या इस बारें में मंत्री जी क्लीयर पोजी ान बताएंगे?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, यह सरासर गलत है। इस किस्म की कोई बात नही है। जो आदमी जहां का था उसी की भर्ती किया गया हैं

श्री रणजीत सिंहः स्पीकर साहब, हरियाण पुलिस की भर्ती के बारें में पीछे से लेकर अब तक काफी हल्ला मचता रहा है। मिनिस्टर साहब की यह नैतिक डियूटी बनती हैं कि वे इस बोरं में पूरी तरह से पोजी ान को क्लीयर करे। मै मंत्री महोदय

से जानना चाहता हूं कि इनको जो कम्पलेंटस मिली हैं उनकी नेचर क्या थी, कितनी कम्पलेंट्स आई और उन परक्या ऐक ान लिया गया?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, नेचर आफ कम्पलेंटस यह थी कि बोगस सर्टीफिकेट थे। उसके बारें में बाकायदा कार्यवाही की गई हैं कम्पलेट्स का नम्बर कितना था यह मै इस समय नही बता सकता। मैम्बर साहब बार बार इस बात को उठा रहे है जैसे कोई बहुत बड़ी बात हो गई हो। मै बार बार कह रहा हूं कि सारे के सारे आनरेबल मैम्बर है ओर वे पब्लिक के नुमांयदे हैं आपकी कोई कम्पलेंअ लिखित रूप में आएगी तो उस पर कार्यवाही करेगे।

डा0 मंगल सैनः अध्यक्षमहोदय, मै मंत्री जी का आभारी हूं कि उन्होने हमें बहुत अच्छा सरमन जाी किया है हम जनता के नुमांयदे है। उन दिनों जन सत्ता, वीर अर्जुन और नव भारत अखबारों मे छपा था कि नारनौल में एक सिपाही की भर्ती के 30 हजार रूपए लिए गए थे। क्या मंत्री जी की जानकारी में यह बात है और उस इन्होने क्या ऐक ान लिया?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, केवल मात्र अखबारों में छप जाना कोई सबूत नही है। कोई स्पैसिफिक ऐलीगे ान चाहिए, चाहे वह अखबार वाल दे, पब्लिक का आदमी देया आनरेबल मैम्बर दें। उसकी बाकायदा इन्क्वायरी करवाएंगे।

Election of MunicipalCommittee Gurgaon

1040 Sh. Sita Ram Singla: Will the Minister for Local Government be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to hold elections fo the Municipal Committee, Gurgaon; and

(b) If so, the time by which the election of the said Municipal Committee is likely to be held?

स्थानीय भासन मंत्री (श्री सुभाश चन्द कटियाल):

(क) हां।

(ख) नगरपालिका की सीमा वृद्धि के सम्बन्ध में उच्च न्यायालय द्वारा स्थगन आदे ा समाप्त किये जाते ही निर्णय ले लिया जाएगा।

श्री सीता राम सिंगला: अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी से जाननाचाहता हूं कि इस नगरपालिका की पुरानी सीमा के हिसार बसे चुनाव करवाने में क्या अड़चन है?

श्री सुभाश चन्द कटियाल: स्पीकरसाहब, इस नगरपालिका की सीमा बढ़ाने के बारें में 09.01.85 को आदेश जारी कर दिए गस थे इसलिए पुरान ीसीमा के हिसाब से चुना नही करवा सकते।

श्री जय सिंह राणाः स्पीकर साहब, मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि हरियाणा में ऐसी कितनी नगरपालिका है। जिनके अभी तक चुनाव नही हुए है?

श्री सुभाश चन्द कटियालः स्पीकरसाहब, कुल 81 नगरपालिकाओं में 68 में चुनाव पहले ही हो चुके है, 7 में 25 तारीख को हो रहे है। और 6 में बाकी है।

कैप्टन अजय सिह यादवः स्पीकर साहब, क्या मंत्री जी बताने की कृपाकरेगे कि रिवाड़ी नगरपालिका के चुनाव कब तक करवा दिए जाएंगे?

श्री अध्यक्षः यह सवाल केवल गुडगांव से रिलेट करता है।

श्री सुभाश चन्द कटियालः स्पीकर साहब, रिवाडी में चुनाव जल्दी करवाने के लिए सरकार सोच रही है।

श्री सीता राम सिंगलाः स्पीकर साहब, 1985 में हई कोर्ट ने स्टे दिया था। सरकार नगरपालिका की सीमा बढ़ाना चाहती थी। इस मामले को पांच साल हो गए हैं क्या मंत्री महोदय बतायेगे कि पुरानी सीमा के हिसाब से चुनाव करवाने के लिए सरकार सोचेगी?

श्री सुभाश चन्द कटियालः स्पीकर साहब, मैने अभी माननीय सदस्य को जानकारी दी थी कि सीमा बढ़ाने की

अधिसूचना 09.01.85 को जारी कर दी गई ीी। इसलिए अब तक वहां चुनाव नही करवा सके। अब सरकार सोच रही है कि पुरानी सीमा के हिसाब से चुना करवा दिए जाए।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने बताया कि 6 नगरपालिकाओं के चुनाव अभी तक नही हो पाए हैं मै आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि उन 6 नगरपालिकाओं के चुनाव न करा पाने को क्या कारण है ओर उनके चुनाव कब तक करवा दिए जाएंगे?

श्री सुभाश चन्द कटियालः अध्यक्षम महोदय, जिन 6 नगरपालिकाओं के चुनाव नही कराए जा सके, वे है गुडगांवा, थानेसर नगरपालिकाओं के बारें में जनता ने कोर्ट से स्थगन आदे ा लिए हुए हैं डबवाली ओर कालांवाली नगरपालिकाअें के बारें में मामला कोर्ट में लम्बित है लेकिन स्टे आर्डर नही है। उन दोनों नगरपालिकाअें के चुनाव जल्दी कराने के बारें में सरकार विचार कर रही हैं जहां तक एच0 एम0 टी0 पिजौर नगरपालिका के चुनाव कराने का ताल्लुक है वह कर्मचारियों की ही नगरपालिका है और सरकार उस नगरपालिका के बारें में विचार कर रही है कि उसको खत्म कर दिया जाए।

श्री रणजीत सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने बताया कि कुछ नगरपालिकाओं के चुनाव के बारें में लोगों के कोर्ट से स्टे ले रखे है और वे स्टे 1985 से लेकर 1990 तक चल रहे है।

स्पीकर साहब, गुडगांवा सबसे इम्पौटेन्ट सिटी हैं और दिल्ली के नजदीक है। गुडगावं नगरपालिका के चुनाव के मामले में कोर्ट से स्टे लिया हुआ हैं मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि उस नगरपालिका के स्टे को वैकेट कराने के लिए कितनी बार मामला कोर्ट के सथ टेकअप किया गया और किन किन औफिसर्ज ने मामला टेकअप किया? इस बारें में डिटेल बताई जाए?

मुख्य मंत्री (चौधरी ओम प्रका ा चौटाल): स्पीकर साहब, गुडगांव नगरपालिका की सीमावृद्धि का फाईनल नोटिफिके ान हेा चुका है। सरकार ने उसकी सीमा बढाना तय कर दिय हैं इसमें केवल यह दिक्कत है कि इस बारें में सरकार का और कोर्ट को आपस में समन्वय होना है। जिस समय सरकार का और कोर्ट का इस बारें में समन्वय हो जाएगा उसके मुताबिक ही निर्णय लिया जाएगा।

श्री कैला ा चन्द भार्मा: स्पीकर साहब, क्या मंत्री जी की जानकारी में है कि रिवाडी नगरपालिका के बाकायदा चुनाव हुए थे अैर उसके परिणाम भी आए थे लेकिन आज तक उस नगरपालिका का गठन नही हुआ है, अगरयह बात मंत्री जी की जानकारी में है तेा उस नगरपालिका का गठन न होने के क्या कारण है? इसके अलावा मै यह भी जानना चाहता हूं कि क्या रिवाड़ी नगरपालिका के चुनाव दोबारा करवाए जाएंगे या जो पहले चुनाव हुए थे उसके अनुसार उसका गठन कर दिया जाएगा।

श्री सुभाश चन्द कटियालः स्पीकर सर, रिवाड़ी नगरपालिका के चुनाव 30.08.1987 को होगए थे लेकिन बाद में पंजाब तथा हरियाणा हाई कोर्ट ने उन चुनावों को रद्द कर दिया था। उसक बादहाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक एस0 एल0 पी0 दायर की गई उसका भी 11.07.88 को फैसला हो गया ओर उस फैसले के खिलाफ एक डिवीजन बैच में रिव्यू पैटी ान डाली हुई है।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने बताया है कि रिवाड़ी नगरपालिका के चुनाव के बारें में वहां के लोगों के कोर्ट से स्थगन आदे ा लिए हुए हैं रिवाड़ी एक बड़ा नगर है और उसको जिला भी बनादिया गया है इसलिए वहां के हजारों लोगों को फ्रैचाइज ऐक्सरसाइज करने का अधिकार तो मिलना ही चाहिए। रिवाड़ी नगरपालिका का थोड़े से ल्कूने के कारण गठन नही हो सका ओरएक एस0 एल0 पी0 फाइल करके वहा के हजारों लोगों को उनकी नगरपालिका के गठन से वंचित रख दिया। मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि रिवाडी नगरपालिका के चुनाव कराने के बारें में सरकार ने अब तक क्या क्या कार्यवाही की है?

श्री सुभाश चन्द कटियालः स्पीकर साहब, वहां के लोगों ने एक रिव्यू पैटी ान डाली हुइ हैं उसमे ंसरकार का कोई दखल नही था।

Spining Mill at Dabwali

1023 Sh. Mani Ram: Will the Minister of state for Cooperation be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Govt. to set-up a spinning Mill in Cooperative Sector in Dabwali Constituency; and

(b) If so, the time by which ht eaforsaid Mill is likely to be set-up togetherwith the location thereof?

सहकारिता राज्य मंत्री (श्री धीर पाल सिंह):

(क) व (ख): हैफेड द्वारा एक कताई मिल डबवाली के निकट लगाने का प्रस्ताव विचारधीन है। इस मिल का फिजिबिलिटी एवं प्रोजैक्अ रिपोर्ट बनाई जा रही हैं। इसलिए इस समयहय बताना सम्भव नही हैं कि मिल कब तक लग पाएगी।

श्री मनीराम: स्पीकर साहब, मंत्री जी ने मैन सवाल के जवाब में लिखा है, ''हैफेड द्वारा एक कताई मिल डबवाली के निकट लगान के प्रस्ताव विचारधीन है। इस मिल की फिजिबिलिटी एवं प्रोजैक्ट रिपोर्ट बनाई जा रही है। इसलिए इस समय यह बताना सम्भव नही है। कि मिल कब तक लग पाएगी''। मै आपक माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या उस मिल को लगाने के लिए जमीन ऐक्वायर कर ली गई हैं और उसकी फिजिबिलिटी एवं प्रोजैक्ट रिपोर्ट तैयार करने में कितना समय लगने की सम्भावना है?

श्री धीर पाल सिंहः स्पीकर साहब, यह मिल डबवाली से 7 किलों मीअर दूरी पर सत्ताखेडा गांव में लगनी है और उसके लिए 26 एकड 3 कनान और 18 मरले जमीन ऐक्वायर करने के लिए दफा 4 का नोटिस दिया जा चुका है।

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि हरियाणा में सरकारी कताई मिलें कितनी है अज्ञैर वे कहां पर है?

श्री कैला ा चन्द भार्माः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि नारनौल में जो मकान बनाये जा रहे हें ओर जो गुडगांव में जो मकान बनाये जा रहे है, क्या इन दोनों स्थानों पर बनाये गए मकानों की कीमतें बराबर होगी या कुछ अन्तर है।

चौधरी ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, सरकार की तरफ से जो मकान बना कर दिए जाते है और जिस जिस कैटेगरी क मकान बना कर दिए जाते है, उन सब की कीमतों के बारें में यही कोि ा ा की जाती है कि उनकी कीमतें एक जैसी ही हीो और कोई ज्यादा फर्क न आये। लेकिन अलग अलग स्थानों पर भूमि की कीमत के हिसाब से भी मकान की कीमत को आका जाता है।

श्री सीता राम सिंगलाः अध्यक्ष महोदय, मै आदरणीय मुख्य मंत्री जी के नोटिस में लाना चाहूंगा कि जो मकान कांग्रेस

के समय में बनाये गए थे उनमें बहुत घटिया मैटियरियल इस्तेमाल किया गया था जिनकी वजह से वे मकान 2 साल के अन्दर ही क्रेक हो गए है। मै मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या ऐसे मकानों के बारें में कोई ि ाकायत इनके नोटिस में आई है या नही, अगर ऐसी कोई ि ाकायत आई है तो उस पर क्या निण्रय लिया गया है?

चोधरी ओम प्रका ा चोटालाः सरकार के पास अगर कोई ि ाकायत आती है तो उसकी इन्क्वायरी होती है। कालका के कुछ मकानों की ि ाकायत वि ोश तौर पर सरकार के पास आई है। इस ि ाकायत पर इन्क्वचायरी भ ुरू की जा चुकी है।

श्री कैला ा चन्द भार्माः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से आदरणीय मुख्य मंत्री जी से यह जानना चाहता हू कि नारनौल के कालोनी के लिए 1981 में जो जमीन ऐक्वायर हुई थी उसकी क्या कीमत दी गई थी और जो मकान उस पर बनाकर दिए जाएंगे, क्या उनकी कीमत जमीन के लिए दी गई कीमत के आधार पर रखी जाएगी।

चौधरी ओम प्रका ा चौटालाः नारनौल में आवास कालोनी बनाने के लिए 19 नवम्बर, 1981 को ग्राम पंचायत नूनीवाल में नारनौल–महेन्द्रगढ़ सड़क पर नारनौल भाहर से 2 किलोंमीअ की दूरी पर, 12.79 एकड़ जमीन खरीदी गई थी। उस

जमीन पर आवासीय कालोनी का निर्माण निम्न कारणों से प्रारम्भ नही किया जा सका–

मुख्यता पीने के पानी के उपयुक्त साधन न होने के कारण और दूसरे स्थानों के लिए पंजीकरण अपर्याप्त होने के कारण नवम्बर 1981 में भूमि खरीदते समय पानी की समस्या पर विचार नही किया गया था। भूमि इसलिए खरीदी गई थी क्योंकि यह सस्ती मिल रही थी (विध्न) 12.79 एकड़ जमीन के लिए 100279 रूपये की रा ि ा दी गई थी। यह सोचा गया था कि पीने के पानी और मल निकासी की समस्या को जन स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर हल लिया जाएगा। जहां तक पीने के पानी की समस्या का प्र ान है, प्रारम्भ से ही पानी के लिए श्रोत नि चत करने के लिए तथा पानी और मल निकासी के लिए अनुमानित रा ि ा बताने के लए मामला जन स्वास्थ्य विभाग के साथ उठाया गया। काफी पत्र व्यवहार के बाद जन स्वास्थ्य विभाग से सन्तोशजनक उत्तर नही मिल पाया। जन स्वास्थ्य विभाग नि चत तौर पर इस निश्कर्श पर नही पहुंच पाया कि पानी के श्रोत वहां है एक और उन्हाने पानी ओर मल निकासी के लिए 21.62 लाख रूपये का अनुमान बनाया दूसरी ओर लगभग उसीसमय आवास बोर्ड को सूचित किया कि पानी के श्रोत सन्तोशजनक नही हैं और उन कालोनी का निर्माण तक तक भ्ारू न किया जाए तब तक सन्तोशजनक श्रोत का नि चय नही हो जाता है इसलिए आवास बोर्ड ने 01.04.1987 को ग्रांउड वाटर एण्ड मिरल इन्वैस्टिगे ान्ज

कन्सलटेटिा सैटर, जयपुर का नियुक्त किया कि इस भूमि के लिए उपयुक्त जल श्रोत का पता लगाए। इस संस्था की रिपोर्ट मेई 1987 में प्राप्त हुइ जो कि बहुत उत्साहजनक नही थी। जैसे कि नीचे लिखा गया है कि इस सस्था की ओर से पानी का उपयुक्ता के बारें में सन्देह प्रकट किया गया और कहा कि यह करीब करीब ठीक होगा। उन्होने पानी की मात्रा के बारें में भी कहा कि निि चत रूप से उपलब्ध मात्रा नही बताई जा सकती। (विध्न)

Sh. Karipa Ram Punia: Mr. Speaker, Sir, time of the House is being wasted unnessarily.

Mr. Speaker: Please take yur seat. डाक्टर साहब आपकी हाजरी लग गई है। आप बैठिए।

चौधरी ओम प्रका ा चौटाला: स्पीकर साहब, सम्मानित सदस्य को हाउस के समय का बहुत ध्यान है लेकिन जो प्र न पूछा जाता है उसक जबाव तो दिया ही जाता है। (विध्न)

श्री वीरेन्द्र सिह: स्पीकर साहब, मै आपकी रूलिंग चाहता हू। क्या किसी सप्लीमैटरी सवाल का पढ कर जवाद दिया जा सकता है? (विध्न और भाोर)

Mr. Speaker: This is no point of order. Please take your seat. Next qeustion.

Demands of Employes

1063 Sh. Hira Nand Arya: Will the Dy. Chief Minister be pleased to state whether any representation/menmorandum in regard to the demands of Govt. empoyees has been received during the yer 1989-90; if so, the details thereof togetherwith the qction taken thereon?

Mr. Speake: This has been postponed.

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, मेरा एक सवाल कल भी था उसके लिए आपने ऐक्सटेन ान ग्रांट कर दी थी और आज जब यह सवाल आया तो इसे पोस्टपोन कर दिया। मेरी समझ में नही आता कि मेरे ही सवालों पर ऐसा क्यों किया जाता है? (ोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: कल पे ा होना है, इसलिए इस सवाल को पोस्टपान करना पड़ा। जो मिनिस्टर साहब से पत्र आया है वह इस प्रकार है:—

Interim Reply

"Banaris Dass Gupta, D.O.No. 622-DCM-90

Deputy Chief Minister,

Haryana, Chandigarh.

March 12, 1990

My Dear Shri Chatha,

Starred Assembly Question No. 1063 regarding demands of employees asked by Sh. Hira Nand Arya, M.L.A., has been fixed for reply on the 13th March, 1990. The subject matter of the question has a direct connection with the budget which is due to the presented in the Vidhan Sabha on the 14th March, 1990. In these cirucmstances, it will not be appropriate to give a reply to this qeustion on the 13th March, 1990. You are therefore, requested kindly to adjourn this question and no allow it to be asked on the 13th March, 1990.

With Kind regards,

Yours Sincerely,

sd/-

(Banarsi Dass Gupta)

Sh. H.S. Chatha,

Speaker

Haryana Vidhan Sabha

Chandigarh

Erosion by Yamuna River

1066 Sh Udi Bhan: Will the Minister for irrigation and power be pleased to state—

(a) The number of studs recommendsed by the Technical Advisory Committee of floods to check the soil erosion by Yamuna River of Villages in District Faridabad during the year 1989; and

(b) The total number of studs out of those referred to in part (a) above have been constructed so far togetherwith the time by which the remaining studs are likely to the constructed?

सिचाई तथा बिजली मंत्री (श्री सचदेव त्यागी):

(क) 52.

(ख) 27 स्टड बनाए जा चुके है। वर्श 1989 के बाढ़ के उपरान्त मौके के हालात में बदली के कारण 21 स्टउ आव यक नही समझे गए हैं भोश स्टडों का निर्माण सारणी पत्र वित्त की उपलब्धि पर निर्भर करता है।

श्री उदय भानः स्पीकरसाहब, टैक्निकल ऐडवाइजरी कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने 52 स्टडज बनाने का फैसला लियाथा। इनमें से 27 स्टडज 30 जून, 1989 तक बनाये गए और बाकी स्टडज इस वर्श पूरे करने थे लेकिन अब इस स्टडज को बनाने का प्रोग्रम कैन्सिल कर दिया जबकि यमुना नदी से कटाव और ज्यादा बढ गया है। ये स्टडज बढने चाहिए थे न कि घटने चाहिए थे। मै आपके द्वारा मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि ये स्टडज ने बनाने का टैक्निकल ऐडवाइजरी कमेटी न फैसला किया है या किसी अधिकारी ने किया है?

श्री सचदेव त्यागीः स्पीकर साहब, सन् 1988 के बाद अखिल से 2.86 लाख क्यूसिक वाटर का फलो चला जिसकी वजळ से दरिया यमुना से बड़ा नुक्सान हुआ। उस नुक्सान की वजह से

14 प्रोटैक्शन प्रोजैक्टस बनाने की प्लान बनायी गई। इस बारें में 52 स्टडज लगाने के फैसले को 31.01.1989 कोसलाहकार कमेटी ने अनुमोदित किया। लेकिन उनमे ंसे 27 स्टडज लगाना चूंकि जरूरी समझा गया इसलिए 25 स्टडज नही बनाये गये ओर इनमें से 21 स्टडज की जरूरत ही नही समझी गई क्योंकि 1989 में जब दुबारा फ्लड आया तो उस समय दरिया यमुना ने अपना कोर्स चेंज कर लिया। चार स्टडज अभी बनाये जायेगे, जिन पर काम भ्ारू होने वाला है। मै आपके द्वारा श्री उदय भान जी को जानकारी के लिए बताना चाहता हू कि नई साइटस पर हमें ऐडवाइजरी कमेटी से 21 स्टडज बनाये की बजाए 33 स्टडज बनाने की मंजूरी मिल गई है। अब हम 21 बजाए 33 नए स्टडज बनायेगे।

श्री रतन लाल कटारियाः स्पीकर साहबा, मेरे रादौर क्षेत्र के 15 गांवों को यमुना नदी में बाढ आने पर जान और माल का बड़ा भारी नुक्सान होताहै।

श्री अध्यक्षः आप बैठिए। इस का औफ हैड जबाद देना पोसीबल नही है। हर गांव के बारें मे जबानी कैसे बताया जा सकता है।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने लिखित जवाब में बताया है कि 52 में से 21 स्टडज का निर्माण मौके के हालात बदलने के कारण स्थगित कर दिया गया या कैन्सिल कर दिया गया। मै आपके द्वार मंत्र जी से पूछना चाहता

हूं कि इन स्टडज के निर्माण को न करने का क्या कारणहै? क्या कमेटी की ही रिपोर्ट थी कि इन्हें न बनाया जाये या जहां पहले 11 करोड़ का बजट था उसे सन 1987–88 में अैर 1988–89 में चूंकि आधा कर दिया है। इसलिए ये नही बन पाए अर्थात क्या ये फाइनैस की कमी की वजह से स्थगित कर दिए गए या जरूरत न होने की वजह से कैन्सिल कर दिये गए?

मेरा दूसरा सवाल यह है कि अगर जरूरत न होने की वजह से कैन्सिल किए गये है तो क्या मंत्री जी की जानकारी में है कि फरीदाबाद के खादर के इलाके में लालपुर और महावतपुर गांव ऐसे है जहां यमुना के रूझान न बदलने के कारण बांध दो प्वायंट पर कटा हुआ है? वहां स्टडज की जरूरत थी। स्टडज न लगाने की वजह से बांध दो जगह से टूआ है। पहले साल भी वह टूट गया था और इस साल भीटूट गया। अभी तक वह काम अधूरा पड़ा है। मै जानना चाहता हूं कि उसे कब पूरा करेगे और इस बांध के टूटने से सात गांवों को जो दो साल में एक करोड़ रूपये का नुकसान हुआ ळे, क्या उसे पूरा करेगे?

श्री सचदेव त्यागीः 25 स्टडज का काम वित्तीय अभाव के कारण भ्ाुय नही किया गया इसके अलावा सन 1989 में जब दुबारा बाढ आई तो रीवर ने चूंकि अपना कोर्स बदल लिया। इसलिए उन्हें वहां बनाना जरूरी नही समझा गया और काम भ्ाुरू नही किया गया।

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में यह बताया है कि वहां पर टोटल 52 स्टडज बनने थे। क्या मत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि यह किस कमेटी ने या किस व्यक्ति ने कहा कि वे अब नी बनने चाहिए। वे बदले हुए हालात क्या थे जिनकी वजअ से ये बनाने रद्द कर दिए गए। अध्यक्ष महोदय इन्होन अपने जवाब में यह भी कहा है कि भोश स्टडों का निर्माण धन की उपलब्धि होने पर निर्भर करत है। क्या मंत्री जी बतायेगे कि इनमें से कितने स्टडज बनने है। और कितने बनने रोक दिए गए है।

श्री सचदेव त्यागीः स्पीरक साहब, जैसे मैने अभी बताया है कि ये 52 स्टडज बनाने की बात टैक्निकल ऐडवाइजरी कमेटी ने ऐप्रूव की थीं उनमें से 27 तो बना दिये गये। बाकी क 25 में से 4 का काम इस महीने मार्च की 15 तारीख यानी महीने के सैकिड हिस्से में भ्रुय होने जा रहा है ओर यह काम 31 माई तक खत्म कर दिया जायेगा। बाकी के 21 स्टडज के बोरं में मै रावत साहब को यह बताना चाहूंगा कि उनको जरूरी नही समझा गया। उनको रद्द कर दिय गया क्योंकि रिवर ने अपना कोर्स बदल दिय है। जो चार स्टडज गांव सुलतानपुर और महाबलीपुर में बनने जा रहे है, उन पर 11.45 लाख रूप्या खर्च होना है।

श्री उदय भानः मै मंत्री मोदय से यह जानना चाहूंगा कि तकनीकी सलाहकार समिति ने 52 स्टडज बनाने की मजूरी तो दे दी लेकिन जो 21 स्टडज बनाने आव यक नही समझे गये,यह

कौन सी कमेटी की रिपोर्ट पर हुआ है? इसके अलावा 21 की बजाये ये जो अब 33 स्टडज बनाने जा रहे हे, ये कब तक बन जायेगे?

श्री सचदवे त्यागीः स्पीकर साहब, मैने पहले भी बताया है कि रिवर का बहाव चूंकि बदल गया इसलिए यह जरूरी नही समझा गया िकवे स्टडज बनाये जाये। इसके अलावा मैने पहले ही बता दिया है कि अब हम दूसरी जगहों पर 21 की बजाये 33 स्टडज बनाने जा रहे है।

श्री रणजीत सिंहः स्पीकर साहब, फरीदाबाद में जब फल्ड आया था तो बड़ा हैवक था। उस वक्त पुनिया साहब भी मंत्री थे। इनका पता नही चला था। डी0 सी0 भी साथ में थे। वहां पर काफी भयकर नुक्सान हुआ था। मंत्री जी ने अभी बताया है कि उसे बाद रिवर ने अपनाकोर्स चेंज कर दिया हैं मै नही समझ पाया है कि यहां पर 21 स्टडज बनाने क्यों रद्द कर दिये गये। क्या मंत्री जी बताने की कृपा करेगे कि जब यहां पर स्टडज बनाने की बात आयी तब तो कमेटी की मंजूरी से बनाये जाने लगे लकिन जब केसिल करने की बात आयी तो किस कमेटी ने सिफारि ा की कि यह कैसिज कर दिये जाये?

श्री सचदेव त्यागीः 31.01.1989 को टैक्निलक सलाहकार समिति ने यह फैसला किया था कि वहां पर 52 स्टडज बनाये जाऐगे। उसके बाद फरवरी 1989 में दोबारा बाढ आ गया और

रिवर ने अपना कोर्स बदल लिया। उसकी वजह से इनको वहां बनाना गैर जरूरी समझा गया। फिर रणजीत सिंह जी ने कहा कि उस समय आई बाढ़ के दौरान पुनिया साहब का पता ही नी चला था लेकन अब ऐसी कोई बात नही होगी। अब ऐसा कोई खतरा नही है। हंसी.....

श्री योगे ा चन्द भार्मा: स्पीकरसाहब, यहां पर बताया गया है कि बहुत बड़ा फ्लड आया अैर एक टैक्निकल ऐडवाइजरी कमेटी ने यह रिकोम्ड किया कि इनते स्टड्ज बनाये जाये। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि यह रिकोमेडे ान किस कमेटी ने की की या किस अथोरिटी ने बाद में यह फैसला किया कि वे स्टड्ज अब चूंकि गैर जरूरी है। इसलिए नही बनाये जाये?

श्री सचदेव त्यागी: सर, टैक्निकल ऐडवाइजरी कमेटी में 18–19 मैम्बर्ज होते है। और फाइनैि ायल कमि नर रैवेन्यू, उसके चेयरमैन होते हैं एफ0 सी0, इरीगे ान एण्ड पावर उसमें होता है। टैक्निकल मैम्बर, सैट्रल वाटर कमी ान उसमें होता हैं, चीफ इंजीनियर रेलवेज उसमें होता है। आर्मी का रिप्रजेटेटिव भी उसमे ंहाता है। इंजीनियमर इन चीफ, बी0 एड0 आर0 उसमे ंहोता है और हमारे महकमें के सारे अफसर भी उसमें होते हैं इस तरह से मेटी 18–19 मैम्बर्ज की होती है।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह: अध्यक्ष महोदय, मत्री जी ने जवाब दिया है कि कमेटी ने यह रिपोर्ट दी थी कि जहां पर यमुना

का रूख बदल गया है वहां पर स्टड न बनाए जाए। मै मंत्री जी की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि ऐसी जगह भी है जहां पर कोर्स नही बदला लेकिन वहां परबांध दुबारा टूट गए और आज भी वे बांध टूट हुए हैं करोड़ों रूप्ए का नुक्साान हुआ हैं कुछ गावं ऐसे है जहां पर लोगों को करोड़ो रूपया का नुक्सान हुआ है। कुछ गांव ऐसे है जहां पर लोगों को करोड़ों रूपए का नुक्यान हुआ है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि उन बांधों को कब तब बना दिय जाएगा ओर जो करोड़ो रूपए का नुक्सान हुआ है उस नुक्सानकी भरभाइ कब तक की जाएगी। (ोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, दो जगहों पर बांध टूटे हुए है। (ोर एवं व्यवधान) मै पूछना चाहता हूं कि जो करोड़ों रूपए का नुक्सान हुआ है वहा राहत के तौर पर कुछ रा ि ा देने का सरकार कोई आ वासन देगी?

श्री सचदेवी त्यागीः स्पीकरसाहब, भोरपुर दादसिया और किदावाली के लिए नौ स्टडज टैकनिकल ऐडवाजरी कमेटी ने मन्जूर किए है। ये फर्स्ट प्रायरिटी पर है। इन पर 49.50 लाख रूपया खर्च होगा। मन्झावली, घरोड़ा और घेरासोन के लिये भी नौ स्टड्ज मन्जूर हुए है और इन पर 30.70 लाख रूपया खर्च होगा। ये भी फर्स्ट प्रायरिटी पर है। मोहब्तपुर के लिए चार स्टड्ज मन्जूर है। और इन पर 10.50 लाख रूपए मन्जूर हुआ है ये भी फर्स्ट प्रायरिटी पर है। भोखपुर ओर मौजाबाद में तीन स्टडज बनने है, इन पर 26.60 लाख रूपए खर्च होगा। गुरवारी में 6

स्टड्ज बनने है ओर इन पर 6.50 लाख रूपए खर्च होना है। ये सैकिड प्रायरिटी के है। बिलोचपुरा में दो स्टड्ज बनने है और इन पर 5.80 लाख रूपए खर्च होगा। ये भी फर्स्ट प्रायरिटी के है। स्पीकर साहब, इस तरह से कुल 33 स्टड्ज में से 24 स्टड्ज ऐसे है जो फर्स्ट प्रायरिटी के है। ओर नौ स्टड्ज ऐसे है जो सैकिण्ड प्रायरिटी के है। इन पर टोटल 129.65 लाख रूपए खर्च होगे और यह रैनी सीजन से पहले खर्च करना है। (ोर एवं व्यवधान)

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह सवाल है जो जनता के साथ जुड़ा हुआ है मै यह जानना चाहता हूं कि जो बांध टूट गए है क्या सरकार उनकी बनाने जा रही है? क्या सरकार उन बांधों को बाढ़ के आने से पहले बना देगी? (ोर एवं व्यवधान)

श्री सचदेव त्यागीः इसका जवाब दिया जा चुका है।

श्री अध्यक्षः नैक्सट क्वै चन।

चौधरी महेन्द्र प्रतात सिंहः अध्यक्ष महोदय, ये मेरी बात का जवाब ही नही दे रहे है। (ोर एवं व्यवधान) ये हां कह दे या ना कह दे। (ोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: This is not the way. That qeustion is over and I have called for the next question. Please take your seat.

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः मेरे सवाल का जवाब ही नही आया है।

Mr. Speaker: That qeustion is over now. That took about 10 Minutes.

श्री अध्यक्षः आप विदआउट रीजन कह रहे है। This is not the way. Do not create a scene without anyu reason. I will not allow it.

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल का तो जवाब दिया ही नही गय है। (ोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Mahender Partap Ji, I do not want to comment about sa senior member like you. Please take your seat and allow the House to proceed.

Minors/Khals

1055 Comrade Harpal Singh: Will the Minister for Irrigation and power be pleased to state-

(a) The total number of minors/khals reparied during the years 19887-88, 1988-89 and 1989-90 separately in Tohana constituency; and

(b) Whether any new minor and khals hav ebeen constructed in Tohana Constituency during the period as referred to above; if so, the number therof?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री सचदेव त्यागी):

(अ) टोहाना विधान सभाई क्षेत्र में वर्श 1987–88, 1988–89 तथा 1989–90 के दौरान 19 माईनर/वित्रिकाओं की मुरम्मत की गई।

वर्श 1987–88, 1988–89 तथा 1989–90 के दौरान 51 खालों की मुरम्मत की गई जो इस प्रकार है:–

1987–88	8
1988–89	10
1989–90	33
(ब) उपरोक्त समय के दौरान किसी नीये माईनर का निर्माण नही किया गया, लेकिन 9 नए खाली का निर्माण किया गया जो इस प्राकर है:–	
1987–88	कोई नही
1988–89	3
1989–90	6

कामरेड हरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहताहूं कि टोहाना कांस्टियुऐंसी में कुल कितनी माईनर्ज है क्योंकि मुझे भाक है कि सरकार भायद सही आंकडे दने से गड़बड़ कर रही है? इसके साथ साथ में यह भी जानना

चाहता हूं कि वहां पर कुल कितनी खालों का पक्का किया गया है? उन पर कितना खर्चा आया है और उनकी लम्बाई कितनी है?

श्री सचदेव त्यागी: अध्यक्ष महोदय, टोहाना कांस्टियुऐंसी में 255 पक्की खाले है। जिनके क्षेतिग्रहस्त होने पर वि ोश मुरम्मत की गयी है।

1987–88 में कुल आठ माईनर्ज की मुरम्मत की गयी जिस पर 1 लाख 38 हजार रूपये का खर्चा हुआ। रिपेयर की गई माईनर्ज का विवरण इस प्रकार से है:–

34500-	आर चन्दड़माईनर
36907-	आर चन्दडमाईन
4500-	आर गज्जूवाला माईनर
6490-	एल गल्लूवाला माईनर
11750-	आर टोहाना डिस्ट्रव्यूरी
19090-	आर टोहाना डिस्ट्रीव्यूटरी
100215-	टी एल पिरथला डिस्ट्रीब्यूटरी
18265-	आर खाजूरी डिस्ट्रीब्यूटरी

इसी प्रकार से 1988–89 में 10 माईनर्ज की मुरम्मत की गयी जिस पर लगभग 2 लाख 75 हजार रूपए का खर्चा आया। उन का ब्यौरा निम्न प्रकार से है:–

531500-	आर भाखडा मेन लाईन
66770-	आर पिरथला डिस्ट्रीब्यूटरी
69300-	आर पिरथंला डिस्ट्रीब्यूटरी
13872-	आर सामेन डिस्ट्रीब्यूटरी
28800-	आर चन्द्रवाल माईनर
35125	आर चन्द्रवाल माईनर
88220-	आर पिरथला डिस्ट्रीब्यूटरी
100215-	टी एल पिरथला
7000-	आर पिरथला डिस्ट्रीव्यूटरी
7000-	टी आर खासा माईनर

इसी तरह से 225 में से 52 खाले पक्की की गयी हैं जिन पर लगभग 2.75 लाख रूपए खर्च आया है।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, टोहाना के अन्दर लम्बाई के हिसाब से कितनी माईनरर्ज व खाले बनाय जाती है।और सरकार का ऐसा करने का क्राईटेरिया क्या है?

श्री सचदेव त्यागीः स्पीकर सर, जो खाले टूट जाती है। उनकी मुरम्मत की जाती है ओर उनको दो भागों में रिपेयर किया जाता है। एक स्पै ाल रिपेयर व दूसरी आडिनरी रिपेयर। स्पै ाल रिपेयर में डमेज औफ लाइनिग सटैलमैन्ट औफ लाइनिंग व अर्थ वर्क भरने का काम आता है ओर आडिनरी रिपेयर में लोकेज दरारे भरने के सिल्ट निकलवाने का काम भाामिल है।

कामरोड हरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै सरकार के नोअिस में लाना चाहता हूं कि पिरथला माईनर को पक्का करते समय कुछ एरिया ऐसा है जोकि नीचे चला गया है। चौधरी भजनलाल जी के वक्त में यह वि ोश कृपार की गयी। लोग कम्पलेन्ट करत है कि टेल तक पानी जाता। नांगली माइनर की लैवलिग भी की जए। तीसरी माईनर चन्दड (इन्दादुई माईनर) मंजूर हुई पड़ी है। मेरे पास सरकार का लैटर है लेकिन अभी तक विभाग की ओर सके कोई कार्यवाही नही की गयी है। क्या सरकार इस बारें मं अपनी स्थिति स्पश्ट करने की कृपा करेगी?

श्री सचदेव त्यागीः अध्यक्ष महोदय, पिरथला माईनर के बार में माननीय सदस्य ने पूछा है वहां 24 किलोमीटर पर का होना था जिसमें से 10 किलोमीटर पर काम हो चुका है और बाकी

पर काम अन्डर प्रोगैस है। टोटल ऐस्टिमेंट 40 लाख का है। जिसमें से 6 लाख का खर्चा अब तक हो चुका है। दूसरी बात इन्होने इंदाछुई माइनर की कही। यह 1987 में मंजूर हुई थी लेकिन इकस काम फतेहाबादर डिस्ट्रीव्यूटरी से लिक होता है जिसकी रि–मौडलिग और लाइनिग का काम भुरू हे। यह काम 4/90 तक पूरा हो जाएगा उसके बाद इंदा छुई माइनर के काम को हाथ मं ले सकेगे, उसस पहले संभव नही है।

Declaration of Bahain As Block

1035 Sh. Rattan Lal Kataira: Will the Minister for Education & Development be pleased to state—

(a) Whether there is nay proposal under consideration of the Gvernment to decalrae village Bahain a full fleded Block of District Kurukshetra; and

(b) If so, the time by which the afresaid propsal is likely to be materialised?

ि ाक्षा तथा विकास मंत्री (श्री हुक्म सिंह):

(क) जी नही।

(ख) प्र न उत्पन्न नही होता।

श्री रतन लाल कटारिया: स्पीकर साहब मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि किसी क्षेत्र में ब्लौक बनाने का क्या क्राइटेरिया है?

श्री हुक्म सिंहः स्पीकर सहब, ब्लौक 66 हजार की आबादी पर बनता है। मै माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि न तो इन्होने कोई मांग भेजी और न ही इलाके के लोगों से कोई मांग आई है कि बबैन की ब्लौक बनाया जाए।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, क्या विकास मंत्री जी बताएगे कि हरियाणा में कुछ और स्थानों पर ब्लौक का दर्जा देना विचारधीन है और क्या उन में सतनालों भी है?

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, इससमय हरियाणा में 108 ब्लौक है ओर ब्लौक बनाने का प्रस्ताव सरकार के विचारधीन नही है।

श्री रतन लाल कटारियाः स्पीकर साहब, मेरे चुनाव क्षेत्र में 165 गांव पड़ते है जिनमें से सौ गावं तो रादौर ब्लौक के है। बाकी चार गांव भाहबाद से मिला रख है अश्र चारगांव थेनसर से मिला रखे है। बाकी 57 गांव बवैन के ऊपर बनते है। हम आबादी का क्राइटेरिया भी पूरा करते है, हम जमीन देने के लिए भी तैयार है और ब्लौक बनाने की मांग भेजने के लिए भी तैयार है। क्या मंत्री जी बर्बन को ब्लौक बनाने की घोशण करेगे?

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, वैसे तो बबैन के चारों तरफ ब्लौक है। जैसे वहां से 7–8 किलोमीटर पर रादौरा ब्लौक है, भाहबाद है और लाडवा है। उसके चारों तरफ ब्लौक ही ब्लौक है।

श्री हरनाम सिंहः स्पीकरसाहब, यह इनफर्मे ान तो मेरे पास नही है कि बबैन से रादौर कितने किलोमीटर पड़ताहै।

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, यह इनफर्मे ान तेा मेरे पास नही है कि बबैन से रादौर कितने किलोमीटर पड़ता है।

श्री रणजीत सिंहः स्पीकर साहब, चूंकि चार नए जिले बने है इस वजह से तहसील ओर ब्लौकस की भी रि–आर्गेनाइजे ान हुई थी। मै जानना चाहता हूं कि कितने ब्लौकस बनाने की प्रपोजल आई थी और उसमें से कितने नए ब्लौक बने ओर कितने रिजैक्ट हुए?

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, डिस्ट्रिक्ट रि–आर्गेनाजे ान कमेटी ने नए ब्लौक्स बनाने की रिपोर्ट दी थी। उसकी यह भी रिपोर्ट थी कि राजौंद अलेवा में नया ब्लौक बना दिया। सढ़ौरा सब डिवीजन जमुनानगर में चला गया लेकिन हमने वहां भी नया ब्लौक बना दिया।

सेठ लक्षमण दास बजाजः स्पीकर साहब, मेरी कांस्टिचुऐन्सी करनाल के अन्दर चार ब्लौक है। एक गांव से एक एक ब्लौक बिलौंग करता है। कया मंत्री जी उस कांस्टिटुऐंी में एक ही ब्लौक बनाएंगे?

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, एक हल्के मतें एक ही ब्लाक हो यह सम्भव नही है लेकिन सब डिवीजन की सीमा टूटने न पाए यह हमारा क्राइटेरिया हैं

Mr. Speaker: Question Hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर खे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Arrear of House-Tax

1030 Sh. Surinder Kumar Madan: Will the Minister for Local Government be pleased to state—

(a) Whether any arrear on account of House Tax, Wather Tax, Octroi Duty and Tehbazari of the Municipal Committee in the STate was outstadning against any person/firm during the years 1987-88, and 1989-90; ;and

(b) If so, the details of the amount thereof separately togeterwith the steps taken or propsed to be taken to realize the arrear?

स्थानीय भाासन मंत्री (श्री सुभाश चन्द कटियाल):

(क) बकाया का विवरण एकत्रित करने में जितना प्रयत्न तथा व्यय तथा

(ख) होगा उससे उतना लाभ प्राप्त नही होगा।

Minis Secretariat at Gurgaon

1041 Sh. Sita RAm Singla: Will the Minister for revenue be pleased to state—

(a) Whether it is a fact that Government Offices are located in Panchayat Bhawan, Gurgaon; and

(b) If so, whether there is any proposal under consideration of the Government to accommodate these offices as referred to in part (a) above in the Mini-Secretariat complex at Gurgaon?

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के (2) 27 लिखित उत्तर

राजस्व मंत्री (राव राम नारायण):

(क) जी हां, यह ठीक है कि जिला राजस्व अधिकारी, तहसीलदार गुडगांव, उप तहसीलदार गुडगांव, उप तहसीलदार (चुनाव), उप–तहसीलदार (सरप्लस) से सरकारी कार्यालय पंचायत भवन गुडगांव में स्थित है।

(ख) लघु सचिवालय गुडगांव अभी पूरा बनाया जाना है। अभी केव लघु सचिवालय का न्यायिक कम्पलैक्स ही बनाया गया हे, प्र ाासकीय ब्लौक और इन्जीनियरिंग ब्लौक अभी बनाये जाने हें उपलब्ध भवन में इस समय, पंचायत भवन से स्थानान्तरित होने वलो सरकारी कार्यालयों को स्थान देने के लिए कोई जगह नही हैं तथापि प्र ाासकीय ब्लौक का निर्माण कार्य 01.04.90 से आरम्भ होने वाले आगामी वित्तीय वर्श में आरम्भ किया जायेगा, जिसक`लिए पहले से ही कार्यवाही भुरू कर दी गई है।

Fly-Over Bridge

1025 Sh. Mani Ram: Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whether the state Govt. has ever taken up the matter of consturction of Fly-ovr bridge on G.T. Road at Mandi Dabwali Railway line, with the Ministry of Railweays; and

(b) If so, the result thereof?

लोक निर्माण मंत्री (श्री ओम प्रका ा भारद्वाज):

(क) जी हां।

(ख) रेलवे इस कार्य को करने के लिए सहमत हो गया है। इसकी लागत रेलवे तथा भूतल परिवहन मन्त्रालय, भारत सरकार के बीच सांझी होगी। परियोजना अनुमानों को अन्तिम रूप देने के लिए सर्वेक्षण तथा भू–अन्वेशण इत्यादि कार्य किए जा रहे है।

Fair Price Shops

1045 Sh. Kailash Chand Sharma: Will the Minister of state for Cooperaton be pleased to state—

(a) The district wise number of fair price shops being run by the co-operative Department in the State at present; and

(b) Whether the employees working in shops as referred to in part (a) above are bing paid their salary regularly; if not, the reasons therefor?

सहकारिता राज्य मंत्री (श्री धीरपाल सिंह):

(क) भून्य।

(ख) प्र न ही उत्पन्न नही होता।

विभिन्न विशयों का उठाया जाना

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः अध्यक्ष महोदय, पिछले सत्र मे माननीय मुख्य मंत्री जी ने इस महान सदन के सदस्यों के प्रति कुछ आपत्तिजनक भाब्दों को इस्तेमाल किया था। माननीय मुख्य मंत्री जी ने इस महान सदन के सदस्यों के प्रति कुछ औब्जैक ानबल किस्म के भाब्दों जैसे असामाजिक और गैर राजनीतिक आदि का इस्तेमाल किया था। आप इस बारें में अपनी रूलिंग दें। क्या ये उचित भाब्द थे? (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप यह बात उसी दिन कहते। That is not the relevant matter for today.

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः स्पीकर साहब, आप इस बारें में अपनी रूलिंग दे कि क्या ये पालियामैंटरी भाब्द है? यह बाड़ा अहम मामला हैं सदन का अपमान किया गया है। (ाोर)

Mr. Speaker: That is not the point at issue today.

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः अध्यक्ष महोदय, इनकी तरह से जो कुछकहा जाता है। वह रैलेवेट है और हम जो कुछ कहते है, क्या वह रैलेवैट नही है?

श्री अध्यक्षः ऐसी कोई बात नही हे। आप आज के बिजनैस के बारें में कुछ कहना चाहते है तो कहे वरना कृपया बैठे।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, कल मैने मेहम के संबंध में आपकी सेवा में एक काल अटै ान मो ान का नोटिस दिया था। मेरे काल अटै ान मो ान की भाशा भी वही थी जो कल सरकार की तरफ से दी स्टेटमैंट की थी। प्रैस के ऊपर भी कुछ बातें हुई है और दूसरी भी बहुत सारी बाते ंहुई है। मेहम के संबंध में सारे दे ा में चर्चा है। मेहम में हुई हिसा के बारें में सरकार की तरफ से माननीय उप मुख्य मंत्री श्रीमान गुप्ता जी ने जो स्टेटमैंट दी है, की तरह की बात मैने अपने काल अटै ान मो ान में कही है। मै जानना चाहता हूं कि उस काल अटै ान मो ान का क्या बना?

श्री अध्यक्षः आपने मेहम के बारें में जो काल अटै ान मो ान का नोटिस दिया था, that was disallowed.

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मैने मेहम के बारें में अटै ाश्न मो ान का नोटिस एक स्पैसिफिक पर नोटिस दिया था।

श्री अध्यक्षः क्या गवर्नमैंट की तरफ से स्टेटमैंट आने के बाद भी आप सैटिसफाईड नही है?

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्षमहोदय, मै सबमिट करना चाहूंगा कि गवर्नमैंट यदि कोई बात एडमिट कर ले और कोई मिनिस्टर या माननीय मुख्य मंत्री स्टेटमैंट भी दे दे, उसके बाद भी काल अटै ान मो ान स्वीकार की जा सकती है।

श्री अध्यक्ष: इसमे ंमौ ान स्वीकार करने की बात नही है, क्योंकि गवर्नमैंअ का स्टेटमैंट आने के बाद उसका महत्व नही रहता।

Sh. Ram Bilas Sharma: Sir, I want to draw your atention to pate 407 of Kaul & Shakdhar's book which reads as under:—

"A notice is normally disallowed or may be dept pending if an intimation has already been received from the Minister that he will make or lay on the Table a statement on the subject suo motu or if the subject is likely to be raised on another motion which has been admitted for discussion.....

श्री अध्यक्ष: आप इससे आगे भ देखे और अगला सैन्टैन्स भी पढे जिसमें लिख है कि The speaker can disallow the calling attentin notice on the subject.

Sh. Ram Bilas Sharma: I am not challenging your suthority but my humble submisson is that जो मैने काल अटै शन मो ान का नोअिस दिया थ उसी लैग्वेज भी वही थी जो सरकार की तरफ से दी गई स्टेटमैंअ में थी। यह अच्दा होता

यदि माननीय गुप्ता जी मेरी काल अटै ान मो ान के जवाब में वह स्टैटमैंट देते।

श्री अध्यक्षः क्या उस स्टेटमैंट में आपकी तसल्ली नही है?

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः स्पीकर साहब, इनके कहने का मतलब है.....

Mr. Speaker: Mr. Mahender Partap ji, please sit down, he knows his point more than you.

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, उसमें सारी बातें नही आई। आप मेरी काल अटै ान मो ान के नोटिस को यदि ऐडमिट कर लेते तो सारे हरियाणा में मेहम के बारें में स्थिति स्पश्ट हो जाती।

श्री अध्यक्षः भार्मा जी आपका नोटिस मैने डिसअलाऊ कर दिया है और इस प अब चर्चा न की जाए।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकरसाहब, मेरी एक काल अटै ान मो ान डिजनीलैड के बारें में भी थी। उसका क्या बना?

Mr. Speaker: About Disneyland, there are 4-5 calling attention motions.

डाक्टर साहब भायद आपने भी इस बारें में काल अटै ान मो ान का नोटिस दिया है।

डा0 मंगल सैनः जी हां।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः स्पीकर साहब, मैने भी एक मो ान दी है।

श्री अध्यक्षः ठीक है। आप बैठिए।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, आपने कहा कि कल आदरणीय गुप्ता जी ने जो स्टेटमैंट दी उससे हमारा परपज हल हो गया लेकिन there is a lot of difference between a statmnt made under Rule 64 and calling atention motion. In a calling attention motion, Sir, we are allowed to ask certain questions.

Mr. Speaker: Two questions.

Dr. Mangal Sein: Certain questions, Sir, I have not defined the number of questions, but certain qeustions are permitted certainly. Wheres, Sir under Rule 64, no member is allowed to raise any questin at all. We have thus been deprived of from asking the questions.

Mr. Speaker: That is not the question. When an intimationis received from the Minister that he will make a statement on the subject su moto or a statement is made, the notices of calling attentionmotions etc. on the same subject can be disallowed.

Dr. Mangal Sein: My humble submission is that we have been deprived of from asking questions.....

Mr. Speaker: No, that is not the case. Dr. Sahib, there was absolutely no such intention.

Dr. Mangal Sein: Speaker Sahib, I have no doubt about your intention.

Mr. Speaker; Doctor Sahib, let me complete. The statement of the Government has voluntarilycome. Beside, Budget s to be presented tomorrow and you will get sufficient opportunity to speak during its discussion.

डा० मंगल सैनः स्पीकर साहब, जब सरकार खुले दिन से कहती है कि वह इस मामले मैं बेगुनाह है तो क्यां नही इस मामले में डिस्क ान करने देती हैं डिस्क ान में जो बात हम कहे उसका वह जवाब दे ताकि उससेहमारी भी भांक दूर हो जाये।

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, उन्होने जवाब तो दे दिया है।

डा0 मंगल सैनः उन्होने जवाब नही दिय है। हमकों तो बोलने ही नही दिया गया है।

Mr. Speaker: Doctor Sahib, this is not the case. जब आप बजट पर बोलेगे तो गवर्नमैंअ जवाब देगी।

डा0 मंगल सैनः उन्होने जवाब नही दिया है। हमकों तो बोलने ही नही दिया गया है।

Mr. Speaker: Doctor Sahib, this is not the case. जब आप बजट पर बोलेगे तो गवर्नमैंट जवाब देगी।

डा0 मंगल सैनः बजट पर तो हम बोलेगे ही और वह किसी की हमारे ऊपर मेहरबानी नही है। Mr. Speaker Sir, when we speak on the budget, that is our right, There will be neo favour.

Mr. Speaker: Yes, yes. You have a right.

डा0 मंगल सैनः हम अपना राईट ही इस्तेमाल करेगे। इसमें आपकी फवर दिखाने की क्या बात है?

Mr. Speaker: Doctor Sahib, I do not say that I am fovouring you any where. I have not said so.

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, रूल 64 के तहत.....

.....

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, क्या आपकी कोई काल अटैन ान मो ान इस बारें मे थी?

डा0 मंगल सैनः मेरी नही थी। मै इसलिए कह रहा हूं...

.....

श्री अध्यक्षः आप बैठिए। That matter was decided yesterday.

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, इसका मतलब यह नी है कि मै डिबेट में हिस्सा नही ले सकता।

Mr. Speaker: Doctor Sahib, that matter has already been decided. Plaease take your seat. Let me take up the next item.

Dr. Mangal Sein: Mr. Speaker, Sir now you are seized fo tht Meham affair. That is a Calling Attention Motion of my friends Pro.f. Ram Bilas Sharma and I have a right to comment on his request.

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, आपने कह दिया और मैने सुन लिया। Thank you ver much.

श्री योगे ा चन्द भार्माः स्पीकर साहब, मेरी भी एक कालिग अटै ान मो ान थी उसका क्या हुआ?

श्री अध्यक्षः भार्मा जी, आपकी कालिग अटैन ान मो ान राम को 10.00 बजे पहुंची थी and that is under consideration.

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि उप मुख्य मत्री महोदय ने मेहम वाई इलैक ान के बारें में वक्त्वय दे दिया है। लेकिन यह भी सच है कि जो स्थगन प्रस्ताव तथा कालिक अटै ान मो ान को डिसअलाउ ही कर दिया तो फिर वक्त्वय देने की जरूरत ही क्या थी? जब मो ांज के डिसअलाउ होने के बाद भी वक्तव्य दिया जा सकता है तो जैसी डाक्टर मंगल सैन जी ने मांग की है। आपको इस मामले को दुबारा अलाउ या कंसीडर करने में क्या आपत्ति है?

श्री कैला ा चन्द भार्मा: स्पीकर साहब, मेरे इलाके के कई गांवों में ओले पड़े है। उसे बारें में मैने एक कालिग अटै ान मो ान दी थी उसक क्या हुआ? (ोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Kailash Ji, that is under consideration, please take your seat. Let me heart Mr. Punia now.

श्री किरपा राम पुनिया: स्पीकर साहब, मेरी स्पीकर के औफिस पर ऐस्प ान कास्ट करने की इन्टैन ान नही है। मै थोड़ी सी मोतबाना अर्ज करना चाहूंगा कि किस तरह से मिसाल बनती जा रही है। कि * * * *

Mr. Speaker; This is not to be recorded. Punia Sahib, I have not admitted anything which wrong.

श्री किरपा राम पुनिया: स्पीकर साहब, मै यह इसलिए नही कर रहा कि यह केवल मेरी ही भावना है।। मै 19 जनवरी के इंडियन ऐक्सप्रैस अखबार की एक खबर को कोट करता हूं। इसमं लिखा–

श्री अध्यक्ष: 19 जनवरी की बात कहां से आ गई? Moreover, that is one sided.

श्री किरपा राम पुलिया: आप मेरी बात सुन तो लीजिए।

Mr. Speaker: No, no Punia Sahib. This is not the way. आप 19 जनवरी की बात कर रहे हे। and i am not seized of it.

श्री किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, जब जनवरी में पिछला विधान सभा सै ान खत्म हुआ तो उसके दो तीन के बाद 19 जनवरी को इंडियन ऐक्सप्रैस वालों और दूसरे अखबार वाले ने एि रिव्यू दियाथा। उसकी दो लाईनो ंमै आपकों पढ कर सुना देता हूं। * * * * *

Mr. Speaker: This is not to be recorded.

श्री किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, आप मेरी बात तो सुने।

Mr. Speaker: Punia Sahib, I will not allow you. You are exceedin you limit. This is unfair. You please take your seat. Prof. Samat Singh Ji, you want to say somethig?

Home Minister (Pro. Sampat Singh): Yes, Sir.

श्री किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, डा0 मंगल सैन जी ने जो बात कही है.....

Mr. Speake: No, no Punia Sahib I will not allow it. You please **take your seat.**

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आज से तीन महीने पहले किसी अखबार में क्या बात लिखी है। और उसमें कया खबर छपी है उसका अब हाउस मे कहने का कोई ओकेजन नही है।

श्री किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहबा, मेरे को तो आपने सुना नही लेकिन मेहम के बारें में जो कालिग अटै ान

मो ान दी गई है उसके बारें में डा0 साहब ने जो कहा है उसे मान लीजिए।

श्री अध्यक्षः आप लिख करे भेजे। उसक बाद देख लेगे। Please take your seat.

श्री अध्यक्षः अब पालियामैट्री अफेयर्ज मिनिस्टर रूल 30 के तहत प्रस्ताव पे ा करेगे।

Home Minister (Porf. Sampat Singh): Sir, I beg to move—

That Rule 30 of the Rules of procedure and conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government Business be transacted on Thursday, the 15th March, 1990.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पे ा हुआ—

कि हरियाणा विधान सभा के रूल औफ प्रोसीजर एण्ड कण्डक्ट औफ बिजनैस के रूल 30 को सस्पैड किया जाए तथा थर्सडे, 15 मार्चा 1990 को औफि ायल बिजनैस ट्रांजैक्ट किया जाए।

श्री अध्यक्षः प्र न है—

कि हरियाणा विधान सभा के रूल औफ प्रोसीजर एण्ड कण्डक्ट औफ बिजनैस के रूल 30 को सस्पैड किया जाए तथा

थर्सडे, 15 मार्चा 1990 को औफि ि ायल बिजनैस ट्रांजैक्ट किया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

नियम 121 के अधीन प्रस्ताव

समितियों के गठन सम्बन्धी

श्री अध्यक्षः अब पालियामैटरी अफेयर्ज मिनिस्टर रूल 121 के तहत प्रस्ताव प्रस्तुत करेगे।

Home Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I bet to move—

That the provisios of Rules 228, 230, 230B and 260A of the rules of procedure and conduct of Business inthe Haryana Legislative Assembly in so far as they relate to the constitution of the—

(i) Committee on Public Accounts;

(ii) Committee on Estimates;

(iii) committee on Public Undertakings; and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes for the Year 1990-90 be suspended.

Sir, I aslo move—

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of tht aforsaid

Committees for the year 1990-91, keeping in view the proprotonate strength varous parties/groups in the House.

श्री अध्यक्ष: प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

That the provisios of Rules 228, 230B and 260A of the rules of procedure and conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in so far as they relate to the constitution of the—

(i) Committee on Public Accounts;

(ii) Committee on Estimates;

(iii) Committee on Public Undertakings; and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes for the Year 1990-90 be suspended.

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of tht aforsaid Committees for the year 1990-91, keeping in view the proprotonate strength varous parties/groups in the House.

श्री अध्यक्ष: प्र न है–

That the provisios of Rules 228, 230, 230B and 260A of the rules of procedure and conduct of Business inthe Haryana Legislative Assembly in so far as they relate to the constitution of the—

(i) Committee on Public Accounts;

(ii) Committee on Estimates;

(iii) committee on Public Undertakings; and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes for the Year 1990-90 be suspended.

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of tht aforsaid Committees for the year 1990-91, keeping in view the proprotonate strength varous parties/groups in the House.

That the provisios of Rules 228, 230B and 260A of the rules of procedure and conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in so far as they relate to the constitution of the—

(i) Committee on Public Accounts;

(ii) Committee on Estimates;

(iii) Committee on Public Undertakings; and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes for the Year 1990-90 be suspended.

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of tht aforsaid Committees for the year 1990-91, keeping in view the proprotonate strength varous parties/groups in the House.

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

वर्श 1989—90 के सप्लीमैंटरी ऐस्टिमेंट्स (दूसरी किस्त) पर चर्चा तथा मतदान

(i) **राज्य के राजस्वों पर प्रभारित व्यय के अनुमानों पर चर्चा**

(ii) **अनुपूरक अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान**

श्री अध्यक्षः आनरेवबल मैम्बर्ज, अब वर्श 1989–89 के सप्लीमैटरी ऐस्टिमेंट्स (दूसरी किस्त) पर चर्चा भ्ारू होगी। जो आनरेबल मैम्बर्ज, चार्जड आइटम्ज को डिसकस करना चाहे, वे करसकते है तथा पहली प्रैक्टिस के मुताबिक हाउस का टाइम सेव करने के लिए ओर्डर पर रखी गई सभी डिमाण्डज पढ़ी तथा मूव की गई समझी जाएगी। आनरेबल मैम्बर्ज किसी भी डिमाण्ड पर डिस्क ान कर सकते है। लेकिन डिस्क ान स्टार्ट करने से पहले वे उस डिमाण्ड का नम्बर बात दे जिसकों वे डिस्क ा करना चाहते है। डिस्क ान के बाद डिमाण्डज हाउस की वोट के लिए पुट की जाएंग।

That a supplementary sum not exceeding Rs. 372400 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 1 Vidhan Sabha.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 319300 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 2 General Adminstraction.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 175300000 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 3-Home.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 2532000 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 4-*Revenue.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 30355000 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 5-*Excise and Taxation.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 87234000 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 6-*Finance.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 214796000 for revenuse expenditure and Rs. 637000 for capital expenditure be granted to the Governor to dfray charges taht will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 7-*other adminstractive Services.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 46625000 for revenuse expenditure be granted to the Governor

to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 8-*Buildings and Roads.*

वर्श 1989–90 के सप्लीमैंटरी ऐस्टिमेंट्स (दूसरी किस्त) पर चर्चा तथा मतदान

That a supplementary sum not exceeding Rs. 438058000 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 9-*Education.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 6401570 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 10-*Medical and Publice Health.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 32341000 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 11-*Urban Development.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 145213000 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 13-*Social Welfare and Rehabilitation.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 105500000 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 15-*Irrigation.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 1490000for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 16-*Industries.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 47323000 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 17-*Agriculture.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 53205000 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 20-*Forest.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 220164000 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 21-*Community Development.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 49331500 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for

the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 23-*Transport*

चौधरी कि ान सिंह सांगवान (गोहाना): स्पीकर साहब, कल हमारे माननीय उप मुख्य मंत्री व वित्त मंत्री महोदय ने वर्श 1989–90 के सप्लीमैंटरी ऐस्टिमेंट्स सदन में पे ा किए थे। ये ऐस्टिमेट्स हाउस की कमेटी, जिसे 'ऐस्टिमेंट्स कमेटी' कहते है,ने पूरी छानबीन के बाद पास कर रखे है। जो एक्सपैडिचर एक्सट्रा हुआ है और जिसके ऐस्टिमेटस सदन में प्रस्तुत किये गये है, मै उसके समर्थन में बोलने के लिए खडत्रा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, जैसा मैने पहले कहाहै पूर डिटेल में कमेटी ने डिसकस करके ही इनके बारें में अपनी रिपोर्ट सदन में पे ा की हैं हरेक डिमांउ कीपूरी डिटेल्ज सपीलमैंटरी ऐस्टिमेंटस की किताब में दी हुई हैं अध्यक्ष महोदय, यदि मै इसको पूरा पढ़ने लगू तो बहुत समय लगेगा। इसलिए सक्षेप में ही मै कुछ डिमाडज पर अपनी बात कहना चाहूंगा।

स्पीकर साहब, डिमान्ड नम्बर चार रेवेन्यू डिपार्टमैट से संबधित है। आपकों मालूम ही है कि पिछले कुछ महीनां पहले हमारे हरियाणा प्रांत के चार नये जिले बनाये गए, कुछ सब–डिविजज बनाये गये, कुछ तहसीले ओर कुछ नये ब्लौकस भी बनोय गये। ऐडमिनिस्ट्रे ान को प्रभावी तौर पर चालने के लिए यह तबदीली की गई थी। उस तबदीली के कारा कुछ खर्च बढ़ा। उस खर्चे को पास करने के लिए यां पर ये सप्लीमैटरी डिमान्डज

पे ा की गई है। यह बड़ी जरूरी चीज थी। सारे इलाकों से, जगह जगह से मांग आ रही थी हमारे यहां जिला बनाया जाये या तहसील बनायी जाये। जब यहां पर हमारे आदरणीय चौधरीदेवी लाल, मुख्य मंत्री थे ओर जो आज केन्द्र में उप प्रधान मंत्री है, उन्होने लोगों की इच्छा के अनुसार उनकी मांगे पूरी की। उन्होने चार जिल बनये, डिविजज बनये ओर सब डिविजज भी बनाये है। इसलिए स्वाभाविक तौर पर खर्चा बढ़ना जरूरी था। हर महकमें में खर्चा बढ़ा हैं रेवेन्यू विभाग में भी काफी खर्चा बढ़नी जरूरी था। हर महकमें में खर्चा बढ़ा है। इसलिए ये सप्लीमैटरी डिमान्डज लानी पड़ी। लेकिनस्पीकर साहब मै इस मामले में एक दो सुझाव जरूर देना चाहूंगा पहले भी जो अधिवे ान हुआ था उस समय भी इसबात को मैने कहा था। उस चौधरी सूरजभान जी रैवेन्यू मिनिस्ट थे। मैने एक प्र न किया था कि हमारे जो किसान है वे बड़े सादे है, अगर उन्हें कोइ जमीन मोल लेनी हो पट्टे पर लेनी हो या किसी मुकदमें के लिए अदालत में फर्द पे ा करनी हो तो यह पटवारी से लेनी पड़ती है। आमतौर पर जमीदार को पटवारी मिलता नही और अगर मिलता है तेा जि फर्द की चार रूपये फीस है, उसके 100 या 200 रूपये देने पड़ते है। इसलिए मैने सुझाव दिया था कि इस बारें में सरकार पूरा गौर करे और किसानों को लुटने से बचाये और चौधरी सूरजभान जी ने गौर करने की बाम कही थ। मैने कहा था कि एक तो किसान के पास जमीन की कापी बना कर दी जाये। उसकी बाकायदा लीगल सैकंटिटी हो, चाहे वह अदालत में पे ा करे या कसी दूसरी जगह पे ाकरे।

किसान अपनी कापी दिखा दे तेा उसकी मान्यता होनी चाहिए। दूसरा सुझाव मैने यह दिया था क जिस तरह से हर तहसील पर कौपिग एजैन्सी हौी है उसी तरह से किसानों के लिएभी एक एजैन्सी होनी चाहिए। अदालत जो भी फैसला देती है, कौपिक एजैन्सी उस फैसले की नकल देती है। जिस आदमी ने नकल लेनी होती है। वह दरखास्त पर प्रैसक्राइब्ड टिकड लगा देता है ओर उेस नकल मिल जाती हैं अगर इसी तीरके से फर्द का किसानो के लिए प्रबन्ध कर दिया जाये तो बड़ा भारी इन्साफ होगा, उनका भला होगा। वे गरीब किसान ऐक्सपलटे ान से बच जायेगे। मै सरकार से प्रार्थना करता हू कि यह एक बहुत ही जरूरी मांग है अज्ञैर इस समस्या को दूर करने के लिए सरकार जरूर कदम उठाये।

डिमान्ड नम्बर पांच ऐक्ससाइज एन्ड टैक्से ान डिपार्टमैंट से से संबंधित है। इस में 30355000 रूपसे का ऐडि ान लऐक्सीपैडिचर हुआ हैं इसे भी पास करना जरूरी है। इसका भी मै समर्थन करता हूं। हरियाणा में जो भी नये जिले बने है, उनमे दफ्तर भीखुले है, नयी पोस्टे बढ़ी है और वे खर्चे जायज भी है लकिन मै आपके माध्यम से वित्त मंत्री महोदय से प्रार्थना करनाचाहता हूं क्योंकि वे पे ो से व्यापारी है ओर व्यापारियों की समस्या को बहुत अच्दी तरह से समझते है। आम तौर पर व्यापारियों को टैकस के माममले में यह ि ाकायत रहती है कि इसमें इतनी उलझने है कि इन्सपैक्टर्ज और औफिसर्ज व्यापारियों

को तंग करते रहते है। हालांकि मै इस बात क `लिए अपनी सरकार को बहुत मुबारिकबादऔर धन्यवाददेता हूं कि व्यापरियों को जितनी सुविधाये इस मौजूदा सरकार न दी है, आज तक किसी भी सरकार ने व्यापरियों को नही दी है। फिर भी मै बारें में कुछ कहना चाहूंगा। (इस समय सभापतियों की सूची के एक सदस्य, श्री आत्मा राम गोदारा, पदासीन हुए) मै आदरणी गुप्ता जी से प्रार्थना करूंगा कि टैक्सिज के मामले में जितना ज्यादा सरलीकरण हो उतना ही ज्यादा सब के लिए, व्यापारियों के लिए ओर प्रदे ा के लिए फायदा है। ज्यादा टैक्सिज होगे तो ज्यादा चोरी ाहेती है। अफसर ज्यादा दखल देते हैं व्यापारी भी परे ाान होते है। चेयरमैन सर, अभी तीसरे या चौथे दिन पहले की बात है। एक छोट सा दुकानदार व्यापरी मुझे मिला। उसने गोहाना में आयल एक्सप्लोरर यानी तेल का कोल्हू का व्यापार करते है। उसे अपनी आत्म कथा बताई। मुझे बड़ी दुःख भरी कहानी सुनाई। उसने कहा कि हम छोटा सा व्यापार करते है। हम सरसो पर भी मार्किट फीस देते है। जब हम तेल निकाल कर बाहर बाजार में ले जाते है तब वहां पर 5 परसैट सेल्ज टैक्स गवर्नमैंट को दिना पड़ता है। इस वजह से उनको कोई फायदा नही हो रहा है ओर न हो गवर्नमैंट को फायदा है। मै गुप्ता जी से प्रार्थना करूंगा कि इस मामले में पूरी छानबीन करे। जब वह तेल लेजकर दिल्ली में बेचते है या वहां से दूसरे प्रांत में जाते है तो वहां पर कंपिटि ान में टिक नही पतो। वहां पर सेल्ज अैक्स बहुत कम हैं हरियाणा में

बहुत ज्यादा सेल्ज टैक्स है। मै यह आ ा करूंगा कि सरकार इसबात पर पूरा गौर फरमायेगी।

जब मै बिल्डिगज एंड रोड्ज की डिमांड नं0 8 के बारें में कुछ कहना चाहता हूं। चेयरमैन सर, भारद्वाज साहब बैइे है। इस बार इनके पास कोई सवाल आया नही है। वरना आमतौर पर यह कह देते हे कि ऐडीक्वेट फन्ड्ज जब मिल जायेगे तो सड़ बना देगे। ऐसी बात इन्होन बहुत बार इस हाउस मे ंकही हैं पता नही रोल रोलर इन्होने कहा पर खडे कर रखे हैं पता नही हसनगढ़ हल्के में खड़े किए होगे। मै आदरणीय वित्त मंत्री जी से यह प्रार्थना करूंगा कि हरेक गांव में हय मांग है कि हमारी लिक रोड बनायी जाये। तीनसाल के करीब इस सरकार को आए हाने जा रहे है। इस मामले मे ंहमारा काम थोड़ा ढीला है। इसमे ंतेजी लायी जाये। इन डिमाड्ज में भारद्वाज जी ने 5.06 करोड़ रूपया मांगा है। मै तो यह कहता हू कि बे ाक इनकों 4–5 करोड़ रूपया और दे दिया जाये लेकिन वह रोड रोलर जरूर चले। लोग इसके न चलने से बड़े तंग है। इस मामले ममें भी मै समर्थन करता हूं। मै आने उप मुख्य मंत्री जी को एक सुझाव पे ा करना चाहता हू। हामर जो एग्रीकल्चर मार्किटिग बोर्ड है, वह बड़ा ही धनवान बोर्ड है। उसे पास बहुत पैसाहै। लेकिन उने पास अपना इंजीनियरिग विग बड़ा कमजोरहै अैर इन सफि ाएंट हैं मै आपके माध्यम से श्री बी0 डी0 गुप्ता जी से यह प्रार्थना करूंब कि या तो पी0 डब्ल्यू0 डी0 का स्टाफ मार्किटिक बोर्ड में और डैपुटे ान दे दिया

जाये या फिर माकिटिग बोर्ड का पैसा पी0 डब्ल्यू डी0 को ट्रांसफर कर दिया जाये ताकि यह सड़कों का काम जो बडत्री धीमी गति से चल रहा है, वह कुछ गति पकड सके।

अगली डिमांड जो हाउस मे ंपे ा की गयी है, वह डिमांड नं 9 जो ऐजूके ान डिपार्टमैंट से संबधित है। आरणीय चेयरमैन साहब, मै आपके माध्यम से इस सरकार को मुबारिकबाददेना चाहता हूं कि ि ाक्षा के मामले में पिछले अढ़ाई तीन साल में जब से चौधरी देवी लाल जी की सकरार आयी है, हरियाणा में बहुत भारी सुधार हुआ हैं बहुत से स्कूल अपग्रेउ हुए है। स्कूलों की बिल्डिग्ज जो बहुत पुरानी थी।, और खराब हालत में थी, उनकी रिपेयर की बात भी आयी। एक प्र न के उत्तर में जब मतैन`रिकार्ड देखा तोयह पाया कि 1987–88 में बहुत ही कम स्कूल अपग्रेड किये गये थे लेकिन इस साल तो कुछज्यादा स्कूल अपग्रेड हुए है। मै आकपे माध्यम से सरकारसे प्रार्थना करूंगा कि स्कूल अपग्रेडे ान के मामले में सरकार पूरा गौर फरमाए ओर पूरा बजट दें। हर बांव की आबादी बढ़ती जा रही है ओर हरियाणा की लिट्रेसी रेट भी बढ़ता जा रहा हैं आज हर लड़का लड़की ि ाक्षा ग्रहरण करना चाहता है। हर जगह की मांग है कि जहां पर प्राईमरी स्कूल हैं वहां मिडिल स्कूल दिया जाए और जहां पर मिडिल स्कूल है वहां पर हाई स्कूल किया जाए और जहां पर हाई स्कूल है वहां पर सीनियर सैकण्डरी स्कूल की मांग है। आबादी बढ़ती जा रही है। इसलिए मै वित्त मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि

ि ाक्षा के लिए पैसा देने में वे कन्जूसी न बतरे और जनता की मांग को देखते हुए जहां पर पोस्ट्स की कमी है उन स्कूलों मे पोस्टस भरी जाएं। चेयरमैन साहब, बहुत से स्कूलों में पोस्ट्स खाली पड़ी हैं और पोस्ट्स खाली रहने से बच्चो की पढ़ाई ठीक प्रकार नही हो रही है। इस डिमांड में जो पैसा मांगा गया है उसका मै समर्थन करता हूं और वित्त मंत्री जी से एक बार फिर प्रार्थना करता हू कि स्कूलों के अपग्रेडेशन के मामले मे ओरपोस्ट्स सैक ान करने में सरकार कंजूसी न बरते। मै चौधरी हुकम सिंह को बधाई देना चाहता हूं क्योंकि अभी पिछले दिनों उन्होने ब्यान दिया था और उनका वह ब्यान सच्चा हो रहा है। उन्होने ब्यान दिया थाकि हरियाणा का कोई गांव ऐसा नही रहेगा जहां पर प्राईमरी स्कूल न हो। चेयरमैन साहब, हरगांव में पूरी तरह से काम चल रहा है।

चेयरमैन साहब, जब मै डिमांड नं0 10 जो मैडीकल एण्ड पब्लिक हैल्थ के बारें में है, उस पर कुछ कहना चाहता हूं। इस विशय में मै सरकार की तारीफ किए बिना नही रह सकता। चौधरी ओम प्रका ा चौटाला ने मुख्य मंत्री बनते ही ऐलान किया था कि हरियाणा पहला राजया होगा जहां पर हरेक को पीने का पानी मिलेगा और इसके लिए पचास करोड़ रूप्या पबिलक हैल्थ को टयूबवैल्ज नगवाने के लिए दिया। इस दि ाा में बड़ी तेजी से काम चल रह है। इसके लिए हरियाणा सरार बधाई की पात्र है। यह बहुत ही सराहनीय काम किया है चेयरमैन साहब, 42 साल की

आजादी के बाद भी हमारी बहुत सेसे ऐसे गांव थे, जहां पीने का पानी उपलब्ध नही है। हमारी सरकार ने इस समस्या पर ध्यानदिया है और आन`वाले साजालें में हर गांव में ओर हर ाहर मे ंपीने का पानी उपलबध हो जाऐगा। चेयरमैन साहब, आप मैं गुप्ता जी का ध्यान अपने हल्के की दो समस्याओं की तरफ दिलाना चाहता हूं। चेयरमैन साहब मेरे हल्के में भैसवाल गांव है वहां के लिए प्राईमरी हैल्थ सैन्टर मंजूर चुका है लेकिन अभी तक बिल्डिंग बननी भाुरू नही हुई हैं मेरी प्रार्थना है कि वहां पर बिल्डिग बनाने का काम भाुरू किया जाए। रूखी एक गावं है वहां पर भी प्राइमरी हैल्थ सैन्टर मंजूर हो चुका है। लेकिन कन्स्ट्र ान का काम भाुरू नही हुआ है। चेयरमैन साहब, रिठाल मेरे हल्के कासब से बड़ा गांव है। वाह पर आयुवैदिक डिस्पैन्सरी नही है। इतने बड़े गांव में कम से कम यह तो होना ही चाहिए। मेरी प्रार्थना है कि रिठाल गांव में एक प्राईमरी हैल्थ सैन्टर खोलने की कृपा करें।

इसके अलावा, चेयरमैन साहब, मै आपके माध्यम से डिमाण्ड नम्बर 11 जो अर्बन डिवैल्पमैंट के बारें में है, उस पर कुछ कहना चाहता हूं। इस डिमाण्ड में म्यूनिसिपल कमेटीज के बारें में हैं, उस पर कुछ कहना चाहता हूं। मै इस डिमांड का समर्थन करता हूं। चेयरमैन साहब, लगभग सभी म्यूनिसिपल कमेटीज को अपनी रिसोसिर्ज जुटाने चाहिए लेकिनि मेरी सरकार से प्रार्थना है कि जितनी अधिक से अधिक रा ि ा इन म्यूनिसिपल कमेटीज को दी जासके उतनी देनी चाहिए क्योंकि वहां पर बहुत से गरीब लोग

भी रहते है। वहां पर न तो नालिया है और न ही लाई हैं इसलि मेरी सरकारसे प्रार्थना है कि इस मद पर सरकार को वि ोश ध्यान देना चाहिए।

अन्तम में, मै डिमांड नं0 13 जो सो ाल वैलफेयर की है, के बोरं में कुछ कहना चाहता हूं। चोधरी जगन नाथ जी जोकि बए बहुत हीस्मार्ट मिनिस्टर हैं वे इस विभाग के इन्चार्ज हैं बुढापा पैन् ान के बारें में मैने पिछली बार भी कुछ सुझाव दिए थे। बुढ़ापा पैन् ान की जितनी भी तारीफ की जाए वह थोड़ी हैं इसने तो सारे दे ा की राजनीति ही बदल दी है। लेकिन इसमें एक कमी हैं कि हर गांव में पाच–दस आदमी ऐसी मिल जाएंगे जो काफ कंफ्यूजड हैं वे कहते है कि हमने फार्म भरा था लेकिन हमें पैन् ान नही मिली हैं मेरा इस बारें में सुझाव हैं है कि हर गाव ब्लाक में कम से कम बी0 डी0 ओ0 के पास हर गावं की सूची होनी चाहिए जिससे हर आदमी का `पता लग सके कि उसकी पैन् ान मंजूर हुई है या नही। कई लोग पैन् ान के लिए धक्के खाते रहते हे। कहने के लिए तो चेयरमैन साहब मेरे पास बातें बहुत है लेकिन समय का अभाव है। मै आपके माध्यम से इस सरकार का धन्यवाद करना चाहता हूं कि पिछल अढाई तीनसालों में खासतौर से जब से चौटाला साहब न बागडोर संभाली है। इस प्रदे ा ने विकास क कार्यो में बहुत तरक्की की है। अन्त में, मै इस हाउस क सम्मुख जो सपीलमैटरी ऐस्टिमेंट्स स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किए गए है, उनका समर्थन करता हू। धन्यवाद।

डा0 मंगल सैनः चेयरमैनसाहब, सदन में इस समय अनुपूकर अनुमान (दूसरी कि त) पर चर्चा चल रही है। यह सत्य है कि सब सत्र वि ोश वातावरण में सम्पन्न हो रहा है। आपको पता है कि फरवरी में दे ा के 8 प्रदे ाों में विधानसभाओं के चुनाव हुए और इन चुनावों में वर्शो से सत्ता में बैठी कांग्रेस सरकार को जनता ने उखाडा फैका है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः डाक्टर साहब, महाराश्ट्र का भी नाम ले लीजिए।

डा0 मंगल सैनः कैप्टन साहब, आपका ड्यू भी आपको अव य मिलेगा। आपका कया कहूं, आप तो अभी नवयुवक हो, अभी अभी काग्रेस में दाखिल हुए हो। जरा अपने गिरेबार में तो झांक कर दिखिए कि पुरान कांग्रेसी यू ही किस बात का ढिढोरा पीटते रहे है। बोफोर्स में खा गये जिसका प्र ाद आपको कैप्टन साहब पता ही है।, जनता ने अनको दे दिया है जिसको वे कांग्रेसी खूब याद रखेगे। तो मै चेयरमैर साहब यह निवेदन कर रहा था कि ऐसी परिस्थितियों में हमारा सत्र बैठा है जबकि पीछे ही हमारे प्रदे ा के दो चुनाव होकर हटे हैं एक थोनसर में और दूसरा महम में। थानेसर में तो जनता दल की जीत हो गई है ओर महम में भी जती लगभग नि चत ही थी। (विध्न)

श्री सभापतिः डाक्टर साहब, आप सप्लीमैटरी ऐस्टिमेंटा पर बोल रहे है। इसमें इलजैक ान कहां से आ गऐ।

डां0 मंगल सैनः चेयरमैन साहब, मै वही पर आ रहा हूं। मै आपने दायरे से बाहर नही जाउंगा। मेने नियम ओर उप नियम खूब पढे रखे है। मेरा निवेदन है कि इसमें इलैक ान की भी एम द है जिसमें हमने बैलट वौक्सिज की चौड़ा करने एव उनपरपेंट करने के लिए पैसा मांगा है। कहे तो मै पढ़कर सुना भी देता हूं। फिलहाल तो मै उस बारें में अर्ज कर रहा हं जिस बारें में कल गुप्ता जी ने वक्तव्य दिया था और बाकी साथियों को यहां बोलने भी नही दिया गया। ठीक है रूल 64 के तहत दी गई स्टेटमैंट के बारें में कोई बोल भी नही सकता था लेकिन अच्छा हाता अगर सभी को बोलने का मौका किल जाता ताकि सारी बातें स्पश्ट हो जाती। गुप्ता जी का सन्तुल अच्छा तो था लेकिन प्रैस के बारें मेंकुछ ज्यादा कह गए। चेयरमैन साहब, लोकतंत्र मं हारी प्रैस एक प्रहरी का काम करती है। अच्छे कामों के लिए प्रैस सरकार की प्र ांसा भी करती है। न्याया युद्ध में प्रैस सारी कारगुजारी को फ्रन्ट पेज पर छापा करती थी।

श्री सभापतिः डाक्टर साहब, आप प्रैस की बात नक करिए। आप सप्लीमैटरी ऐस्टिमेंटस पर ही अगर अपने भाशण को महदूद रखें तो अच्छा होगा।

डा0 मंगल सैनः मै निवदेन कर रहा हूंकि अच्छा होता अगर गुप्ता जी उस बात का अवायड करते। यह बात बिल्कुल ठीक है ओर निसंकोच कहना चाहता हूं कि जो जनता दल के विरोध मं खड़े थे उन्होन भद्दी गालियों देने में कोई कसर नही छोड़ी। मै

उसका च म दीद गवाह हूं। मै चौधरी देवी लाल जी के साथ हैलीकाप्टर में गया था। जब मदीना गांव में हम उतरे तो देखा वहां लोगों को और बच्चो ंको उन्होने बहका रखा था। लेकिन मै 28 तारीख के कांड को जस्टीफाई नही कर सकता। चेयरमैन साहब, मित्र होने के नाते मुख्य मंत्री जी को नेक सलाह दी थी। हमने इनके साथ मिल कर चुनाव लड़ा है। हमने तहैया किया हुआ था कि डूबेगे तो सनम इकट्ठे और पार जाएगे तो इकट्ठे जाऐगे।

श्रीसभापतिः अब क्या स्थिति है?

डा0 मंगल सैनः चेयरमैन सहब, अपनी क्लैरिफिके ान लेनी है तो लो लो। हम अब भी इनके साथ है। हमने इनको छोडऋने की घोशणा नही की हे। लेकिन मित्र के नाते सलाह देने में कोई हर्ज नही हैं मै अकेलासलाह नही दे रहा हूं। बल्कि जनता पाटी के सैक्रेटरी जनरल भी यह सलाह दे रहहै, श्री अटल बिहारी बाजपेइ जी ने भी कहा है कि मुख्य मंत्री को अपने पद से हट कर मौका दना चाहिए ताकि जो न्यायिक जांच हो हरी है वह निश्पक्ष हो। वह जांच निश्पक्ष हो ही नही बल्कि निश्पक्ष दिखे भी। अच्छा होता अगर मुख्य मंत्री जी यह सलाह मान लेते। (विध्न) ये कांग्रेसी भाई तो बोल ही नही सकते। उप चुनाव के बाद ये सुथनी पहन कर राश्ट्रपति के पास पहुंच गए हैं मै इनसे पूछना चाहता हूं कि उस चुनाव में आपका उम्मीदवार कहां चला गया थात्र आपको कोई झंडा नही ाि ओर न ही कोई पोस्टर था।

कैप्टन अजय सिंह यादवः चेयरमैन साहब, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है उभी डा0 साहब ने कहा कि हमार झंडा कही दिखाई नही दिया मै। पिछले दिनों रिवाडी से जीत कर आया हूं।

श्री सभापतिः आपको बोलने का मौका किलेगा, आप कृप्या बैठिए।

डा0 मंगल सैनः कैप्टन साहब, हमं दिख रहा है कि आप जीत कर आए है आपकी जीत के बारें में हमें सब पता है। इस बारें में मै कुछ कहना नही चाहता क्योंकि मेरी कुछ मजबूरी है। (ोर) तो चेयरमैन साहब, मै कहना चाहता हूं कि मै आने समय में अपनी बात कर रहा हूं। मेरे बाद आप इनको बोलेन का मौका दे। ये जा बाम कहना चो उस वक्त कह ले। ये लोग बे–मौसमी बात करते है। अढ़ाई साल हो गए है, कुछ तो समझ जाओं। चेयमरमैन साहब, मै निवेदन करना चाहता हूं कि क्या यह कांग्रेसियां की कोई भाकल है? ये तो एक दूसरे की टांग खीचते है। और अब भी एक दूसरे की टांग खचीने पर लगे हुए हैं। (ोर)

श्री सभापतिः डा0 साहब, आप सप्लीमैटरी डिमांडज पर ही बोले।

डा0 मंगल सैनः ठीक है जी। चेयरमैन साहब, मै निवेदन करना चाहता हूं कि गुप्ता जी ने रैवेन्यू की मद में और तो सारी बातें लिख दी लेकिन इन्होने डिजनी लैंड के बारें में

कोई चचर्चा नही की। यदि इसमें उसका भी उल्लेख कर देते तो बड़ा अच्छा होता। वहा के किसानों के उसके बारें में प्रद र्नि किय है। आप यह गुडगांव जले में डिजनी लैड बनाने जा रहे आप हमे इसक मतलब तो बताएं इसका क्या मतलब होता, इससे किसकों लाभी होगा? आप वहां के किसानों को उजाड़ेगे, वहां के मार्जिनल किसानों को उजडेगे लेकिन इससे लाभ किसको होगा? आप वहां पर अमेरिका बननो जा रहे है। ऐसा करने से अमेरिका नही बन सकता। हमने यह भी सुना है कि यह डिजनीलैड बनाने की कांग्रेस वाले के दिमाग की उपज हैं यदिवह कांग्रेसवालेां के दिमाग की उपज हैं तो आप उसे क्यों स्पीकार कर रहे है? यदियह कांग्रेस वालें के दिमाग की उपज है तो आप उसे क्या स्वीकार कर रहे है? (ाोर एवं व्यवधान) मेरी कोई भांक नही है लेकिन गुप्ता जी यह बात सर्वाविदित है कि आपका लगाव कांग्रेसियों से भी रहाहै। आप यह बात बिल्कुल नही मानते क्यों कि आप इस समय जनता दल के नेता हे। चेयरमैनसाहब, मेरा आपसे निवेदन हे कि डिजलीलैंड का मामला कई एकड़ जमीन का है।

उसको बनाने से क्या लाभ होगा ओर किसको होगा इस बारें में गुप्ता जी हमारे बोलने के बाद स्थिति को स्पश्ट करें तो इनकी बड़ी कृपा होगी।

उसके बाद चेयरमैन साहब, पुलिस की मद है। यह बड़ा सन्तोश का विशय है। भाई सम्पत सिंह के खिलाफ भी मुकद्दमा

दर्ज हुआ है या नही यह तो वे खुद स्पश्टीकरण दे देगे ओर पुश्टि कर देगे।

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): चेयरमैन सहब, डाक्टर साहब ने बोलते हुए फरमाया कि थोनसर में जनता दल की जीत हुई हैं अज्ञैर मेहम में भी हमारी जीत निि चत थी। 27 तारीख का सारा मामला ठीक हुआ है लेकिन डा0 साहब 28 तारीख की बात कर रहे है। मै डाक्टर साहब को बताना चाहूंगा कि 28 तारीख का मामला आज सबजुडिस है। ओर हमारी सरकार पहली सरकार है जिसने हिन्दुस्तान के अन्दर पहली बार सुओमोटो जुडिि ायल इंक्वायरी बैठाई हैं आज तक किसी भी सरकार ने सुओमोटो जुडीि ारूल इंक्वायरी नही बैठाई। उसकी इंक्वायरी हाई कोर्ट के सीटिग जज करेगे। इसलिए मै यही निवेदन करूंगा कि इस बारें में अगो डिस्क ान नही होनी चाहिए क्यों यह सब–जुडिस मामला है।

डां0 मंगल सैनः चेयरमैन साहब, मै तो यह सोच रहा था कि भाई सम्पत सहि मेरे को एनलाइटन करेगे ओर बताएंगे कि इनके खिलाफ कोई मुकद्दमा दर्ज नही हुआ। लेकिन इनके बारें में अखबारमे छपा था इसलिए मै कहना हूं कि यदि वह गोगनीजेबल ओफैस था तो ये यहां हाउस में कैसे बैठे है। या फिर ये बेल परहोगे। यदि कोई सरकारी कर्मचारी होता तो एक बारजेल में जाने के बाद वह सस्पैड हो जाता।

श्री सभापतिः डा0 साहब, जो सबजैक्ट अंडर डिस्क ान है, आप उसी पर बोले।

डा0 मंगल सैनः चेयरमैन साहबा, पुलिस के कुछ कर्मचारी गुम है। अच्छा होता अगर भाइ सम्पत सिंह इसबारें में स्थिति स्पश्ट कर देते हकि कितने गुम है। ओर कितने मरे है ताकि लागों को कोई भाक हीनही रहता। अभी लोग आपकी बात पर भरोसा नही कर रहे हे। आपने न्यायिक जांच कराकर बहुत काम किया हैं अगर यह बत ठीक है कि भाई सम्पत सिंह के खिलाफ मुकद्दमा दर्ज हुआ है और चोधरी ओम प्रका ा चौटाला के लड़के के खिलाफ भी मुकद्दमा दर्ज हुआ जैसा कि अखबारों में छपा है। तो यह सरकार की बडी हिम्मत की बात है। चेयरमैन साहब, उन्होने अपने घर वालें को भी नही बख्भाा। यहबबात होनी ही चाहिए। चोधरी देवी लाल जी कहते है कि लोक राज लोक लाज से चलता हैं

श्री सभापतिः डा0 साहब, आप जो मामला अंडर कंसिड्रे ान है उस पर नही बोल रहे है। आप तो भूमिका ही बना रहे हे।

डां0 मगल सैनः चेयरमैन साहब, मैने पुलिस की बात कही ओर इलैक ान की बात भी अर्ज की हैं इसी प्राकर से मंत्रीपरिशद के बारें में भी बाम कहना चाहता हूं कि कई मंत्रियों ने त्याग पत्र दिए है। उनहोने अपने त्यागपत्र क्यो दिए है,यह सभी

को पता है। चलो मेरे बोलते हुए सी0 एम0 साहब भी आए है ये भी मेरी बात सुन लेगे।

श्री सभापतिः डा0 साहब, आप डिमांड–वाईज ही बोले।

डा0 मंगल सैनः चेयरमैन साहब, मै डिमांडज पर ही बोल रहा हूं। मै कह रहा था कि कुछ मंत्रियों ने त्यागपत्र दिए है। मै जानना चाहूंगा कि उनके त्यागपत्र किस तारीख से स्वीकार किए गए है।

श्री सभापतिः आप डिमांड पर ही बोले।

डां0 मंगल सैनः आप मुऐ ऐनलाईटन कर दें कि कैसे बोलना चाहिए।

श्री सभापतिः आप खुद ही ही ऐनलाईटन्ड है।

डा0 मंगल सैनः चेयरमैनसाहब, मै निवेदन करना चाता हूं कि गुप्ता जी अनुपूरक मांगों को यह दूसरी किस्त लएहैं पहली किस्त तो ये पास करा चुके है। सी0 एम0 साहब यहां पर बैठै है। ये अपने मित्रों की बात माल ले और स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी के लड़के की बत ओर हमने नेता अटल बिहारी वाजपेई जी की बात मान लो। हो सकता है कि इनका मन बदल जाये। ये बडद्ये विवके ील व्यक्ति है। इसलिए अन्त में मै इतनी ही बातें करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री उदय भान (हसनपुर, अनुसूचित जाति): चेयरमैन साहब, जी अनुपूरक मांगे हमारे परम आरणीय उप मुख्य मंत्री जी ने पे ा की है। मै उनके समर्थन में बोलने के एि खड़ा हुआ हूं। मै सबसे पहले मांग नं 4 परबोलना चाहूंगा। मै सराकार का धन्यवाद रकनाचाहूंगा कि सरकारने अपरे हरियाणा के लोगों को जल्दी ओर सही न्याया दिलाने के लिए ओर लोगों की मांगों को ध्यान मै रखते हुए 4 नए जिले बनाए, कई तहसीले ओर सब तहसीले बनाई ओर ब्लौक्स भी नए बनाए गए है। ऐसे नए जिले, तहसीले, सब तहसीले ओर ब्लौक्स बनाने पर अब लोगों को अपने घरों से ज्यादा दूर नही जाना पड़ेगा। अब वहां के लोग अपनी समस्यओं को अपने स्तर पर नजदीक हो सुलझा सकेगे। इस काम के लोग अपनी समस्यओं को अपने स्तर पर नजदीक ही सुलझा सकेग। इस काम के लिए मै सरकार को पुन धन्यवाद देनाचाहूंगा। इस धन्यवाद के साथ–साथ मै सरकार से एक थोड़ी सी प्रार्थना भी करना चाहूंगा कि पूरी तरह से नजरअन्दाज किया गया है। होडल सब–तहसील सम्भवतः सबसे बड़ी सब–तहसील है और ब्लैक्स बनाए गए है। उसमें कई मामलों को पूरी तरह से नजरअन्दाज कियागया हैं होडल सब तहसील सम्भवतः सम्भवतः सबसे बड़ी सब–तहसील है ओर यह तहसील बनने की सभी भार्ते पूरी करती है। होडल सब–तहसील हे ओरयह तहसील बनने की सभी मेरी मांग हैं कि होडल सब तहसील को पूर्ण दर्ज दिया जाए। इस सब–तहसील को तहसील बनाए जाने के बादें में सदन में भी बार–बार आ वसन दिए गए है। कि यह मामला विचारधीन

है। इस बारें में मेरीसरकारसे पुन मांग है कि इस मामला विचारधीन है। इस बारें में मेरीसरकार से पुन मांग है कि इस मामले पर पुनः मांग है कि इस मामल`पर पुनः विचार करे और होडल स्ब–तहसील को पूर्ण दर्जा जल्दी से जल्दी दिया जाए। इसके सथ्ज्ञ ही साथ मेरी मांग है कि किसानों को उनकी सुविध के लिए पास बुक्स इ ा की जाएं ताकि उनकों पटवारियों के पास फर्द आदि लेने के लिए बार–बार न जाना पड़े। इसी प्रकार से मेरी मांग यह भी है कि आज के दिन रैवेन्यू डिपार्टमैंट में जो स्टैम्प पेपरों की कमी है, वह भी दूर की जाए। खासकार ऐफीडैविट, एग्रीमैंट पेपर ओर दूसरे जितने भी ऐसे पेपर है उनकी काफी कमी हैं इसलिए मेरी मांग है कि ये सभी कागज लोगों ाको ज्यादा से ज्यादा उपलब्ध कराये जाएं ताकि उन्हें अपना काम करवान में कोइठ कठिनाइ न आए।

चेयरमैनसाहब, अब मै मांग नं0 5 पर बोलना चाहूंगा। इस मांग के लिए मै सरकार को बहुत–बहुत धन्यवाद करना चाहूंगा। चौधरी देवी लाल जी ने सत्ता सम्भालने पर व्यापारियों को बहुत सुविधाएं दी है। जनता दल सरकार की तरफ से व्यापारियों को बहुत अधिक सुविधाए दी है। जनता दल सरार को तरफ से व्यापारियों परअभ तक एक भी टैक्स नही लगाया गया हैं बल्कि कछ चीजों के टैक्स में कमी की गई हैं ओर उन्हें बहुत अधिक सुविधाएं दी गई है। व्यापारियों की एक बहुत पुरानी मांग एस0 टी0 फार्म–38 हो हटाने का आ वसन भी दिया था लेकिन

अभी तक इस एस0 टी0–38 फार्म भीघ्र खत्म किया जाए। सभापति महोदय, श्री सांगवान जी ने सरसों परटैक्स के मुद्दे का जिक्र किया हैं सरसों पर एक ही बार टैक्स लगना चाहिए। सरसों पर टैक्स तो लगता ही उसके बार सरसो के तेल पर टैक्स लगता है। जब कि तेल पर टैक्स नही होना चाहिए। खल पर भी टैक्स काफी घटाया गया है चेयरमैन साहब, कम से कम तेल पर टैक्स तो नही होना चहिए। यह टैक्स एक बार सरसों पर ही होना चाहिए।सभा पति महोदय, दिल्ली के चारेां तरफ हमारे हरियाणा का क्षेत्र लगता हैं दिल्ली में टैक्स बहुत ही कम है जिससे साथ लगते हरियाणा प्रद ा की मार्किट बहुत प्रभावित होती हैं गुडगांवा, फरीदाबाद, सोनीपत ओर पानीपत के जिले दिल्ली के टैक्स से बेहत प्रभावित होते है। इसलिए मै अनुरोध करूंगा कि टैक्स कीदर को कुछ कम किया जाए। टैक्स दर कम करने से अधिक राजस्व की प्राप्ति होगी और जो टैक्स की चोरी होती है। उस पर भी कंट्रोल होगा। चेयरमैनसाहब, मै निवेदन करूंगा कि सरकार इसकी ओर भी ध्यानप दे ओर टैक्स को दर को कमी करे।

सभापति महोदय, अब में मांग संख्या 8 जो कि सड़के एवं भवन के बारें में है, के विशय में कुछ कहना चाहता हूं। हमारी सरकार ने इसकाम को गम्भीरता से लियाहै। मरम्मत ओर नई सड़कों ने इस काम को गम्भीरता से लिया है। मरम्पत और नई सड़कां के बनाने के लिए जो पैसा बजट में निर्धारित किया गया

था य़द्यपि पिछली सरकार के मुकाबले में काफी ज्यादा है लेकिन वास्तव में इस काम क लिए काफी कम हैं अभी भी बहुत से गांव ऐसे है जो कि सड़कों से नही जुडे। सरकार का कहना है कि 98 प्रति ात गांवों को सड़कों से जोड़ दिया गय हैं मेरे इलाके में 8–10 सड़के मन्जूर हुई थी लेनि काम केवल दो पर ही भ्रुरू हुआ हैं बाकी जगहों पर काम ठप्प पड़ा है। मेरे हल्के में गांव बासा से गांव भिडूकी तक सड़क बनाई जानी थी लेकिन यहां से पत्र गया है कि फण्डज न होनें के कारण उस सड़के बो बनाने का प्रस्ताव रद्द कर दिया गया हैं आदरणीय चौधरी देवी लाल जी ने इससड़क को बनने की घोशणा की थी सभापति महोदय, मै निवेदन करूंगा कि चूंकि यह सड़क बनाई जानी बहुत जरूरी है। इसलिए इस सड़क को अव य बनाया जाए। इके अतिरिक्त होडल के अन्दर जी0 टी0 रोड की हालत बहुत बुरी हैं श्री औम प्रका ा चौटाल जी ने इस सड़के को ठीक करवाने के आदे ा एस0 ई0 को दिए थे। इसके एस्टिमेटस वहां पर बने हुए पे़ है लेकिन अभी तक इस सड़क की मरम्मत की कार्यवाही भ्रुरू नही हो सकी। सड़क की हालत बहुत बुरी हैं श्री ओम प्रका ा चौटाला जी ने इस कसड़को को ठीक करवाने के आदे ा एस0 ई0 को दिए थे। इसके एस्टिमेटस वहा परबने हुए पडत्रे है लेकिन अभी तक इस सड़क की मरम्मत की कार्यवाही भ्रुरू नही हो सकी। सड़क की हालत इतनी बुरी है कि लोगों के लिए वहां से निकलना भी दु वार है। मै अनुराध करूंगा कि इस सड़क को ठीक करवाने के आदे ा भी दिए जाए। (घटी)

सभापति महोदय, अब मै मांग नं0 9 परजो ि ाक्षा के बारें में है, अपने विचार रखनाचाहूंगा। हमारी सरकार ने ि ाक्षा के मामले में भी काफी काम किया है। जिन स्कूलें को वर्श 1990 तक अपग्रेड किया जानाथा चौारी बसी लाल की कांग्रेस सरकान ने उन स्कूलो को पहले ही अपग्रेड कर दिया। चौधरी देवी लाल ने अपने फण्डज से यानि हरियाणा सरकार के सोर्सिज से ही स्कूलों को अपग्रेउ किया है। मेरा क्षेत्र ि ाक्षा के मामले में बहुत ही उपेक्षत रहाहै। वहां परएक भी 10 जमा 2 का स्कूल नही था लेकिन इस सरकार नक आने के बाद मेरे क्षेत्र में एक 10 जमा 2 का स्कूल बनाया गया है। इतने बड़े क्षेत्र में एक ही 10 जमा 2 का स्कूल बहुत ही कम हैं इस के अलावा स्कूलों में टीचरों की भी बहुत ही कमी है। (घंटी) सभापति महोदय, मै अनुरोध करूंगा कि सरकार टीचरों की संख्या को बढ़ाए इसके इलावा सभी कैटेगरीज के टीचर्ज को जो कमी है उसकी तरफ भी सरकार ध्यान दें। सभापति महोदय, मै अपने इलाके में गावं खम्बी के स्कूल की ओर भी सरकार का ध्यान दे। सभापति महोदय, मै अपने गांव के खाम्बी स्कूल की और भी सरकार का ध्यान दिलाना चाहूंगा। खाम्बी गावं में हाई स्कूल की एक बिल्डिंग थी जिसे वर्श 1987 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने वोटों की खातिर गिरवा दिया था और कहा था कि कि हम इसे नई बिल्डिग बनाकर देगे। वह बिल्डिंग अभी तक नही तक नही बनी नही है तथा इस स्कूल में पढने वाले खुले आका ा के नीचे धूप में या पेड़ों के नीचे ि ाक्षा ग्रहण कर रहे हे। उनके लिए बैठने का कोई जरिया नही है। वहां

परसारी बिल्डिग टूटी हुई है। वह बिल्डिग खण्डर हुई पड़ी हैं लेनि इस बारं में अभी तक कोई कार्यवाही नही की गई। उस बिल्डिग के बारें में कभी कहा जाता है कि आर्किटैक्ट की ड्राईग नही आयी ओर कभी कहते हे कि पैस की मंजूरी नही आयी इसलिए मै आपके द्वारा सरकार से प्रार्थना करूंगा कि जिस स्कूल की बिल्डिग को कांग्रेस वालो ने तुड़वा दिया था उसे भीघ्र बनाया जाए। दूसरे होडल कालेज के बारें में भी अर्ज करना चाहता हूं। यहां हाउस में होडल कालेज में साईस क्लासिज चालू करने के बारें में बार–बार आ वासन दिया गयाहै लकिन अभी तक भुरू नही की गई। इसलिए मै सरकार से प्राथ्रना करूंगा कि उस तरफ भी ध्यान दिया जाए।

मांग नं0 23 परिवहन विभाग से सम्बन्धित है। बसों के बारें में मैने कई बार अर्ज किया है कि हमारे यहां बसे बहुत कम है।

श्री सभापतिः अब आप वाइन्ड आप करें आपकों ओर भी मौकों पर बोलने केलिए समय मिलेगा।

श्री उदय भानः चेयरमैनसाहब, कल बसों के बारें में श्री मनी राम जी का सवाल था लेकिन वह आये नही थे इसलिए उस पर चर्चा नही हो सकी। हमारे फरीदाबाद जिले को बस के बारें में उपेक्षित रखा गया हैं बसे आयी है लेकिन हमारेयहां फरीदाबार डिपों में नही दी गई। बसों की कमी की वज से वहां पर नाजायज

वाहन चल रहे है। वे लोग सरकार के टैक्स की भीचोरी करहे हैं टैक्स में भी काफी फर्क पड़ रहा है। इसलिए बसों को अलोटमैंट फरीदाबादडिपों में ज्यादा की जाए ताकि नाजायज वाहन न चल सकें।

चेयरमैन साहब, समाज कल्याण विभाग के विशय में जितनी भी तारीफ की जाए उतनी कम हे। हमारी सरकार ने जो अभूतपूर्व निर्णय लिए है उनकी प्र ांसा सारे देश में हो रही हैं हमारे प्रदे ा में चालू की हुई योजनानुसार ही दूसरे प्रदे ा भी कम काम कर रहे है। हमारी सरकारने हरिजनों के लिए भी काफी सुविधाएं दी हैं बच्चों को वजीफा दो हजार से बढ़ा कर पांच हजार तक कर दिया है। लेकिन इस बारें में में मेरा निवेदन है कि बच्चों को वजीफा टाईम पर नही मिल रहा है। उस तरफ भी ध्यान दिया जाए ताकि समय परवजीफा मिल सके क्योंकि आजकल बच्चों को काफी परे ाानी हो रही है।

अब में सविसिज के बारें में भी अर्ज करना चाहता हूं। श्री आनन्द सिंह डांगी को एस0 एस0 एस0 बोर्ड को चेयरमैन बनाया गया था। उसने रिजर्वे ान के मामले में मजाक बना रखा था। उन्होने किसी भी भाड्यूल्ड कास्ट ओर बैकवड्ड क्लास के आदमी को सर्विस में नही लिया। इसलिए उस और भी सरकार को ध्यान देना चाहिए। कन्डक्टर्ज की परिवहन विभाग में 304 पोस्टस रिर्जव कोर्ट की थी उनके अगैन्स्ट भाड्यूल्ड कास्टस को ही लिया जाना था लेकिन 34 कन्डक्टर्ज एस0 एस0 एस0 बोर्ड से सिलैक्ट

करके भेजे गये। इसी प्रकार से क्लर्कस में टीचर्ज में रिजर्वे ान को पूरा नही किया गया। इसलिए सरकार से निवेदन है ंकि रिजर्वे ान के कोटे को पूरा किया जाए। धन्यवाद।

श्री हरनाम सिंह (ाहबाज): चेयरमैनसाहब, सब से पहले मै सो ाल वैल्फेयर डिपार्टमैंट की डिमान्ड नम्बर 13 के हैड 2235 के बारें में अर्ज करना चाहता हूं। समाज कल्याण के मामले में हरियाणा सरकार सारे दे ा में आगे हैं बुढ़ाप पैन् ान, विधवा पैन् ान ओर विकलांग पैन् ान सारे प्रदे ा में लोगों को दी जा रही है। इस बारे में हमारे प्रांत ने सारे दे ा को मार्गद र्ान भी दिया है। जहां इतनी बड़ी गिनती में पैन् ान दी जा रही हैं वहां आज भी हर गांव में कुछ लोग ऐसे है जो 65 साल से ऊपर के है यानी 70 साल से भी ऊपर के है। लेकिन उन्हें पैन् ान नही मिल रही है। हर साल के बाद दुबारा से सर्वे होता है लकिन वह प्रौसीजर इतना लम्बा होता है जिसको लोग पूरा नही करपाते है। वे लोग दफ्तरों के चक्कर लगाते रहते है। लेकिन उनकी समस्या का समाधान नही होता। इसलिए उनकी समस्या का समाधान होना चाहिए। ब्लौक लैवल पर एक कमेटी बनायी जाए ता तुरन्त वही ब्लौक लैवल पर उसका समाधान कर दे। जब भी कोई दरखास्त आये, उसी वक्त उस पर विचार किया जाये। इ सके अलावा सरकार ने जो पैन् ान दने का तरीका अख्तियार किया है उस बारें में भी मै अर्ज करना चाहता हूं। सौ रूपया महावार मनीआर्ड द्वारा भेजा जाता है। उसमें एक सौ रूपये के ऊपर 5 रूपये मनी आर्डर

फीस लगती है। हम अगर एक सौ करोड़ रूपया इस पर खर्च करते है तो इसमें कम से कम 5 करोड़ रूपया मनी आर्डर फीस लगती है। वैसे तो अब लगभग 140 करोड़रूपया सौशलवैल्फेयरडिपार्टमैंट का इस पैन ान पर खर्चा जाएगा। इस पर कम से कम 7 करोड़ रूपया फीस में लग जायेगा। सरकार जितनी भी दूसरे खर्च करती है, वह बैकों के जरिय करती हैं तमाम इलकों में ओर देहातों में नै ानेलाईज्ड बैक्स भी है और कोआप्रटिव बैक्स है। अगर इन बैकों के जरिए यह पैसा दिया जास तो 10 पैसे प्रति हजार रूपए का खर्चा आऐगा। इससे इससे करोडों रूपया बचेगा और कम से कम छः साढ़े छ' करोड़ रूप्ये की बचत होगी। मै यह समझता हूं कि एक तो सरकार को भी ऐसा करने से बचत होगी ओर दूसरे जिस तरह से दूसरे पै ज्ञनज्ञ की कापियों बनी है। उनकी भी कापियां बनेगी। उनमें पैसा जाक हो जाएगा और ठीक तरह से उनहें पहुंच जाऐगा।

अब मैं डिमांड नं0 3 के बारें में कुछ अर्ज करना चाहता हूं। इसे तह हैड नं 2055 पुलिस का है हमारी पुलिए पंजाब की पुलिस के मुकाबल में काफी बढ़िया है। लेकिन जहां हामरी पुलिए बढिया है ओर अच्छाकम कर रही है वहां हमारे जो पुलिस के सिपाही है। उनको सरकार ने तनख्वाह बढ़ाने के लिए कहा था। उनको आ ाा तो ज्यादा की थी लेकिन सिर्फ 5 रूपये ही उनके बढ़ाये है। पंजाब और हरियाणा के कांस्टेबल की तनख्वाहों में काफी फर्क हे। पंजाब में उनको साल के बाद एक महीने की

तरख्याह फालतू दी जाती हैं उनको टी0 ए0 वगैरा कुछ भी नही दिया जात। उनको कोई छुट्टी भी नही मिलती। छुट्टी न होने कारण से ही उनके पंजाब में एक महीने की तरख्यावहा फालतू दी जाती हे। चौबीस घंटे की उनकी डियूटी होती हौ। एक साल में 52 इतवार आ जाते हे। इसक आलवा कुछ छुट्टियां या हौलीडेज भी होती है। कुल मिलाकर 60 से ऊपर हो जती है। मेरा कहना यह है कि उनके बारें में भी विचार होना चाहिए ताकि उनको भी दूसरों के मुकाबले में हय सहूलियत दी जा सके। इसके अलावा मै यहभ कहूंगा कि पंजाब के मुकाबले में हमारी पुलिए में ला एंड आर्डर के बारें में जनरली अधिक कु ालता है। लेकिन मेहम में जो बाई इलैक ान हुआ, उसमे ंपुलिस की जो भूमिका रही है, उसकों रद्द किया है। मै समझता हूं कि उस बारें में इंक्वायरी होनी चाहिए। यह बहुत ही अच्छी बात है। कि हरियाणा सरकार ने 28 तारीख को जो वायलैस हुआ है, उसकी जुडीि ायल इंक्वयरी के आदे ा दे दिए है। इसका मै स्वागत करता हूं लेकिन असल दिन 27 तारीख है, जिस दिन पोलिग हुई है। उस दिन जो अनियमिताएं हुई हैं पुलिस के अफसरों ने जो कुछ कियाहै, जिसकी वजह से पुलिएके अन्दर काफी बेचैनी फैली हुइ है।, उसकी भी इंक्वायरी होनी चाहिएं इस वजह से ही जनता दल की हई कमांड ने उस इलैक ान को रद्दा करने की बात कही। तमाम नै ानल पार्टीज ने उसको रद्द करने की बात कही और इलैक ान कमी ान ने उसकों रद्द किया है। मै यह समझता हूं इसमें लोक लाज की बात है मुख्य मंत्री जी स्वयं वहां पर कैडीडेट थे। यह

बात ठीक है कि कम्युनिस्ट पार्टी वाले हम लोग उनका समर्थन करते थे। हमने थानेसर में भी समर्थन किया है। और थोनसर मे हम बहुत ज्यादा वोटों से जीते है। * * * *

श्री सभापतिः यह इस्तीफे वाली बात रिकार्ड न की जाए। डा0 साहब आप सब्जैक्ट पर आए।

श्री हरनात सिहः चेयरमैन साहब, तसीर बात मै यह कहना चाहता हूं कि 27 तारीख के लिए जुडीि ायल इंक्वायरी कराये तभी हमारी हरिाणा सरकारका फेस ठीक रह सकता है। 1985 में टोहना में चौधरी भजन लाल ने जो काम भुरू किया था ओर पार्लियामेंट के इलैक ान के वक्त भिवानी, हिसार ओर फरीदाबाद में जो कुछ हुआ थायह तो उससे भी आगे बढ़ गया हैं

श्री सभापतिः हरनाम सिंह जी, अब आप बैठिए।

श्री हरनाम सिंहः मै यह कहना चाहता हूं.....

श्री सभापतिः नही जी, अब आप बैठिए। मिस्टर कटारिया आप भुरू करें।

श्री रतन लाल कटारिया (रादौर अनुसूचित जाति): चेयरमैन साहब, मै सप्लीमैन्टरी डिमाण्ड पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हैं आज से पौन तीन साल पहले चौधरी देवी लाल और डा0 मंगल सैने एक लम्बे संघर्श के बाद हरियाणा के अन्दर सरकाकर बनाई थी। पिछले पौने तीन साल में इस सरकार ने बहुत ज्यादा

रचनात्मक कार्य किए हैं चेयरमैन साहब, जो खर्चा बढ़ा है। उस खर्च में से गृह विभाग के खर्चे के बारें में मै कुछ कहना चाहता हूं। कांग्रेस (आई) की दमनकारी नीतियों औरसेची समझी चालों से पंजाब औश्र का मीर के अन्दर जिस प्रकार के भयंकर हालात पैदा हो गए है उनका असर हरियाणा प्रदे ा परभी पड़ा है। हरियाणा प्रदे ा की सरकार पर उग्रवाद का काबू करने के लिए यह अनाव यक बोझ आ पड़ा है।

श्रीसभापतिः कटारिया साहब, आप डिमांडवाइज बोले ओर भूमिका में टाईम न लगांए।

श्री राम बिलास भार्माः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। चेयरमैन साहब, चौधरी जगन नाथ जी समाज कल्याण के मंत्री है और हमारा हरिजन विधयक बोल रहा है लेकिन वे अपने विभाग का भी ध्यान नही रखते। कृपया इनको कह कि ये अपने विभाग का तो ध्यान रखे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रतन लाल कटरियाः सभापति जी, मै कह रहा था कि हमारे राजनैतिक दल ने चाहे वह पंजाब हो ओर चाहे वह का मीर हो, उग्रवाद को खुली चेतावनी दी ओर समय समय पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने इस दे ा की अखंडता की रक्षा के लिए आपने प्राणों का बलिदार भी दिया।

श्री सभापतिः कटारिया साहब, आप कौन सी डिमांड पर बोल रहे है? आप डिमांडवाइज बोले।

श्री रतन लाल कटारिया: सभापति महोदय, मै होम डिपार्टमैंट की डिमांड पर बोल रहा हूं। मै हरियाणा सरकार को कहनाचाहता हूं कि होम विभाग का चाहे कितना ही खर्चा बढ़ जाए लेकिन इस प्रदे ा के अन्दर अगर उग्रवाद जारा भी सर उठाए तो उसको सख्ती से कुचल दिया जाए। लोगों के अन्दर इस प्रकार का एक वि वास पैदा किया जाना चाहिए कि हरियाणा प्रदे ा के अन्दर उग्रवाद की कुचल दिया जाएगा।

चेयरमैनसाहब, अब मै डिमांड नं0 9 जो एजूके ान के बारें में है, कुछ कहना चाहता हूं। ि ाक्षा के बारें में मेरे से पहले बोलने वाले साथियों कने बहुत कुछ कहा है। मै भी अपने क्षेत्र रादौर के बारें में कहना चाहता हूं। चेयरमैन साहब, मेरी कांस्टिचुऐंसी नब्बे किलोमीअर में फैली हुई है अेर उसमें 165 गांव है। पिछले चालीस सालों में इस क्षेत्र से भी एम0 एल0 ए0 बना उसने अपने स्वार्थ के लिए कभी अपनी आपकों बंसी लाल की झोली में डाल दिया और कभी भजन लाल की झोली में डाल दिया और करोड़ रूपया अपनी जेब में डाल लिया लेकिन इस चुनाव क्षेत्र की तरक्की के लिए कुछ नही किया। चेयरमैन साहब, मेरे हल्के में स्कूलों की बहुत कमी है। (ाोर एवं व्यवधान)

एक आवाज: आपने यहां तो हायर सैकन्डरी स्कूल है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रतन लाल कटारिया: चेयरमैन साहब, जी भी सीनियर सैकण्डरी स्कूल मेरे क्षेत्र में बना है वह बहन जी की कृपासे ही बना है। चेयरमैन साहब, मेरे अपनी हल्के रादौर के बारें में डिमांड है कि सम्भाली, मधार, टोपरा, मसाला, तोलपुर, मिलोर, बीड पटोली ओर गन्गोरी में जो मिडिल स्कूल्ज हैं उनका दर्जा हाई स्कूल का किया जाए। संघौर, मसाना, भगवानपुर, जीवरहेडी ओर काजनू में जो प्राईमरी स्कूल है। उनका दर्जा मिडिल स्कूल का किया जाए। चेयरमैन साहब, मेरे क्षेत्र में ओ0 टी0 या जे0 बी0 टी0 सैन्टर्ज का अभाव है। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि वहां ओ0 टी0 या जे0 बी0 टी0 सैन्टर खोला जाए।

चेयरमैन साहब, जहां तक सड़कों का सम्बन्ध है, मेरे हल्के में सड़कों की बडी दयनीय स्थिति है। जो एक–एक फर्लाग के सड़के के टुकडे है या कोई छोटी मोटी पुलिया है, उनका काम वही कावही पड़ा हुआ है। जब कभी उनसे इस बारें में रिपोर्ट मांगते है। तो वे लोग 6–6 महीने, एक–एक साल तक रिपोर्ट नही भेजते है। मिसाल के तौर पर वहां एक छोटी सी पुलिसा सिकन्दरा बननी है। इसके साथ हीयमुनानगर का गन्ने का क्षेत्र लगता है। वहां बरगट व दूसरे गांवों से गन्ना ले जाने के लिए काफी सुविधा हो सकती थी अगर यह पुलिया बन जाती लेकिनपिछलेतीनसालों से उस पुलिया का काई काम नही हुआ। इसी तरह से आधा फर्लाग का एक ओर सड़क का टुकडा है। जिसकी तरफ कोई ध्यान नही दिया गया है। यह सब काम अधिकारियों की लापरवाही

के कारण नही हो पाया है। इसी तरह से गांव के साथ आवागमन के लिए जो सड़के लगती है उनके साथ–साथ जौहड़ है वे सड़के कटाव करके उस जौहड़ में जो पडत्री है जिस कारण से लोगों को आने जाने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा हैं। गुजाना, गुजानी है। इस तरह के चार पांच प्वायंट्स हैं जहां परबहुतथोड़ा थोड़ा खर्चा आता है। बावड़ों को ठीक करने के लिए लेकिन इस काम के न होने के कारण गांवों का रास्ता बिल्कुल बन्द हो गया है। लेकिन चेयरमैन साहब, आज तक किसी अधिकारीने वहां मौके पर जाकर यह देखने ककी कोि ा ा नही की कि वहां पर जो लोग रह रहे हे। उनकी क्या द ाा है। क्या उनको सरकार की तरफ से किसी राहत की आव यकता है या नही। इस बात का आज तक किसी अधिकारी ने कभी ध्यान नही दिया। हमने कइ बार सरकार के नोटिस में यह लाने की चेश्टा की है कि मेरे चुनाव क्षेत्र के अन्दर एक–एक फर्लांग या एक–एक किलोमीटर सड़कों के टुकडे. ऐसे है। जिनका बनाया जाना बहुत ही जरूरी हैं उनके न बनने के कारण लोगो ंका घूम कर जाने से कम से कम 15–15, 16–16 किलोमीटर का चक्कर काट कर जाना पड़ता है जिससे लोगों को काफी परे ाानी होती हैं लेकिन सरकार का इस तरफ कोई ध्यान नही। अधिकारियो की लापरवाही से यह काम पूर्ण नही हो रहे। अगर आधा किलोमीटर की दूरी की सड़क सरकार बना दे तो तो इतना लम्बा चक्कत घूमकर जाने का रास्ता लोगों का कम किया जा सकता है। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि जो छोटे छोटे सड़कों के टुकडें हे उनको भीघ्र ही

बनाय जाए ताकि मै लोगों के बची जाकर यह कह सकूं कि जो वायदे चौधरी देवी लाल जी के नेतृत्व ने व डा0 मंगल सेन जो ने, हमारे साथि किए थे उनके मुताबिक सारा काम हा रहा हैं जो वि वास डहनोन लोगोंको दिए थे, वे पूरे कए गये है ओर भायद इसी तरह से आजादी की रो ानी रादौरा की तरफ भी आए। कही यह न हो कि जब अगल पांच साल के बाद मै अपने हल्के के लोगों के सामन जाऊ तो वे मुझे यह न कहे कि ये सड़कों के टुकड़ें, डिसपैसरीज व प ु चिक्त्सिाल अभी तक जगह पर नही बने हैं अगर सरकार ने अपना वायदा न पूरा किया तो ये सारी बातें मेरे रास्ते मे आएंगी ओर मै उस समय लोगों को कया जबवाद दूंगा। इसलिए मेरा सरकार से नम्र निवेदन है कि रादौर हल्के को काई वि ोश ग्रांट देने का प्रोवीजन कियाजाए ताकि 40 सालों से जो मेरा इलाका उपेक्षित रहा है वहां पर भी कोई रचनात्मक काम किया जा सके।

इसके साथ मै समाज कल्याण के बारें मे कुछ कहना चाहूंगा। पिछले 40 वर्शो से बहुत बहुत बड़ा ढिढोरा पीटा जा रहा हैं कि हरिजनों को ऊपर उठाने के लिए हहम हय कर रहे लेकिन आरक्षण की और अभी भी पूरा ध्यान इस सरकार का नही गया हैं बाबा साहब अम्बेदकर जी, जिन्होने भारत का संविधान बनाया था, उन्होने संविधान सभा के अन्दर अपना भाशण दिया था अैर इस दे ा के अन्छर कन्सैप्त औफ इक्वैलिटी लाने की कसम ली थी उन्होने कहा था–

"Today , we , the people of India., have got the political freedom and we shall try to give ecconmice nd socal Justice to the poor people of the county..."

बाबा साहब ने अपने भाशण में यह कहा था कि हिन्दूस्तान के आदम आदमी की आजादी के लिए, आर्थिक आजादी के लिए हर भरसक कार्ि ा ा करेगे। लेकिन चेयरमैन साहब, आप सविर्सिज मैंटर कोही देख लीजिए। क्लास वन क अन्दर जो मामूली सा तीन परसैन्ट आरक्षण है, उसकों भी ठीक तरी से लागू नही किया जा रहा है। क्लास दो में भी कोटा पूरा नही है। इसी तरह से क्लास फोर की सविसिज के अन्दर भी ऐसा ही हाल है। चौकीदार और बेलदारों को वहां पर भर्ती कर लिण जाता है ओर हमारा हरिजनों का गला घोट कर एक मामूली सी बात कह दी जाती है कि यह सूटेबल नही है। हिन्दूस्तान के अन्दर बाबू जगजीवन राम और डा0 अम्बेदकरजैसे आदमी थे जिन्होने इस दे ा का संविधान बनाया। लेकिन उस पर अमल नही किया जा रहा है। हरियाणा के अन्छर भी कोई काबिल मंत्री बन सकता है,क्लास वन अफसर बन सकता है। लेकिन जो हरिजनों के छोटी–छोटी नौकरियों रखी जाती है उन पर दूसरी श्रेणी के लोगों को लगा दिया जाता हैं अखबारों में आत है कि दे ा में समाजवाद आ रहा हैं ओर गरीबों को ऊपर उठाया जा रहा है। लेकिन हम पहले से ही बदत्तर होते जा रह`है। एक–एकपरिवार को अपने बच्चों को पालने के लिए बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। मै समाज कल्याण मंत्री श्री जगन नाथ से

प्रार्थना करूंगा कि समाज कल्याण विभाग हरिजन को मकान बनाने ` लिए पांच हजार रूपए में मकान बनना भी दूर रहा बल्कि मकान की नीव की पांच तहे भी पूरी नही होती। जहां तक कालोनिज बनाने की बात है। मैने पिछले सै ान में भ कहा था कि इसका नाम तो इन्दिारा आवास योजनय है लेकिन मै तो इसका हरिजन बनवास योजना कहता हूं। आज तक इन कालोनीज मे ंरहने के लिए कोई भी गया। यहां पर जितने भी सदस्य बैठै है मै अउनसे अनुरोध करता हूं कि वे चण्डीढ़द्य से दिल्ली तक रास्तें में देख लजे, जितनी भी हरिजनों के लिए कालोनियां बनी हैं, आज तक उनमें कोई भी व्यकित रहने के लिए आया। इसका कारण यह है कि एक आदमी को रहने के लिए कम से कम दस बाई दस फुट का कमरा चाहिए। इन कालोनीज मे ंन रो ानी की व्यवस्था हे और न पीने के पानी की व्यवस्था है। इनकेां जौहड़ेां के ऊपर बना दियागया है। क्या आप हरिजनों को धक्का देकर मारना चाहते है? यह तो मुल्क का सौभाग्य है कि इस दे ा की जनता ने केन्द्र में ओर हमारे प्रदे ज्ञ में परिवर्तन लाकर विपक्ष की सरकार बना दी। भूतपूर्वप्रधान मंत्री अपनी मीटिग्ज में कहा करते थे कि हरिजनों मे ंआपके लिए सौ रूपए ऊपर से भेजता हूं मुझ मालूल है कि आपके सौ रूपए में से 15 रूपए मिलते है। और बाकी के 85 भ्रश्ट अफसर खा जाते हैं एक सभा में भूतपूर्व प्रधान मंत्री ने कहा था कि मै जानता हूं कि आपकों सौ रूपए में से केवल 15 रूपए ही मिले है, मै कोि ा ा कि आपको 30 रूपए मिल अैरबाकी के 70 मेरी म ीनरी डकार जाएं यह तो भ्राुक्र है। कि अडवानी जी,

बाजपाई जी, वी0 पी0 सिह तथा चौधरी देवी लाल जी की वजह से अब चेंज आई है। (विध्न) चेयरमैन साहब, इन भाब्दों के साथ मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

कैप्टन अजय सिंह (रिवाडी): चेयरमैन साहब, जो अनुपूरक अनुमान (दूसरी किस्त) 1989–90 सदन मे ंपे ा की गइ है मै उस बारें में आने विचार प्रकट करने के लिए खडा हुआ हूं। मैने सभ डिमांड पढ़ी है।

श्री राम बिलास भार्मा: सभापित जी, चौधरी जगन नाथ जी बैठे बैठे फरम रहे थे कि कटारिया साहब ने डा0 मंगल सैन जी का नाम नही लिया हरिजनों के लिए। मै इन्हें बताना चाहूंगा कि बी0 जी0 पी0 ही एक ऐसी पार्टी है जो मध्य प्रदे ा में अपने 20 हरिजन बन्धुओं को लोक सभा की जनरल सीटों पर चुनाव जिता कर लाई है।

समाज कल्याण मंत्री (श्री जगन नाथ): सभापति जी, कटारिया साहब ने केवल बाजपेयी जी और आडवानी जी कानाम लिया है लेकिन डा0 साहब का नाम नही लिया।

कैप्टन अजय सिंह: चेयरमैन साहब, अनुपूरक अनुमानों के जरिए जितन पैसा मांगा जा रहा है इसमें से ज्यादातर पैसा लिटिगे ान का खर्च दिखाया गया है।

श्री सभापति: आप डिमांड पर बोले।

कैप्टन अजय सिंहः चेयरमैन साहब, मै सबसे पहले डिमांड संख्या 1 पर अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा। इस डिमांड में काफी नई व्हीकल्ज परचेज की हुइ दिखाई गई है मै गृह मंत्री जी का इस तरफ ध्यान आकर्शित करना चाहता हूं कि जब स्टेट के अन्दर ला एंड आर्डर की व्यवस्था खराब हो जाती है या कोई दंगा फसाद हो जाता है तो पुलिस को उसके लिए व्हीकल्स की आव यकता पड़ती है ताकि वे वहां पर पहुंच सके।। ऐसी किसी जगह पर जाने के लिए पुलिस वाले प्राइवेट ट्रांस्पोर्टर्ज को तंग करते है और उनकी ट्रांस्पोर्ट इस्तेमाल करते है। यदि पुलिस वाले प्राइवेट ट्रांस्पोर्टर्ज की व्हीकल्ज इस्तेमाल करते है तो फिर उनके लिए नइ व्हीकल्ज परचेत करने की क्या आव यता है। पुलिस वाले प्राइवेट ट्रांस्पोर्टर्ज से उनकी व्हीकल्ज परचेज करने की क्या आव यकता है। पुलिस वाले प्राइवेजट ट्रांस्पोटर्ज से उनकी व्हीकल्ज लेकर इस्तेमाल करते है ओर उनको उन व्हीकल्ज का किराया भी नही देते है। इसबारें में गृह मंत्री जी स्थिति स्पश्ट करें।

श्री जगन नाथः चेयरमैन साहब, डिमांड नं0 1 तो विधान सभा कही है उसमें तो ये बाते नही है। माननीय सदस्य ने बोलते समय यह कहा है कि मै डिमांउ नं0 1 पर अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा। लेकिन डिमांड नं0 1 में तो नही व्हीकल्ज खरीदने की कोई बात नही है।

कैप्टन अजय सिंहः मै होम डिपार्टमैंट के बारें में बात कर रहा हू। पुलिस वाले किसी भी दंगा फसाद की जगह पर जाने के लिए प्राईवेट ट्रांस्पोटर्ज की व्हीकल्चज का इस्तेमाल करते है और उनको किराया भी नही देते है। यदि पुलिस वालो कही पर जाने के लिए प्राइवेट ट्रांस्पोटर्ज की व्हीकल्ज का इस्तेमाल करना है तो फिर उनके लिए नई व्हीकल्ज खरीदने की क्या आव यकता है। इस बारें में भी सरकार को कोई समाधान करना चाहिए। इसके अलावा पुलिस वालों को जो ट्रेनिग दी जाती है। वह मेरे ख्याल से ** * * (ोर)

श्री सभापतिः यह बात रिकार्ड न की जाए।

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिह): चेयरमैन साहब, इन अनुपूरक मांगों में कही पर भी उप चुनावों के लिए पैसे की डिमांड नही की गई है। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) स्पीकरसाहब, इसमें कही पर भी जिकर नही है कि उप चुनाव के लिए पैसा मांगा गया है। पता नही माननीय सदस्या किस डिमांड पर बोल रहे हे।

कैप्टन अजय सिंहः स्पीकर साहब, मै डिमांड नं0 8 के बारें में अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा। इस डिमांउ में सड़कों के बारें में जिकर किया गया है। मै इस सरकार से कहना चाहूंगा कि आज हरियाणा प्रदे ज्ञ के अन्दर सड़कों को बहुत बुरी हालत है। कांग्रेस की सरकार के हटने के बाद हरियाण के अन्दर कोई

भी लिक रोड नही बनाया गया हैं सड़के बनाने के लिए ऐग्रीकल्चर मार्किटिग बोर्ड से भी पैसा लिया गया है। उस पैसे में से मेरे हल्के में लिक रोड बनाने के लिए या कोई नया रोड बनाने क लिए एक भी पैया खर्च नही किया गया हैं मै फाईनस मिनिस्टर से रिक्वैस्ट करूंगा कि मेरे हल्के में सड़कों की तरफ ध्यान दिया जाए ओरउनकी मुरम्मत करनवाई जाए।

इसके बाद में मांग संख्या 9 के बारें में अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा। यह मांग ऐजूके ान से संबंधित है। इस डिमांड को पढ़ने से मालूम होता है कि ऐजूके ान परकाफी पैसा खच्र किया गयाहैं स्पीकर साहब, आज स्कूलों की बिल्डिंग की बहुत बुरी हालत है। मै आने रिवाड़ी हल्के की बाम कर रहा हूं। मेरे हल्के में स्कूलों की बिल्डिंग की बहुत बुरी हालत हैं जहां तक मेरे हल्के मे स्कूल अपग्रेउ करने की बात है मेरे हल्के में पिछली बाबर कोई स्कूल बनाने की बात थी लेकिन वह भी नही बनाया गयाहै रिवाड़ी में एक रीजनल सेंटर बननाथा। आज दोसाल हो गए उसके लिए न जमीन ऐक्वायर की गई है और न ही कोई बिल्डिग बनाने का काम भ्ाुय किया गय है। इस तरफ सरकार को ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा स्पीकरसाहब, मै इस सरकार से निवेदन करूंगा कि रिवाड़ी या धारूहेडा में ओ0 टी0 और जे0 बी0 टी0 की ट्रेनिग के लिए सैटर खोला जाए।

स्पीकर साहब, रूरल एरियाज में पीने के पानी के मामल में काफी काम किया गया है ओर काम होभी रहा है। लेकिन मुझे

बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि महेन्द्रगढ़ और रिवाड़ी जहां पर खारी पानी है वहां पर पीने के पानी के लिए कोई पैसा खर्च नही किया गयाहै अैर नह ही वहां परपीने के पानी के लिए अभी तक कोई पैसा दिया गया हैं मै मिसाल क तौर पर फाइनैस मिनिस्टर से कहना चाहूंगा कि मेरे हल्के में एक हरीनगर गांव है जिसमें खारी पानी है उसकी तरफ ध्यान दिया जाए ताकि वहां के लोगों को पीने का पानी मिल सके। इसी तरह से रिवाड़ी में एक कालकागांव है जहां पर 3.47 करोड रूपए की वाटर सप्लाई स्कीम बननी थी लेकिन उसको बनाने मे विलम्ब किया जा रहा है। इस बारें मे मै फाइनैस मिनिस्टर से रिक्वैस्ट करूंगा कि इस तरफ ध्यान दिया जाए।

अध्यक्ष महोदय अब में डिमांड नं0 11 पर बोलना चाहूंगा। इस डिमांड की आईटम नं0 5 के तहत अर्बन डिवैल्पमैंट के लिए 76 लाख रूपया मांगा जा रहा हैं इस आईटम के तह यह पैया हिसार, सरिसाा, अम्बाला, सोहना, भिवानी ओर भाहबादा की अर्बन डिवैल्पमैंट के लिए मांगा है। इस बारें में मेरा सरकार को कहना है कि इस काम क लिए रिवाड़ी जिले को कोई पेसा नही दिया गया हैं जबकि रिवाड़ी एक निया जिला बना हैं वहां परस्लम बहुत ज्यादा क्रिएट होता जा रहाहै। इसलिए मेरी सरकारसे मांग है कि वहां पर स्लम को रोकने के लिए रिवाड़ी जिले को कम से कम 8—10 लाख रूपए अव य दिए जाएं ताक वहां पर जो गंदी नालियां और गलियां, है उनको ठीक किया जा सके।

अध्यक्ष महोदय अब मै डिमांड नं0 14 फूउ एण्ड सप्लाईज डिपार्टमैंट से संबंधित है, के बोरं में बोलना चाहूंगा। इस डिमाड के तह कन्ज्यूमर प्रोटैक ान, स्टेट कमी ान एण्ड डिस्ट्रिक्ट फोरम्ज के तहत 60.65 लाख रूपए की डिमांउ की है। मै सरकार से पूछना चाहता हूं कि इस कमी ान ने अब तक क्या किय, क्या किसी चीज की प्राईस को कम करने के लिए कई पग उठाए है क्योंकि आज के दिन हर चीज की कीमतें आसमान को छू रही हैं मै तो यह समझता हूं कि इस कमी ान ने कुछ काम नही कियाहै बल्कि यह तो सरकार पर एक सफेद हाथी की तरह बोझ है। क्या इस बारें में मंत्री जी बताने की कश्ट करेंगे कि इस कमी ान ने अब तक प्राईसिज कम कने के लिए क्या कदम उठाये हैं

अध्यक्ष महोदय, अब मै डिमांड नं0 15, जो सिचाई से संबधित है, पर बोलना चाहूंगा। इस बारें मे मैं फाईनस मिनिस्टर का ध्यान आकृश्ट करना चाहूंगा कि महेन्द्रगढ़ और रिवाड़ी जिले मे ंन तो कोई माईनर बनाई गई है और न ही वाटर कोसिज बनाए गए हैं वहां पर सबसे ज्यादा खारी पानी है ंइसके अलावावहा पर पानी की काफी कमी है। जबकि रोहतक, हिसार, भिवानी अज्ञैर दूसरे कई स्थानों पर 24 घंटे पानी उपलबध है। हमारे खेतों की टेल तक पानी नही पहुंच पाता है। इतना ही नही हमारे यहां पर आज के दिन जोहड भी खाली पडत्रे हैं इस बारे में मेरी फाईनैस मिनिस्टर से प्रार्थना है कि जब वे अपना बजट

प्रस्तुत करें तो इरीगे ान के मामले मै रिवाड़ी–महेन्द्रगढ़ जिले का अधिक से अधिक ध्यान रखे ताकि वहां पर पक्के खाल ज्यादा से ज्यादा बनाये जासके।

अध्यक्ष महोदय, अब मै। डिमांड नं0 13 पर बोलना चाहूंगा। सो ाल वेल्फयर डिपार्टमैंट ने इन्दिरा आवास स्कीम के तहत रिवाड़ी में ाकेई कालोनी नही बनाई है। इस बारें मं मेरी सरकार से मांग है। कि सो ाल वैलफेयर डिपार्टमैंट को रिवाड़ी मतें इन्दिरना आवास कालोनी बनाए जाने के लिए फण्ड दिए जाएं ताक वहां पर भी कुछ मकान बन सके।

अध्यक्ष महोदय, अब मै डिमांड नं0 5 पर, जो रैवेन्यू डिपार्टमै। से संबंधित है।, बोलना चाहूंगा। मेरे रिवाड़ी जिले में एक धारूहेड़ा कस्बा पड़ता हैं धारूहेडा तहसील बनोय जाने की लोगों की मांग है। कई गांव ऐसे है जो एक कांस्टिचुंऐसी के उस तहसील में नही पड़ते, जिस तहसील से वहां का कोई विधायक होता है। इस बारें में मेरी सरकार से प्रार्थना है कि ब्लौक्स की रि–आर्गेनाईजे ान की जाये ताकि एक ब्लौक के सारे गावं उसी हल्के में पड़े जिस हल्के से सम्बन्धित उम्मीदवार जनता द्वारा चुन कर भेजा जाता हैं दूसरे ब्लौक्स में या तहसील में यदि कोई गावं पड़ता है। तो दुसरा विधायक उस गांव की समस्या के प्रति ध्यान नही दिता है। इसलिजए मेरी सरकारसे प्रार्थना है कि इन सब समस्याओं की तरफ ध्यान देकर उनका कोठ ्न कोई समाधान अव य किया जाए।

अध्यक्ष महोदय, अब मै। डिमांउ नं0 3 जो होम डिपार्टमैंट सं संबंधित है, पर बोलना चाहूंगा। मेरी सरकार से मांग हैं कि ला एण्ड आर्डर की तरफ सरकार को खास ध्यानप देना चाहिए। मेहम के चुनाव में लोकतंत्री की रक्षा` लिए ओर प्रजातंत्र की रक्षा के लिए जिन लोगों ने अपनी जानें दी है, उन पर ध्यान दै हुए ओम प्रका ा चौटाला जी को अपनी नेतिक जिम्मेदारी समझते हुए त्याग पत्र दे देना चाहिए। क्योंकि वहां पर काफी लोग जो निहत्थे थे, मौत के घाट उतार दिए गए। इसी प्रकारसे मेरी सरकार से मांग है कि अफसर ाही परजो पैसा उनको ट्रैवलिंग पर या टेलिफोन बिलों आदि पर खर्च किया जा रहा है, उस फिजूलखर्चो को रोक कर उस पैसे को डिवैल्पमैंअ के कामों पर लगाया जाए। अन्त में, अध्यक्ष महोदय, मै इन डिमाड्ज का विरोध करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री परमानन्द (जीन्द): अध्यक्ष महोदय, मै आपका बहुत ही धन्यवादी हूं कि आपने मुझ सप्लीमैटरी डिमांउ पर बोलने का समय दिया। मै ज्यादा समय नही लूंगा। ज्यादा समय लेना मेरी आदत नही है। जो डिमांड रखी गई है इनके ऊपर सरसरी तौर पर जिकर करना आव यक है। सबसे पहले मै डिमांड नं0 3 के बारें में कहना चाहूंगा। इस डिमाण्ड के भीर्श 2015 में इलैक ान का जिक्र है। सरकार इलैक ानन्ज में बहुत खर्च करती है, लेकिन जब इलैक ान हाता है तो वह इलैक ान नही होता है बल्कि बूथ कैप्चारिग होती है। इस किस की रवायत आदरणीय श्री गुप्ता जी

के इलैक ान में हुइ और उसका क्लाईमैक्स मेहम मे जा कर हुआ। चारों तरफ से गांव की नाकेबन्दी कद दी गई। (विध्न)

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है। मै माननीय सदस्य से यह जानना चाहूंगा कि उनहोने इन सप्लीमैटरी डिमांडज का पढ़ा है या नही पढ़ा हैं? इन डिमाण्ड्ज मे ंमेहम के लिए एक पैसा भी नही मांगा गया हैं क्योंकि कोई पैया वहां खर्च नही हुआ इसलिए कोई मांग भी नही रखी गई और न ही इसका कोई जिक्र किया गया है। (विध्न)

श्री परमा नन्दः जिस प्रकार गांव की नाकेबन्दी की गई और उस पर ऐक्सपैडिचर हुआ है, वह खर्च आखिर कहा से आएगा? यह खर्च इन डिमाण्डज में नही मांगा गया है लेकिन वह खर्च कही से तो किया हीं जाएगा। होम मिनिस्टर साहब यह खर्च अपनी जेब से तो नही देगे। यह खर्च सरकारी खजाने स ही दिया जाएगा। (विध्न एव भाोर) अध्यक्ष महोदय, मै कह रहा था कि पुलिएविभाग और प्र ाासन को दूशित करके जिस प्रकार निजहित में चुनावों मे प्रयुक्त किया गया वह केवल हरियाणा के लिए ही नही बल्कि इस दे ा के अन्दर प्रजातन्त्र की जो व्यवस्था है, उसकी हत्या के समान है। इस प्राकर की हत्या करने वाले हत्यारे को पकड़ने की बजाए उन्हे ंसेरआम खुला छोड़ दिया गया है। (व्यवधान एवं भाोर)

Mr. Speaker: Mr Attri, please take your seat. (Interruption & Noise) Is it the way? Under what provion are you speaking?

श्री परमा नन्दः अध्यक्ष महोदय, 27 तारीख को ओर 28 तारीख को प्रजातन्त्र की हत्या हुई। इलैक ान कमी ान ने यहां के प्र ाासन ओर सरकार पर दोश लगाए। इस प्रकार के दोश करनेवाले लोगों को भाासन करने का कोई अधिकार नही है। जहां तक न्यायिक जांच करवाने का सवाल हैं, इन्होनइन्क्वायरी बिठाई है, जज को नियुक्त किया है लकिन इस बोरं में मै एक भोयर अर्ज करना चाहता हूं–

वही, * * * वही मुवक्कित, वही मुखबिर ठहरा,

अकबर मेरे खून का दावा करे किस पर।

इसमें मैने एक भाब्द बदला है। (विध्न) मैने मुवक्विकल कह है मुन्सि नही।

प्रो0 सम्पत सिहः अध्यक्षम महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। इन्होनें * * * भाब्द का इस्तेमान किया है, जज के प्रति ऐसा ऐसप ान नही होना चाहिए।

श्री अध्यक्षः जूडीि ायल इंक्यारी पर कोई कमैट्स नही दिए जाने चाहिए। प्रोफैसर साहब, आप 28 तारीख की बात को छोडे और आगे चले।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्षमहोदय, उस ाब्द को ऐकसपंज करवा दीजिए। (विध्न और भाोर)

श्री अध्यक्षः ठीक है 'कातिल' भाब्द रिकार्ड पर न लाया जाए।

श्री परमानन्दः अध्यक्ष महोदय, अब मै मांग नं0 9, जो कि ि ाक्षा के बारें में है, पर कुछ कहनाचाहूंगा ि ाक्षा के बोरं में केन्द्र सरकार ने कइ अच्छी स्कीमें चालू कर रखी है? जैसे ''आप्रे ान ब्लैक बार्ड'' तथा ''डायट''। अध्यक्ष महोदय, ''डायट'' सिस्टम के तहत जींद में एक ट्रेनिग इन्स्टीच्यू ान खोला जाना था। लेकिन अभी ती वह खोला नही गया हैं इस पर्पज के लिए पैसा सैंटर गवर्नमैंट ने दना है। मै यह चाहूंगा कि उस इन्स्टीच्यू ान को जल्दी से जल्दी भाुरू किया जाए। अध्यक्ष महोदय, इसकके साथ हीसाथयह सरकार बेरोजगारों को रोजगार भी उपलब्ध करवाती ह। लेकिनसाथ ही साथ रोजगार छीनने का रिकार्ड भी इस सरकार ने बनाया हैं पहली तारीख ऐडल्ट ऐजूके ान सैंटर बन्द कर दिये है। जिसके फलस्वरूप इन सैटरों मे पढाने वाले लगभग 5000 इन्ट्रक्टर्ज बेकार हो गये है। मै सरकार से निवेदन कंरूगा की सरकार इस विशय में दोबारा गौर करे तथा उन लागों को बेरोजगार न किया जाएं अध्यक्ष महोदय, मै सरकार का एक बात की ओर ध्यान दिनलाया चाहता हूं। हमारे यहां आई0 टी0 आई0 में कटिग एन्ड टेलरिग का कोर्स चालू नही किय हैं आज तक हरियाणा में कोई भी ठन्स्टीच्यूट स्थापित नही

कियागया है जहां पर इनस्ट्रक्टर्ज को इसकी ट्रेनिग दी जा सके। तमाम के तमाम इन्स्ट्रक्टर्ज दूसरी स्टेट के यहां पर लगते है। ट्रैनिग इन्स्टीच्यूट न होने के कारण हमारे लोग नही लग सकते। वे लोग खाली रहते है। इस ओर सरकारको ध्यान देना चाहिए ओर हरियणा में कटिग एन्ड टेलरिग के डिपलोमें के लिए कोइ इन्स्टीच्यूट स्थापित किया जानाचाहिए। इसी तरह से हमारे यहा टूरिज्म डिपार्टमैंअ की तरु से कैटरिग का डिप्लोमा कोर्स चालू किया हुआ हैं केटरिग डिप्लोमा के लए पानीपत में स्कूल हे। यह स्कूल सन 1973 से स्थापित किया गया था लेकिन आज तक उसे किसी भी यूनिवसिटी या सैन्टल बोड्र से एफिलिएटिड नही करया गया। हमारे इस इन्स्टीच ूान स पढने के बार हरियाणा में ही नौकरी कर सकता है लेकिन बड़े से बड़े होटललों और सैन्ट्रल कापरपोरे ान के काउन्टरी पर उनको रोजगार नही मिल सकता। इसलिए मै सरकार से कहना चाहूा कि इसओर ध्यान दे ओर इस स्कूल को कही से रिकोगनाइज कराने की कोि ा ा करें ताकि हमारे यहां पढ़ने वाले बच्चों को भी बाहर रोजगार मिल सके। इसके सथ साथ मै यह भी अर्ज करना चाहता हूं कि जींद में दो सीनियर सैकेन्डरी स्कूल है जिन में इतनी कम बिल्डिग है कि वहां दो–दो ि ाफ्टस ही नही बल्कि तीन तीन ि ाफटस लगानी पडऋती है ंवहां पर लडऋके और लड़कियों के इन स्कूलों को बिल्डिग को पूरा किया जाये। लड़कियों को ज्यादा कठिनाई होती हैं जहां स्कूल में दो दो और तीन तीन ि ाफटे लती हो वहां बच्चे कैसे सुबह 6 बजे पहुंच सकते है। इसमामले में खासतौर पर

लडकियों को दिक्कत होती ै अगर भाम को पांच बजे स्कूल की छुट्टी होती है तो जो लड़किया गांव से पढने के लिएआती है, वे गांव में वापिस समय नही पहुंच सकती। इसलि उन स्कूलों की बिल्डिंगों को और बढ़ाया जाए ताकि बच्चों को सुविधा हो सके।

अब मै डिमांड नं0 13 के बारें में भी अर्ज करना चाहता हूं। हरिजनों ओर पिछडे वर्ग के बारें में कहना चाहूंगा। आजकल चोधरी जगन नाथ जी इस विभाग के मंत्री है। पता नही किन कारणाों से हरिजन कल्याण निगम ने लोन की लिमिट कम कर दी हैं पहले तीन की लिमिट दस हजार रूपए थी ओ अब उसे कम करके तीन हजार कर दियए है। इसलिए मै निवेदन करूंगा कि इस बारें में पुनः विचार करके इस लिमिट बढ़ायी जाए क्योंकि इस महंगाई के समय में दस हजार से लिमिट बढ़ायी जानी चाहिए थी न कि घटाई जानी चाहिए थी। इसी तहर से पिछडे वर्ग कल्याण निगम को किसी योजना के लिएयानी कार्य योजना बना कर ऐक्सपर्ट लोग देत `है ंवे कहते हे कि फला कार्य के लिए इतने अमाउन्ट की अव यकता होगी लेकिन जितना अमाउन्ट वे रिकोमैन्ड कर `है उतनाबैकवाड्ड क्लासिज निमग द्वारा नही दिया जाता हैं उसका एक तिहाई या चौथाई भाग दिया जाता है सिसे वह प्रोजैक्ट पूरा नही पाता। वे बेचारे कर्जदार हे कर घर बैठ जाते है। और उनके घर की चीजे नीलाम होती है। इसलिए कर्ज की रा ि ा उन्हे `पूरी मिलतनी चहिए। पिछडे वर्ग के बारें में हमारे होम मिनिस्ट साहब ने आज ही कहा था कि 1150 सिपाही पुलिस

मतें भर्ती किए है। इनमें से 81 जवान पिछड़े वर्ग के भर्ती किए है जबक पिछडे वर्ग का 115 का हक बनता है। अगर भर्ती करनी है तो सारे हरियाण में ऐडवार्टाइजमैंट होनी चाहिए कि फला तारीख को फलां महीने इस सैन्टर में भती होगी। वहां पर सारे हरियाणा के लोग पहुंच सकते हे। ये लोग तभी पहुंच सकतेहै जब ऐडवर्टाइजमेंट हो लेकिन चुपचाप कभी पांच, कभीदस ओर कभी बीस आदमी भर्ती कर लिए जाते है। ऐसी भर्ती के लिए तो वही लोग पहुंच सकते है जिन को गुप्त सूचना भेजी जाती हैं ऐसी भर्ती के लिए कोई तारीख नि चत हो जाए कि हर महीन इस तारीख को भर्ती होगी तो लोग वहां पहुंच जाएगे। वे भर्ती में अपनी योग्यता के अनुसार हिस्सा ले सकेगे।

मै एक बात डिमांड नं0 15 के बारें मे जो इरीगे ान से संबंधित है, जरूर कहनाचाहता हूं। एक तरफ तो सरकार खर्च पुलिए आदि विभागों पर बहुत अधिक बढता जा रहा है। लेकिन दूसीर ओर इसके साथ साथ इरीगे ान जैसे विभाग पर, जो खेती के लिए बहुत ही जरूरी विभाग है ओर जिस पर हरियाणा की तरक्की निर्भर करती है, उस विभाग के अन्दर पैसे की कमी केकारण बहुत सी स्कीमें रोक दी जाती है। मेरे अपने हल्के में ही आसन माईनर, समालोसाख माईनर, बरसोला सब–माईनर तथा ऐसी हो कुछ ओर माईनर्ज है,जो बननी बहुत जरूरी हैं उनकी ऐक्सटै ान नह होने या नही बनने से पानी टेल तक नही पहुंच पता। इसके लिए मै अनेक बार निवेदन कर चुका हूं लेकिन बाढ़

की कमी का बहाना बनाकर इसको टालते रहते है। उस इलाके में नीचे का पानी भी खराब है। दूसरे सिंचाई का कोई साधन नही हे। इस तरह से किसानों की धरती खराब हो रही हैं इसका कुद न कुछ इन्तजाम किया जाए। अब मै फौरैस्ट डिपार्टमैंट के बारें में एक निवेदन करना चाहता हूं। सरकारने कुछसमय पहले एच0 सी0 एस0 पुलिस औफि, इंजीनियर्ज अज्ञैर डाक्टर्ज के वेतनमान जरूर बढ़ाये है लेकिन एक एच0 एफ0 एस0 कैटेगरी भी हरियाणा में है। जिसमे ंहरियाणा के बच्चे भर्ती होते है। आज तक उसक कैटेगरी की कोई संभाल नही की गयी है। वे भी क्लास–II अफसर है उन बेचारोंको न तो एच0 सी0 एस0 औफिसर्ज के बराबर वेतनमान मिलता है, न ही उनको इस वक्त इंजीनियर्ज या डाक्टर्ज के बराबर वेतनमान मिल रह है। मै चाहूंगा कि सरकार इस कमी को अव य ही दूर करे।

अन्तम ें मै एक बात कहना चाहूंगा। सरकार ने मोरनी हिल्ज में कोलेसर रेज को फोरैस्ट डिपार्टमैंट द्वारा ऐक्वायर करने काकाम किया हैं यह बाहुत ही सराहनीय हैं लेकिन कई एक ऐसी जगहे भी है जो मौके की हैं और जहां पर कुछ प्राइवेट आदमी भी पहाड़ों मे ंऐसी जमीन को ले रहे है जो फोरेस्ट्स के बीच में पड़ती है। अगर इस प्रकारसे पहाड़ों मे किसी प्राइवेअ ादमी ने किसी दूसरे परपज के लिए जमीन खदीदली तो बड़ी दिक्त खड़ी हो जाऐगी। वि ोशकर कालेसर एरिया के फोरैस्ट बच नही पाऐगा। यहां पर जिस पहाड़ को खरीदने का जिक्र है, उसमे ंतो

फौरेस्ट डिपार्टमैंट का एक रैस्ट हाउस भी है। अगर वह जमीन किसी दूसरे प्राइवेट आदमी ने खरीद ली तो हरियाणा को बहुत हानि होगी। इसके बारे में बड़ा पुरान ऐक्विजि ान का केस चल रहा है। मै चाहूंगा कि उस केस को जल्दी से ज्दल फाईनल किया जाए ओर यह जमीन फोरैस्ट डिपार्टमैंट को दी जाए। इन भाब्दों के साथ अन्त में मै आपका भुक्रिया करना चाहता हूं क्योंकि आपने मुझ बोलने के लिए समय दिया।

श्री कुन्दर लाल भाटिया (फरीदाबाद): अध्यक्ष महोदय, आज मै भी आपकी इजाजत से थोड़ा सा बोलना चाहता हूं। हरियाणा के अन्दर चौधरी देवी लाल ने बूढों को पैन्ा ान और विधायकों के लिए भी पै ान`दकर बहुत अच्छा कम किया है। यह एक बहुत अच्छा कदम उठाया गय हैं इसे साथ साथ में अपने इलाके की कुछ डिमांडज की बात भी करना चाहता हू। डिमांड नं 8, 9 10, 11 और 23 पर मै कुछ कहना चाहता हूं। डिमाड नं0 8 के तहत मै यह कहना चाहता हूं कि फरीदाबाद के अन्दीर जो सड़के बनी हुई है, वि ोशकर बसे अड्डे से लेकर स्टे ान तक ओर गांधी कालेनी से कौडी मौहल्ला तक, उसकी बहुत बुरी हालत है। मै यह कहूंगा कि उन सड़कों को जल्दी से जल्दी बनाया जाए। इसके साि ही मै ि ाक्षा के बारें में कहना चाहता हूं कि फरीदाबाद मे ंकाफी स्कूल बने हुए है। मै यह समझता हूं कि हमारी पिछली ि ाक्षा मंत्री जी` कुछ स्कूल्ज अपग्रेड किए हैं वह बहुत अच्छा काम किया गया है लेकिन इसे साथ साथ मै यह

कहना चहाता हूं कि फरीदाबाद के अन्दर स्कूलज नं0 1, 2, 3, 4 और 5 में यानी किसी भी स्कूल के अन्दर छते तक नही है। मै यह कहूा कि इन स्कूलों को अपग्रेड तो कर दिया लकिन इस बात को भी तो दिखाए कि वहां पर स्कूलों के अन्दर छत तक नही हैं कई स्कूलों में 35–35 साल पुरानी छते हें यह छतें 30–35 साल पहले पड़ी थी। तब वहां की 30–35 हजार की आबादी थी। अब यहां की आबादी 15 लाख के करीब है। वहां के स्कूलों की छतें भी रिपेयर नही होती। बच्चे वृक्ष के नीचे बैठते हे।

इसी तरह से फरीदाबाद के अन्दर एक बी0 के0 हौस्पिटल बना हुआ हैं 35 साल पहले वहां पर दवाईया केवल 5000 रूपये की मिलती थी। आज फरीदाबाद की आबादी 15 गुणा बढ़ गई है। अगर उस हिसाब से देखे तेा फरीदाबाद में 75 लाख की दवाईया मिलनी वाहिए ओर वहां पर अस्पताल के कमेरे बनने चाहिए। आज उन अस्पतालों के कमरे नही बने है औ र न ही दवायों लिए पैसा ज्यादामिलाहै आज फरीदाबाद की हालत यह ळै कि वहां पर डाक्टरों के लिए हरने का स्थान नही है। जिस फरीदाबाद से आज सरकार को पचास गुणा आमदनी बढ़ी हैं वहां के स्कूलों की तरफ, वहां के अस्प्तालों की तरफ, वहां की सड़कों की रतफ और वहां परपीने के पानी की तरफ ध्यानदिया जानाचाहिएं फरीदाबाद कॉम्पलैक्स के अन्दर सड़कों की मरम्मत नही हो रही है और नह ही फुटपाथ्स की मरम्मत हो रही है। वहां पर पीने के पानी का कोई इन्तजाम नही हैं जवाहर कालोनी,

डबवा कालोनी ओर परवती कालेनी मे ंपीने के पानी की बहुत बुरी हालत है। एन0 आई0 टी जो 35 साल पहले बना था उसके अन्दर एक फूट गड्ढा खोदकर पानी मिलताहैं और हुड्डा कालेनी के अन्दर दो मन्जिल पर पानी चढ जाता है। एन0 आई0 टी0 के लोग पानी की वजह से काफी परे ाान है। यह कालोनी पुरानी बसी हुइ है। किफर भी पानी की परे ानी है। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि फरीदाबाद की पानी की समस्या को हल किया जाना चाहिए।

अब मै बसों के बारें में कहना चाहता हूं। फरीदाबाद एक इंडसिट्रयल टान है। वहां पर लोकल बसेां की बडी दिक्कत है। वर्कर्ज जोसुबह काम पर जतो है। उनके लिए लोकन बसों का कोई प्रबन्ध नही हैं मेरी प्रार्थनाहै कि वहां पर लोकल बसों को प्रबन्ध किया जाए जिससे वर्कर्ज घरसे और फैक्टरी से आ जा सके। लोकन बसों के नह होने कक कारण वर्कर्ज फैक्टरी समय पर नही पहेंचते औ न ही भाम को समय पर घर आ सकते है। लोकल बसों से सरार को आमदन ीहोगी ओर वहा ंकी जनता की भी दिक्कत दूर हो जाएगीं

स्पीकर साहब, जब से फरीदाबाद कौम्पलैक्स बना है ंतब से वहां पर फुटपाथ्स की मरम्मत नही हुई है। ये फुटपाथ्स पैतीस साल पहले बने थे और उनकी आत तक कोई मरम्मत नही की गई। पिछली बार डां0 मंगल सैन जी ने कहा था कि ये फुटपाथ्स जल्दी से जल्दी रिपेयर किए जाएंगे लेकिन वे आत तक रिपेयर नही हुए। अध्यक्ष महोदय, फरीदाबार मे ंन तो सुउ़कों की

मरम्मत हो रही है ओ न ही फुटपाथ्स की मरम्मत हो रही है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि फरीदाबाद में सड़कों की और फुटपाथ्स की रिपेयर की जाए और वहां परपानी का इन्तजमा होना चाहिए ताकि जनता को कोई दिक्कत न हो। इन भाब्दों क साथ मै अपना स्थान लेता हूं।

चौधरी सतबीर सिह कादियान (लौलथा): अध्यक्ष महोदय, मै सप्लीमैंटरी डिमांड का समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। 168 करोड़ 85 लाख रूप्ए की सप्लीमैटरी डिमाड विभिन्न विभागों को इस सदन मे ंप्रस्तुत की गई हैं डिमांड नं0 3 जो होम डिपार्टमैंट की है। इसमें 17 करोड़ 80 रूपए की डिमांड की गई है। हरियाणा सरकार ने, हरियाणा के गृह विभग ने उग्रवाद पर काबू पाने के लिए कइ तह के हथियार खरीदे ओर व्कीक्लज खरीदे है। स्थिति को काबू में रखने क`लिए यह स्वाभाविक था कि इनचीजों में बढ़ौतरी या इजाफा किया जाए और हरियाणा की जनता की जरूरत के लिए ऐसी पुलिए स्टे ान बनाए जाए ओर सफल ओर नि ुल्क न्याया दिला सकें ओर जनत की सेवा कर सके।

मांग नं0 4 रैवेन्यू की हैं चौधरी देवी लाल की सरकार ने हरियाणा में बारह की जगह सोलह जिले बनाकर एक मिसाल कायम हकी हैं कहा जात है। ''छोटे जिले, बछिया काज खुब चेलगा ताऊ का राज।'' जिले ज्यादा बनाने से यह बात साफ जाहिर हैं कि ऐडमिन्स्ट्रे ान का खर्च ज्यादा बढा है। ओर जो

खर्च बढत्रा है वह सही है और इस से लोगों सही ढंग से न्याया और सुविधा मिल सकेगी। अध्यक्ष महोदय, रैवेन्यू महकमें के अन्दर पटवारी गांव मे ंहात है। मेरा यह कहना है कि उनक लिए हर गांव मे ंउनका दफ्तर होना चाहिए। उनक दफ्तरका उचित स्थान पर निर्माण किया जाना चाहिए। हमारी सरकार ने कुछ जगहो ंपर ये दफ्तर बनाए है लजेकिन मेरा कहना यह है कि अगर हर गांव में इस तरह के दफ्तर न खोले जाए तो दो तीनगांव के ऊपर एक दफ्तर का निर्माण अव य होना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, अब मै मांग संख्या नं0 8 के बारे ंमें अपने विचार प्रकट करूंगा।

इसमें सरकार ने लगभग 5.06 करोड़ रूपण मांगा है जाकि वाजिब है। यह पैसा सड़को ंवे भवानों की दशा को देखत हुए व औजारखदीने के लिए रखा है परन्तु आप प्रांत में सड़कों की द ा बड़ी ही दयीनी है। कई बारसरकार को अपनी हलके की सड़कों की हालत के बारें मे ंसूचित भी किया जा चुका है जो टूटी फूटी सड़के है। उनकी मरम्मत करवाई जाए। सरकार की ओर से कोई ऐसा प्रावधान होना चहिए जिससे सरकार द्वारा किए गए वायदों को पूरा यिका जासके।

इसी तरह से लगभ्लग 43.81 करोड़ रूपया ि ाक्षा के लिए भी मांगा गया हैं जिसका मै समर्थन करता हूं। सरकारको यह बड़ी ही सरहानीयी कदम हें घुमक्कड़ कबीले के बच्चों के लिए ओ

दूसरे बच्चो के लिए किताबों और दूसरी सहूलियते देने का जो सरकार ने उचित कदम उठाया है, यह एक बहुत बड़ी उपल्धि हैं इसी तरह से सही कदम उठाकर हरियाणा सरकार ने ि ाक्षा के खेत्र में नपया कीर्तिमान स्थापित कया है। लेकिन मै यह बात भी कहूंगा कि जहां ि ाक्षा के अन्दर सरकारइतनी रूल ले रही है, वहां पिछडे इलाकों की ओर भीसरकार को ध्यान देना चाहिए पानीपत जिले के अन्दर कोई सरकारी कालेज नही है। इसराना एक पिछड़ा इलाक है उसके आस पास कई हाई स्कूल्ज है औश्रवह भाहर से काफी दूरी भी है। वहां के लोगों ने एक रेजोल्यू ान पास करके 20 एकड जमीन ओर 15 लाख रूप्या भी सरकार को कालेज के लिए औफर किया है। इसलिए मेरी सरकार से रिक्वैस्ट हैं कि इसराना को भी कालेज खोलने की स्कीम में भाामिल कर कर लिया जाए ताकि आपस पास के स्कूलों से बच्चे बढ़कर कालेज मं जा कें ओर उनकों दूर दूर ने जाना पड़े।

इसी तरह से अर्बन डिवैल्ममैन्ट के लिए भी 3.25 करोड़ रूपया मांगा गया है। वह इसलिए कि जो लोग अपनी जमीन सरकार को देत`हे वे अपनी जमीन की सही कीमत न पाने के कारण लिटीगे ान में चले जाते हे। अधिकारियों की लापरवाही के कारण ऐसा होता है क्योंकि जब लोगों की जमीन का मूल्य निर्धारित किया जाता है। उस समयसही ढंग से उचित मूल्या नही दिया जाता जिसके कारण से लोग लिटीगे ान में चले जात`है। इसलिए मेरी सरकारसे प्रार्थना है कि जब किसानों की जमीन ली

जाए तो उस वक्त ही किसानों को उस की जमीनका उचित मूल्या दे दिया या उनके बच्चों क लिए नौकरी वगरह का प्रावधान कया जाए ताकि वे किसान सूख से अपनी बच्चों के साथ रह सके।

इरीगे ान के लिए 10.55 करोड़ रूपय मांग गया है। यह पैसा जगह–जगह खाले बनाने व उनको पक्का करने ` लिए खर्च किया गया है लेकिन खो पक्का करते समयकरनाल जिले का ध्यान नही रखा गया है। केवल 85 खाले पंकी की गयी हैं करनाल जिले के दो हिस्से हो चुके है। वहां ज्यादा खलों को पक्का किया जाए ताकि लोगों कोसहूलियतें मिल सकें।

इसी तरह से औद्योगि क्षेत्र में भी सरकार ने कीर्तिमान स्थापित किया है। इसराना क्षेत्र में मै औद्योगिक दृश्टि से पिछड़ा क्षेत्र घोशित करने के लिए सरकार से प्रार्थना करता हूं क्योंकि इसके सथ लगते हुए गोहाना व सफीदों क्षेत्र पहले ही औद्योगिक दृश्टि से पिछड़े हुए घोशित किए जा चकु हे। सरकार औद्योगिक दृश्टि से पिछड़े क्षेत्रों में जनरेटिग सैट्स लगाने के लिए जो 50 हजार रूपए सबसिडी देने का प्रावधान कर रखा था, अब उसको बढ़ाकर 15 लाख रूपए कर दिया गया है यह भीसरकारको बहुत ही सरहानीय कदम है। इसके के लिए मै सरकार को धन्यवाद देता हूं।

इससे आगे मै। यह बताना चाहता हूं कि 5.83 करोड़ रूपये की रा ि ा सरकार ने परिवहन के लिए मांगी है। ताकि

बससां को ठीक करवाया जा सके औ नई चैसजि भी खरीदी जाए। यह बड़ी अच्छी बातहै मै एक बात कहनाचाहता हूं कि इसराना पानीपत का एक कस्बा है वहां पर कोई बस अड्डा नही हैं इसलिए वहां पर बस अड्डे का निर्माण अव य करवाया जाए ताकि आम पैसेंजर को आने जाने में सहूलियत हो सके। इन भाब्दों के साथ मै इन्ही सभी डिमांडज को समर्थन करता हू।

गृह मंत्री (प्रो सम्पत सिंह): अध्यक्ष महोदय, गुप्त जी ने कल जो सप्लीमैन्टरी ऐस्टिमेंट्स इस हाउस के सम्मुख रखे थे उनपर काफी चर्चा हो चुकी हे। काफी सदस्यों ने अपने अपने हल्कों से सम्बन्धित अपनी–अपनी बातें कही है ओर बीच–बीच में मै होम विभाग से संबधित भी कुछ बातें कही गयी हं जिनका उत्तर देना मै आपना कर्त्तव्य समझता हूं डां0 मंगल सैन जी ने ला एण्ड आर्डर की बात कहते हुए 27 तारीख की बात कही कि बढ़िया काम रहा लकिन एक बात की वे कलैरीफिके ान चहे है, वह भी मै देना जरूरी समझता हूं। इसबारेंमें में अखबारों में हर राज बदल बदल कर आंकड़े छप्त रहें कि मेहम उप चुनाव मे कितने मरे, कितने मिसिंग है। कभी अखबार कुछ आकडे देता हे तो कभी कुछ आंकडत्रे देते है। कुछ अखबारों के लिोग अपने आप में सिरि नही हैं एक दिन दस लिख देते है। दूसरे दिन 40 लिख देते है। औ उससे अगले दिन 100 लिख देत `है आज कोइ अखबार 50 लिख रहा है और वही अगले दिन 100 लिख रहा है और उसके बाद 40 लिख देताहै मै। इस बात का `स्प ट कर

दिना चाहता हूं कि केवल एक कांस्टेबल हरबंस सिह कीडैथ हुई है। जहां तक मिसिग का सवाल है, हरियाणा पुलिए का काई सिपाही मिसिग नही हैं यह केवल लोगों में भ्रामक प्रचार करने क लिए यिका गया था।

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। प्रैस के ऊपर बार–बार सवाल उठाया जा रहा है। मै सरकार से यह जानकारी हासिल करना चहाता हूं कि सरकार ने कौनसी ऐसी नीति अपना ली है जिससे अखबार वाले उससे नाराज है?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मै सभी अखबारों के बारं में नही कहता बलिक कुछ अखबारों के बारें में कह रहा हूं सरकार प्रैस की आजादी के लिए बाकायदा हामी है। लेकिनहर आमदी को जानने काक अधिकार हे कि उसे सही जानकी मिले। ऐसा करना सरकार की भी डियूटी है ओर प्रैस की भी डियूटी है। इसलिए मै प्रैस के सार्थियों से निवेदन करता हूं कि केवल एका कांस्टेबल मरा है और आज के दिन हरियाणा पुलिस का काई भी सिपाई गायब नही हैं डा0 हरनाम सिं हने हमारी पुलिस की काफी बढ़ाई की ओर कहा कि पंजाब के मुकाबिले में हामरी पुलिए बहुत अच्छी हें इसके लिए मै डा0 साहब का धन्यवाद करता हूं। इन्होने पुलिस वालें की कुछ समस्याओं को भी जानकारी में लाना चाहता। एक तो उन्होने यह कहा कि हरियापणा पुलिस की तनखाह केवल पांच रूपए बढ़ी है। मै उनको बतानाचाहता हूं कि पांच रूपए नही बढ़ी है बल्कि हमने इनि ियल ग्रेड 50 रूपए बढ़ाया है। अब

हरियाणा को ग्रेड पंजाब और हिमाचल के बाराबरहै। सारे दे ा में केवल ये तीन राज्य है। जहां पुलिस के सब से ज्यादा ग्रेड है। दूसरी बात उन्होने यह कही कि पंजाब में 13 महीन की तनखाह दी जाती है और हरियाणा में 12 महीन की। मै बताना चाहता हूं कि 13 वे महीने के बोनस के रूप मैं पैसे मिलते हे। यह पंजाब में भी देते है और हरियाणा सरकार भी देती है। तो काइ ऐसी बात नही है, हरियाणा में भी बाकायदा पंजाब के ग्रेड बढ़ाए थे औरपंजाब के बराबर किए गए थे। कुछ चर्चा यह भी कि व्हीकल्ज पर ज्यादा खर्च किया जा रहा हैं मेरे साथी कैप्टन यादव ने जिक्र किया था प्राइवेट ट्रांसपोर्टर्ज की गाड़ियां बार बार सरकार लेती रही हे। जब 1987 से पहले गाड़ियों की कमी थी उससमय प्राइवेट गाड़िया इस्तेमाल की जाती थी। पता नही उस समय की सरकार इनको क्यों इस्तेमाल करती थी। हमारे पास जब गाड़ियों कम थी उस समय हकने किसी डियूटी के लिए कोई प्राइवेट गांड़ी ली होगी लकिन उसका बाकायदा मार्किट रेट पर भाड़ा दिया जाता हैं किसी से हम अवैध रूप से गाड़िया का रिक्विजि ान नही करते हे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः जब पिछले दिनो रिजर्वे ान को लेकर स्ट्राइक हुइ थी उस समय रिवाड़ी में दंगे हुए। उस समय पुलिस ने लोगों ने जब्रदस्ती ट्रांसपोर्ट ली थी। इसलिए स्पीकर साहब, ये जो कह रहे है कि ये उनको पेमैंट करते है यह बात ठीक नही हे।

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, आव यकता पड़ने पर यदि किसी भी प्राइवेट म ीनरी की रिक्विजि ान की जती है तो बाकायदा उसकों किराया दिया जाता हैं डिस्ट्रिक्ट मैजिस्ट्रेट रिक्विजि ान के आर्डर करत है। जिस किसी भी डिपार्टमैंट के लिए प्राइवेट म ीनी की रिक्विजि ान की जाती हैं वह डिपार्टमैंट बाकायदा उसको किराया देता है। इस समय हमारे डिपार्टमैंअ में काफी नए व्हीकल्ज आ गए है। इसलिए आप पुलिए को प्राइवेट व्हीकल्ज की जरूरत नही है। जिस तरह से माननयी सदस्य ने प्राइवेट व्हीकल्ज केबारें में चर्चा की थी वह गलत हैं इसी तरह से स्पीकर साहब, आदरणीय परमा नन्न जी रिजर्वे ान के बारें में बात कही थी ओर यह भी कहा था हरियाणा सरकार रिजर्वे ान के मामले मतें कोई कोताही बरत रही हैं मै इनको आंकडे देकर बताना चाहूंगा। स्पीकर साहब, पिछले साल पुलिस की भर्ती की गई थी। उस समय हमने 4650 कांस्टेबल भर्ती किए थे जिनमें से रिजर्वे ान के हिसाब से हरिजनों के 930 पद बनते है लेकिन हमरे रिजर्वे ान कोटे से चार हरिजन फालतू भर्ती किए हैं रिजर्वे ान के बारें में कटारिया साहब ने भी जिकर किया था कि इस तरफ सरकार ने ध्यान नही दिया। हमने बाकायदा ध्यान दिया हैं मै बैकवर्ड क्लासिज के बारें में भी बता देता हूं। रिजर्वे ान कोटै के हिसाब से बैकबर्ड क्लासिज के 465 पद बनते है ओ हमने 464 पद बैकवर्ड क्लासिज को दिए है इसमें एक पद का भार्टफाल हैं वह पूरा कर दिया जाएगा। हरियाणा सरकार बाकायदा बैकवड्ड क्लासिज और ि ाड्यूल्ड कास्टस के लिए चिन्तित है। और उनको

उनके रिजवे ान के कोर्अ के हिसाब से ज्यादा पद देने की कोि ा ा करती है।

Sh. Kirpa Ram Punia: The Hon'ble Home Minister is misleading the house. That is not the correct positon. अगर भाड्यूल्ड कास्टस थोडे बहुत ज्यादा लिए है फिर भी बैकलांग अभी बहुत ज्यादा रहता है।

प्रो0 सम्पत सिंहः केवल हरिजनों के बारें में बा कहने से आपकों बात नही बनती। आप हरिजनों के बारें में बहुत चिन्तित दिखाइ देते है ओर उनके हमदर्द दिखाई दे रहे है। यह आपका केवल दिखावा है। हम बैकलाग को पूरा कर रहे हैं और आयंदा भी करेगे। यह बैकलाग इस सरकार के समय का नही है। यह कांग्रस सरकार के समय से बैकलाग चला आ रहा हैं इसको बाकायदा पूरा करेगे।

Sh. Kirpa Ram Punia: He should aslo tell us what was the baclog becasue he has now raised that point. Let me put the rocord straight. मैने खुद होम मिनिस्टर के साथ मीटिग करके पिछला बैकलाग पूरा करने की कोि ा ा की ओर मैने बकलाग के बारें में इनके एक नोट लिख कर भेजा था लकिन इस तरफ से कोई ध्यान नही दिया गया। मैने बैकलाग के बारें में होम मिनिस्टर साहब को कई बार नोट लिख कर भेजे लकिन उन पर आज तक कोई कार्यवाही नही की गई। रिजर्वे ान पालिसी को

ठीक ढंग से एडाप्त नही किया गया। इन्होने जो कुछ किया है वह मेरे कहने के बाद ही किया है। अपने आप इन्होने कुछ नही किय।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, इसके कोई दो राय नही है कि इन्होने मेरे से इस बारें में बात की थी। मै हाउस को बताना चाहूंगा कि मौजूदा सरकार आने के बाद जितनी भी पुलिए भर्ती की गइ है। उसमे ंरिजर्वे ान का पूरा ध्यान रखा गया हैं ओर रिजर्वे ान के कोर्ट में कोई भाौर्टफाल नही रहने दिया गया। जो बैकलाग है उसको बाकायदा हम पूरा कर रहे हे। आदरणीय परमानन्द जी ने एक बात यह भी कही कि गुपत भर्ती कर लेते है। इनकी यह बात बिलकुल गालत है और निराधार हैं हमने रिजर्वे ान के हिसाब से जितनी पोस्टे बैकवर्ड क्लासिज या भाड्यूल्ड कास्टस की बनती थी उसमे कोई कमी नही छोड़ी उनके पूरे नौजवान भर्ती किए है। जो ऐक्सट्रा पोस्टे सैक ान की जाती है। वे हजारों में होती है। बाकायदा उनकी नोटिफिके ान होती है ओर अखबारों में ऐडवर्टाइजमैंट होती हैं केवल वैस्टेज की भती क लिए हम ऐडक्र्टाइजमैट नही करते वैस्टेज की भर्ती में केवल वे लोग आते हैं जिनके पिता सर्विस में होत हुए मर जाते है या रिटायर हो जाते है। उनकी भर्ती के लिए एस0 पी0 के औफिस के आगे नोटिस लगा दिया जाता है। एस0 पवी0 की भर्ती करने की अथौरिटी है ओर एस0 पी0 को बाकायदा ये हिदायतें दी हुई है। कि भर्ती करते समय रिजर्वे ान के कोटै का पूरा ध्यान रखा जाए। हरियाण की मौजूदा सरकार ने पुलिए भर्ती में रिजर्वे ान

कोटे को पूरा ध्यान रखा है। जो बैकलाग हैं उसको धीर धरी पूरा किया जाएगा ओर उसका पूरा ध्यान रखा जाएगा। स्पीकर साहब पुनिया साहब ने बी–I टैस्ट के बारें में जिकर किया था। मै उनको बताना चाहूंगा कि जिस सिपाही का पांच साल का ऐक्सीपरियल हो जात है। उसको बी–I के टैस्ट में बैठने की इजाजत होती है और उस टैस्ट में रिजवै ान का कोई हिसाब नही होता हैं उसमें चाहे कोई बी0 सी0 है, चाहे कोई एस0 सी0 और चाहे कोई जनरल कैटेगरी का है, सभी को बैठने की इजाजत होती है। इसमे ंकोई भी रिजर्वे ान नही है। जो लड़का बी–I टैस्ट को पास करता है उसी हैड कांस्टेबल की प्रमो ान दी जाती है।

श्री किरपा राम पुनियाः सर, इस बारें में मेरी एक सबमि ान है। He is again misleading the House.

Mr. Speaker: This is not a counter discussion.

श्री किरपा राम पुनियाः जो रूल्ज पंजाब, यू0 पी0 चण्डीगढ़ और दिल्ली में लागू हैं वही हरियाणा में भी लागू किए जाने चाहिए क्योंकि अभी तक प्रमो ान वाला वह रूल हरियाणा में लागू नही है। इसलिए मेरी इनसें गुजारि ा है। कि जिस रूल की वजह से रिजर्वे ान कोटे पर प्रमो ान में दिक्कत आ रही हैं, उसकों अवाडइड्ड करके इन लोगों को प्रमो ान की जा सकती है।

Mr. Speaker: Please take your seat.

उप मुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, कल ही इस सदन में मैने सन् 1989–90 की अनुपूरक अनुमान मांगे प्रस्तुत की थी। यह दूसरी किस्त है। इन सभी मांगों पर आज सदन में विस्तार से परिचर्चा हुई। ये कुल मांगें लगभग 168.85 करोड़ रूपए की हैं इनमें से 50.48 करोड़ रूपये के करीब की मांगे प्लान साईड की है। और 118.73 करोड़ रूप्ए की मांगे नौन प्लान साइड में है। अध्यक्ष महोदय, जब बजट तैयार किया जात है तो अन्दाजें से हर विभाग के लिए पैसे का प्रावधान बजट में किया जात है। बजट बनाने वाले अधिकारियों के सामने पिछले वर्श का भी बजट होताहै। पिछले वर्श में हर विभाग में किया गया खर्चा जो हता हैं वह सामने रखा जाता है ओर प्रदे ा के उस समय के हालात को सामने रखा जात हैं जो कि विकास की योजनाएं होती है उन सब को साकार बनाने के लिए बजट में प्रत्येक विभाग का प्रावधन किया जाता हैं ओर अनुमान से यह प्रावधान किया जात है। काफी हद तक हमारी अधिकारियों का अनुमान सही होता हैं लेकिन जहां 2 करोड़ रूपये के लगभग का बजट तैयार होता है। उसमे ंकुछ कमिया रह जाती हैं या कुछऐसे खर्चे आ जा`है। जिनका पहले से अन्दाजा नही होता। इन सब बातों को मद्देनजर रखते हुए यह एक लोकतांत्रिक प्रथा है। यदिबजट में प्रावधान की गई रकम से अधिक खर्च किया जाए तो हम सदन के सामने फिर उपस्थित होना पड़ताहै। यानी फिर मांगे प्रस्तुत करनी पड़ती है। हमें बताना पड़ता हैं कि इस कारण से यह ज्यादा खर्चा हुआ हैं हम बताते है कि यह बढ़ा हुआ पैसा हमें

सप्लीमैटरी डिमांड्ज के जरिए दिया जाए यानि यह पैसा मंजूर किया जाए। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए मुझे ये 168.85 करोड़ की मांगे सदन मे ंरखनी पड़ी है ओर आज इन पर परिचर्चा हुई है। अध्यक्ष महोदय, जितन भी मेरे सम्मानित सदस्य बोले उनमें से किसी भी सदस्य ने इन डिमांड्ज पर कोइ आपत्ति नही की है। किसी भी सदस्य ने यह नही कहां कि फला डिमांड के तहत ज्यादा पैसा खर्च कर दिया गयाहैं कुछ विधयक अपने हल्कों की कमियों बतलाते है ओर उन कमियों को दूर करने के लिए अनुरोध करते हे। अध्यक्षम होदय, हमारे जो साथी विधायक है। उनका जब भी बोलने का अवसर मिलता है। वे अपने हल्के की बात करतेहै। चाहे जनरल बजट कासमय हो या अनुपूकर मांगों का अवसर हो, वे अपने हल्के की , अपने क्षेत्र की कठिनाईयों को प्रस्तुत करते है। आर इन कठिनाईयों को दूर करने की भी मांग करते है। ओर कहते ह कि उनके हल्कों मे ंविभाग ज्यादा से ज्यादा पैसा खर्च करें सरकार उनकी बातों पर पूरी तरह से विचार करती हैं ओर जहां तक सम्भव हेाता है वहां पर खर्च को बढ़ाने की कोि ा ा करती है, अधिक पैसे का प्रावधान करके या अगला बजट बनाते समय उनकी बातों का पूरा ध्यान रखती थी। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ हमारे कुछ सम्मानित साथी ऐसे प्र न भी उठाते है। जिनका इन अनुपूरक मांगों से कोई संबंध नही हाता, जिनकी कोई रैलेवैन्सी नही होती। आज सारे हरियाणा प्रदे ा मे ंएक करन्ट टापपिक है महम में हुए उपचुनाव का। इस प्र न को लेकर तरह तरह की बातै हमारी साथी कहते रहते है।

ओर ब्यान भी देत रहते है। अध्यक्ष महोदय, मै समझता हूं विपक्ष मेहम का बहाना लेकर अपना राजनैतिक स्वार्थ पूरा करना चाहता है। वह अपनी खोई हुए साख बना कर प्राप्त करना चाहते हे।

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः अध्यक्ष महोदय

Mr. Speaker: Nothig is to be recorded.

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै कोई गलत बात नही कहता। हमारे माननीय अत्री साहब हमारेसाथ चुनकर आये थे औरहमारे साथि ही बैइा करते थे तथा हमारा समर्थन किया करते थे। (विध्न) पतानही किस वजह से उनकों कुछ गिला–ि ाकवा हो गया, वे नाराज हो गये ओर वे आज हमारे सामन बैठे है। जिन बातों का वे समर्थन किया करत `थे आज उन्ही बातों पर नुक्ताचीनी करते है। जो बातें उन्ही भली ओर अच्दी नजर आती थी आज वे बाते ंउन्हें बुरी लगने लगी हे। अध्यक्ष महोदय, आ वे बदल गये है, क्यों बदले है इसक कारण तो वह ही जानते हैं अध्यक्ष महोदय, गुझ बड़ा अफसोस है कि हमारे माननीय प्रोफैसर परमानन्द जी जैसे पढ़े–लिखे और संजीदा व्यक्ति यह कहें कि बूथ कैपरिग का सिलसिल जो भिवानी से आरम्भ हुआ था आज मेहम तक हपुंच गया है ंअध्यक्ष महोदय, जहाहं तक मुझे स्मरणहै, जब भिवानी में चुनाव हुआ था और 70 बूथों पर दोबारा पोल करवाया गया था उस समय प्रोफैसर परमानन्द जी भी वहां मेरे पक्ष में काम कर रहे थे, ये भी हमारे साथ थे। (व्यवधान एवं भाोर) अध्यक्ष महोदय, इन को मेरी ओर से

निवेदन कर दीजिए कि ये बीच में टोका–टाकी न करें जब ये बोल रहे थे मै बिल्कुल खामो ा बैठा इनकी बातों को सुन रहा थ इनमें भी तो सुनने की भाक्ति होनी चाहिए। जब ये अपनी बात सुनाने की भाक्ति रखते है तो इन्हें सुनने की भी भाक्ति भी तो इनमें हानी चाहिएं अध्यक्ष महोदय, पहली बात तो यह है कि उन दिन भिवानी में कोई बूथ कैप्चरिग नही हुई। मान लीजिए अगर हुई है तो प्रोफेसर परमानन्द जी भी खूब कैप्चरिग में भाामिल थे।

श्री परमानन्दः स्पीकर सर, ये डैरीगेटरी रिमार्कस है। (ोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Parmannand Ji, this is not the way. On every sentence you are on your legs.

श्री परमानन्दः ये डैरीगेटरी रिमार्कस है। उन्हें ये भाब्द इस्तेमाल नही करने चाहिए। (ोर)

श्री अध्यक्षः जब भिवानी के बारें में आप कह रहे थे तब डैरीगेटरी रिमार्कस नही थे ओर जब आप उस पार्टी में थे तब भी डैरी रिमार्कस नही थे अब डैरीगेटरी रिमार्कास की बात आ गई हैं (हंसी)

श्री परमानन्दः जी हां। These are derogatory remarks.

Mr. Speaker: Please take your seat.

श्री परमानन्दः औन ए प्वायंट औफ आर्डर सर। ये डेरीगेटरी रिमार्कस है।

श्री अध्यक्षः आप बैठिए। आपके खिलाफ कोई डैरीगेटरी रिमार्कस नही हैं

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, बूथ कैप्चरिंग ओर रिगिग हुई हैं तो उसमे ंमेरे अच्छे साथी प्रो0 परमानन्द और पुनिया साहब भी भाामिल थे। (हंसी)

श्री किरपा राम पुनियाः मै वहां नही गया था।

श्री बनारसी दास गुप्ताः हो सकता है आप नही गये हों अध्यक्ष महोदय, मै यही कहना चाहता हूं कि आज इन भाईयों के च में का रंग बदल चुके है। मै आकपे माध्यम से इन भाईयों से ये पूछना चाहता हूं कि जो भिवानी का चुनाव आज से लगभग अढ़ाइ वर्श पूर्व हुआ था, उसक बारें में उनकीो आज याद आयी कि वहां परलोकतन्त्र की हत्या हुई थी। अढाई साल के बाद यह बात इनकों नजर आयी कि वहा पर बूथ कैप्चारिंग हुइ झी। उससे पहले कभी याद नही आयी। मै दावे से कहता हूं कि आज तक एक बार भी इन्होने कभी एतराज नही किया कि भिवानी में बूथ कैप्चरिंग या रिगिग हुइ थी ओर हमारी आत्मा गवाही नही देती कि हम इनके साथ रहें क्योंकि हम लोकतन्त्र के हामी है। इसलिए हम ऐसी पार्टी मे ंनही रहेगे जहां लोकतन्त्र की हत्य की जाती हो। इन्होने इस बारें में एक दिन भी एक भाब्द नही कहा। (ाोर एवं व्यवधान) आप इसी कुर्सी पर विराजमान है और आपको भी सारा पता है कि इन लोगो ंने कभी एक भाब्द नही कहा। उनकों

आज भिवानी की याद आयी हैं पहले इन्हें भिवानी की बात कैसे नजर नही आयी। यह बात बिल्कुल निराधार है, गलत है, इन्हं ऐसी बात नही कहनी चहिए। अगर इनहोने अपना गिला, ि ाकवा दूर करना है तो मुख्य मंत्री जी की भारण में चले जाए उनसे पूछ ले, उनसे बात कर लैं।

श्री दुगा दत्त अत्रीः स्पीकर साहब, * * * *
*

Mr. Speaker: This is unparliamentary. Nothing is to be recorded. Please take your seat.

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, ये भाई नाराज बहुत होते हे। ये बातें उनको चुभती हैं अध्यखम होदय, सच्ची बात बहुत कड़ी होती है, तीखी होती हैं मै जिसका साथ पकड़ता हूं उसको पूरी तरह निभाता हूं मैने बंसी लला जी को कभी मझधार में नही छोड़ा। इतिहास इस बात का गवाह है मैने चोधरी बंसी लाल का साथ अन्त तक निभाया और उनकी की हुई गलतियों में खुाद गिल्टी बन कर उनका साथ दिया। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। उप मुख्य मंत्री जी कह रहे है कि इन्होने खुाद गिल्टी बन कर उनका साथ निभाया। गुप्ता जी उस वक्त तो आप चीफ मिनिस्टर थे आपकी जिम्मेदारी थी आप चुप क्यों बैठे रहे? (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Please take your seat.

मुख्य मंत्री (चोधरी ओम प्रका ा चौटाला): स्पीकर साहब, मै आपसे एक बात का अनुराध करूंगा कि सम्बन्धित सदस्य अगर कोई बात कहता हू तोवह आपके माध्यम से कहे सीधी कहना जरा अच्छा नही लगता।

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैने तो ऐसी कोई बात कही ही नही जिस पर इतना भड़काव पैदा हो। मै तो बड़ी सच्ची–सच्ची बातें कह रहा हूं। जितनी देर हमारे साथी बोलते रहे, हम चुपचाप सुनते रहे। इन्होंन हत्यारा कहा, लोकतन्त्रका हत्यारा कहा। बूथ कैप्चरिंग करन वाल कहा। लेकिन हम तो खामो ी से सुनते रहे ओर यह सोचा कि जब वक्त आयेगा तो हम जवाब देगे। अगरमेरी कोई इनको चुभती हैं ओर गलत लगी है तो फिर मौका आयेगा ये फिर अपनी बात कह लों इस तरह से बीच–बीच में टोका–टाकी करना, कोई स्वस्थ परम्परा नही हे। ऐसा करना सदन की गरिमा को नीचा करने की बात हे। हमने तो सदन की गरमिा को कायम रखा है। मै यह कह रहा था कि यह बिल्कुल गलत और बेबुनियाद बात है। कि भिवानी के चुनाव मे ंरिगिग हुई या बूथ कैप्चरिंग हुई थी या 27 तारीख को मेहम के चुनाव में किसी प्रकार की रिगिग हुई है या बूथ कैप्चारिग हुइ हे। अगर ऐसी बात होती, मैने कल भी एक बात कही थी कि कोई ि ाकायत आती। आज भी मै वही बात कहता हूं कि 5 बजे तक किसी प्रिजाइडिग अफसर के पास यह ि ाकायत

नही आयी कि देखिए यहां पर रिगिग हुई है या यहां पर बूथ कैप्चरिग हुई है हालांकि श्री डांगी के पोलिग एजैन्ट आखिर तक वहां पर हाजिर रहे है। जब तक बैल्ट बौकिक्सज बन्द नही हुए, त तिक वे हाजिर रहे है। बैलेट बाक्स उनकी मौजूदगी में बन्द हुए है। जहां तक मुणे पता है जब बैल्ट बौक्स बन्दर किए गये है। है उस वक्त के उनके हस्ताक्ष म्भी मौजूद है। उगर उनको एतराज होतातो कहते कि साहब हम कैसे इस पर दस्तखत करें। यह तो बोगस पोल हुआ है लेकिन उन लोगो ंने कुछ भी नही कहा। किसी प्रकार की कोई झगड़ा नही हुआ। कुछ बूथों की ि ाकायत सैट्रल औब्जर्वर को प्राप्त हुइ थी। उन्होने चीफ इलैक ा कमि ानर से पराम र्ा किय, बातचीज की। हमारे मुख्य मंत्री जी दिल्ली जा रहे थे। बची में ही उनको वायरलैस मैसेज मिला कि सैट्रल औब्जर्वर आपको मिलना चाहते है। आप रोहतक पहुंचिए। वे रोहतक के कैनाल रैस्ट हाउस में पहुंचे। वहो उन्होन सैन्ट्र औब्जवैर से बातचीत की। सैन्ट्रल औब्जर्वर ने यह कहा कि मुणे कुछ ि ाकायते प्राप्त हुई है। मुख्य मंत्री जी ने सफाई देने की कोि ा ा की । सैन्ट्रल औब्जर्वर से बातचीत की। सैन्ट्रल औब्जर्वर ने यह कहा कि मुझ कुछ ि ाकायते प्राप्त हुइ हैं मुख्य मंत्री जी ने सफाई देने की कोि ा ा की। सैन्ट्रल औब्जर्वर ने कहा कि 8 बूथों पर तो री–पोल होनी ही चाहिए। मुख्य मंत्री जी ने कहा कि आप करवा दीजिए। जितनों पर आप आदे ा करेगे, हम उसका पालन करेगे। उन्होने कहा कि फोर्स केवल हरियाणा की ही नही, है सैन्ट्रल फोसिज भी भेजेगे। इन्होने कहा, हां भेज

दीजिए। उन्होने कहां, प्रिजाइडिग औफिसर केवल हरियाणा के ही नही होगें, 50 परसैन्ट केन्द्रीय अधिकारी होगे। इन्होने कहा ठीक है जी,आप चाहे 100 परसैन्ट भेज दे, हमें क्या एतराज हो सकता हैं अध्यक्ष जी, अब आप ही मुझ बताए कि जितना अखबारों में छपा हैं जितना हमारे यह भाई हो हल्ला करते है, कि इतन लार्ज स्केल पर बूथ कैप्चारिग हुई, रिगिग हुई वह कहां तक ठीक है। 27 तारीख राम के 12 बजे तक कोई झगड़ा नही हुआ और कोई बात नही हुई। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से एक बात ौर कहना चाहता हू। आपका भी पुरान तजुर्बा है। मैने तो सन् 1952 से चुनाव लड़ना भुरू किया। हर चुनाव या तौ मैने कुद लड़ा है या किसी को स्पोर्ट किया है। मुझे यह पता है कि बूथ कैप्चरिग कहां होती है। कैसे होती है ओर क्यों होती है। बूथ कैप्चारिग वहां पर होती है जहां पर एक गांव पूरे का पूरा या पूरे का पूर नही तो कम से कम तो तगड़े आदमी हो, वहां के वे एक तरफ हो। जैसे जाटों का गांव है, राजपूतों का गांव है, ब्राहमणों का गावं है, गूजरों का गांव है। याअहीनों का गांव हैं उसगांव का गांव के सारे के सारे ऐसे लोग यदि एक कैडीडेट का समर्थन करते है। तो वहां पर बूथ कैप्चारिग हो जाती हैं समाज के जो कमजोर अंग है उनको वहां वोट पर बूथ कैप्चारिग हो जाती है ंसमाज के जो कमजोर अंग है उनको वहां वोट डालने नही दिया जाता। ऐसी हालत में तो बोगस पोलिग हो जाती है। लेकिन जहां बराबर के धडत्रे हो, जहां मा ाल कौम बराबर के धड़ों में बटी हुई हो, अध्यक्षम महोदय, मे अपने तजुर्बे के आधार पर कह सकता हूं कि

वहां पर किसी की हिम्मत नही है कि कोई गुण्डागर्दी हो जाए, कोई बूथ कैप्चारिंग कर सके या रिगिग हो सके। हय बात मै दावे के साथ्ज्ञ कह सकता हू। अगर वहां पर कोई ऐसी बात हो जाए तो वहां ला ें पडद्य जाए। वहो लोग मरजए। वहां पर कौन इस तरह की बातें बर्दा त कर सकता है। (ोर एवं व्यवधान)

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः अध्यक्ष महोदय, ये जो बात कर रहे है। (ोर एवं व्यवधान)

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, आप इनको समझाइए। (ोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Mr. Attri it is not the time to put questions.

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, अत्री जी वकील है, विधिवेता है और कानून जातने हे। इनको इस तरह से नही बोलना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मै यह कह रहा था कि इस चुनाव के समय मेहम में जो वहां डौमिनोटिग तबका जाब था वह दो हिस्सों में बटा हुआ था। मै यह नही कहता कि किसकी मैजोरिटी थी, कौन से हिस्से में कितने परसैन्टेज थी लेनि यह स्पश्ट है कि वे दो हिस्सों में बंटे हुए थे। हो सकता है पंजाबियों के एक आध गावं ऐसे हो जो न बंटे हुए हो। (ोर एवं व्यवधान)

श्री दुगा दत्त अत्रीः अध्यक्ष महोदय.....

Mr. Speaker: Atti Ji, this is not the way. I would not allow you. (Interruption). I am very sorry. Please sit down. जब आप बोलते रहे तो वे सुनते रहे। (ोर एवं व्यवधान)

श्री दुगा दत्त अत्रीः अध्यक्ष महोदय, मै कहना चाहता हूं. .....

Mr. Speaker: I would not permit you now. Please take your seat. (Interruption).

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै यह निवेदन कर रहा था (ोर एवं व्यवधान)

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः स्पीकर साहब, आप मेरी बात तो सुने।

Mr. Speaker: Attri Sahib, this is not the way. Please take your seat. आप अजीब बात कर रहे है। You can take the books of Rules from me and study the rules at leisure. You are an advocate. आपको इस तरह से बात नही करनी चाहिए।

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै इस बात को अपने जवाब में टच नपही करना चाहता था। यह विशय दूसरा है लेकिन इन भाईयों ने जान बूझ करक इस प्रसंग को उठाया है। अब मुण्े इस बारें में कहने के लिए मजबूर होना पड़ा।

श्री लछमण सिंह कम्बोजः औन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। अध्यक्ष महोदय, ये कह रहे है कि इन भाईयो ंने यह बात

उठाई है मै यह कहनाचाहता कि जब वहां सब कुछ ठीक थातो वहां तीस हजार पुलिस की क्याजरूरत थी? किस लिए इतनी ज्यादापुलिएवहां भेजी गई थी? तीस हजार पुलिस वहां क्यो गई थी? एक–एक पोलिग बूथ पर इतनी पुलिस की क्या जरूरत थी?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, कम्बोज जी ने जो बात कही है मै उसका भी जवाब देना चाहता हूं। जैसा कि कल मैने अपने वक्त्वय में कहा था कि समाचार पत्रों द्वारा ऐसे समाचार प्रकाि ात हो रहे थे कि वहां पर लार्ज स्केल पर रिगिग होगी, वहां पर खून खरबा होगा, वहा पर कत्ले आम हो जाएगा और वहां पर महाभारत होगा, वहां पर यह होगा, वहां परकत्ले आम हो जाएगा। वहां पर पानीपत की लड़ाइया हो जाएंगी। निपरन्तर ऐसा प्रचार जब मीडिया के माध्यम से हो रहा था तो बड़ा जबरदस्त टैन् ान उस क्षेत्र में पैदा हो गया था वहा ंपरबड़ा भारी तनाव थ। डा0 साहब ने स्वयं बताया है कि जब वे वहा गए तो किस प्रकार के भद्दे नारे ओर भद्दे प्रद ान किए गए। ऐसे तनावों को देखते हुए इस बात की आ ांका थी कि उस रोज वहां झगड़ा न हो जाए ओर पीसफुल चुनाव न हो सके। सरकार ने इस बात का प्रबन्ध किया। मै यह नही कह सकता वहां 20 हजार पुलिस थी जिससे कि चुनाव भाान्तिपूर्वक हेा जाए और इस इस भाान्तिपूर्वक पोल करवाने में हम स्फल भी हो गए थे। जब पीसफुल चुनाव हो गए तो सबने उस राम सुख की सांस ली। मै उस दिन कुरूक्षेत्र में थ और बार–बार वायरलैस वालेांसे पूछता

रहा कि मेहम में कोई झगड़ा तो नही हुआ। जब पांच बजे पता लगा कि वहा पर कोई झगड़ा नही हुआ तो मुझे सुख की सांस आई और मै पांच बजे क बाद चण्डीढ़ आ गया। अगर इस बात का खतरा महसूस होता कि कल अर्थात 28.02.90 को यह झगड़ा होने वाल है तो ज्यादा पुलिस लगा करके या कोइ ंऔर प्रबन्ध करके मै समझता हूं वह दुर्भारूयपूर्ण घटना अगल दिन वहां न होती। अध्यक्ष महोदय, मै एक बात ाऔर कहना चाहूंगा कि डा0 मंगल सैन जी हमारे इस हाउस के बड़े वरिश्ठ सदस्य है। जितना लम्बा और पुरान अनुभव ऐज लैजिस्लेअर उनकाहै, भाायद ही किसी औरसदस्य को होगा ओर मै उनके लिएयह बात कहूं कि डा0 साहब ने बोलते हुए इररैलेवैन्ट कहा है तेा यह उचित नही होगा क्योंकि ऐसा अनुभव आमदी ऐसी बातें कभी नही कहता। लेकिन एक बाम डा0 साहब ने बोलते हुए कही।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। गुप्ता जी डा0 साहब के बारे में जो इररैलेवन्टवाली बात कही वह ठीक नही । यदि वे इररैलेवैन्ट कहना चाहत है तो स्पश्ट भाब्दों में कह ले परन्तु उनको डा0 साहब के बारें मे ंसाईड रिमार्कस नही करने चाहिए। गुप्ता साहब हमसे बहुत वृद्ध है, मै उनका पूरा आदर करता हूं। मेरा उनसे निवेदन है कि वे बात उसी ढंए से कहे जिसमे ंवे कहना चाहते है।

श्री बनारसी दास गुप्ताः मै उसी ढंग से कह रहा हूं मैने तो यह कहा कि डा0 साहब इस तरह कह नही सकते। मैने पहले

ही कहा है कि डा0 साहब अप्रसंगिक बात कह ही नही सकते। इस बात को मुझे वि वास है लेकिन बोलते हुए वे एक बात कह गये कि प्रैस के बारं में मै कुछ अधिक ही बोल गया। अध्यक्ष महोदय, इस बारे में मै यह निवेदन करना चाहता हूं कि प्रैस का मै भी बहुत आदर करता हूं ओर मै यह चाहता हूं कि इस स्टेट के अन्दर फ्राडम औफ स्पीच, फ्रीडम आफ प्रैस पर किसी प्रकार का प्रतिबन्ध लागा तो हम ने उसका डट कर विरोध किया। चोधरी देवी लाल जी ने राजघाट में इसी बात के ऊपर धरना भी दिया था कयोंकि कांग्रेस के राज मे ंप्रैस की फ्रीडम के खिलाफ जो बिल आ रहा था हम सब ने डट कर उसका विरोध किया था। अगर आज भी कोई फ्रीडम औफ प्रैस का यह मतलब नही होता कि कोई भी अखबार बिना तथ्यों की जांच किए, बिना उस नीतीजे पर पहुंचे कि कही गइ बात सही है या गल्त है, सुख्यिा बनाकर छापे तो यह बात उचित प्रीती नही होती। अगर कही ऐसी बात प्रैस कीओर से होती है तो उस हालत में मजबूर हो कर विरोध करना पड़ता है।

डां0 मगल सैनः अध्यक्ष महोदय, मेरे बारें में गुप्ता जी ने जो कुछ कहा, उसके लिए मै उनका धन्यवाद करता हूं लेकिन उन से मै एक ही बात कहना चाहता हूं क्योंकि वे बड़े अनुभवी व्यक्ति है कि अगर प्रैस वालों ने कोई गल्ती की है तो क्या सरकार ने उनकी ि ाकायत प्रैस कौसिल आफ इंडिया से की है?

श्री बनारसी दास गुप्ताः डा0 साहब, इस बात की मुझे जानकारी नही है कि इस बारें में प्रैस कौसिल आफ इंडिया को

कोई ि ाकायत को कोई ि ाकायत की गई हअै या नही? मै तो हडाक्टर साहब जनरल बात कह रहा हूं। मैने कल तीन चार उदाहरण दिए थे कि बहुत पहले सह ीह एक पत्र के अन्दर सुख्यि आनी भ्ारू हो गयी कि मेहम क्षेत्र के अन्दर खून की होलियां खेली जाएंगी। यह किसी न नही कहा, केवल प्रैस ने आपनी ओर से ही यह लिख दिया। अध्यक्ष महोदय, अगर किसी पार्टी के उम्मीदवार या उसक`समर्थक ने यह बाम कही होती ओर हू–ब–हू प्रैस उसको प्रकाि ात कर देती है तो ठीक थ लकिन ऐसी बात किसी न नही कही। वैसत तो प्रैस का कर्तव्य है कि किसी भी उत्तेजित या उकसाने वाली खबर को वे इतना महत्व ही न दे और ज्याद सुखियों में न छापे। लेकिन फिरभी मै मान लेता यदि किसी को कही हुई बात को वे छपते।। किसी ने कुछ कहा हभ् नही प्रैस वालों ने अपने आप ही छाप दिया। प्रैस ने अपनी ओर से ही सुख्यि छापी कि मेहम में यह होने वाला है, वह होने वाला है, खून की होलियां खेली जाएंगी, वहां लार्ज स्केल पर बूथ कैप्चारिग होने वाली है। वहां पर रिगग होगी ओर हवां पर ग्रीन ब्रीगेड जाएगा। इस तरह की खबरें चुनाव से 15–20 रोज पहले ही अखबारों में अपनी भ्ारू हुई उसी दिन से वहां मेहम हल्के में उत्तेजना फैलनी भ्ारू हो गइ जिसके कारण वहां तनाव का वातावरण पैदा हो गया।

उससे अध्यक्ष महोदय, वातावरण दूशित हुआ, उत्तेजना फैली ओर सारे क्षेत्र में तनाव पैदा हुआ।

श्री किरपा राम पुनियाः स्पीकरसाहब, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है। क्योंकि इनकी ग्राउंड पहले तैयार हो चुकी थी इसलिए ऐसी खबरें छपी। हरियाणा के चुनाव मे ंपहली बार इतनी हिसा हुई है।

श्री अध्यक्षः पुनिया साहब, आपसे ज्यादा पढ़ा हुआ कोई नही हैं यह प्याचट आफ आर्डर नही है। आप कृपया बैठे।

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मेरे दोसत तो पढ़े लिखे आदमी है, आई0 ए0 एस0 अफसर रह चुक है और पढ़ना लिखता जातने है। इन्होने डौक्टरेट भी की हुइ है। ये जरा रूल्ज की किताब पढ़ लिया करें ताकि इनको मालूम हो जाए कि प्वायंट आफ और्डर क्या होता है। ये तो अपनी बात कर रहे है। जब इनको बोलने का मौका मिलेगा तो ये अपनी बात कह सकते है कि यह सारी योजना पहले ही बनी हुई थी। जो बात इन्होने कही है यह कोई प्यायंट आफ आर्डर नही बनता।

Sh. Kirpa Ram Punia: When somebody speaks ain the House and misleads the House then a point of order can be raised. That is wahy this point of order was raised.

Mr. Speaker: No, that was not a point of order.

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै केवल यह प्रार्थना कर रहा था कि प्रैस के भाईयों को यह कर्तव्य है कि सच्चाई लोगों तक पहुंचाये। यह एक ही तो माध्यम है जिससे लोों को जानकारी लिती हैं कोई आदमी गांव मे बैठा है, कोई भाहर में

बैा है ओर कोई दूसरे प्रदउे ा मं बैइा है सुबह सुबह सब लोग अखबार पढ़ते है अखबार पढ़ने की बादत दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही है। जोकि एक अच्छी बात है। अखबारों और संवाददाताओं की संख्या भी दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही है यह भी अच्छी बात है। हरियाणा सरकार ने हमे ाा कोि ा की है कि प्रैस वालों को ओर संवाददाताअे ंका ज्यादा से ज्यादा सुविधा दी ाजए ओर दी भी जानी चहिए। तो अखबारों को सुनी सुनाई या वैसे किसी बात को लेकर नही छापना चाहिए जिससे उत्तेजना पैदा हो। यही मैने कल अपने वक्तव्य में कहा था। मैने प्रैस के विरूद्ध कोई बात नही कही थी।

श्री हीरा नन्द आर्यः आप इनके साि बैइ कर बात क्यो नही कर लेते?

श्री बनारसी दास गुप्ताः हम प्रैस वालों के साथ बैठ कर बात करेगे। मै एक बात कहना चाहता हूं कि सरकार की ओर से बार बार एक बाम कही गई और लोगों की तरफ से भी कही गइ। यहां पर एक चश्मदीद ओर बड़े प्रतिश्ठित आदमी मौजूद थे। वे इस सदन के आनरेबल मैम्बर हैं डनहोने 28 तारीख को बैसी गांव में बूथ कैपचारिग देखी। वे मैम्बर है श्री हजार चन्द कम्बोज। सारा सदन जानता है कि वे फालतू बाम करने वाले आदमी नही हैं जब भी बोलते है तो ठीक बोलते है, बहुत संतुलित विचारों के व्यकित है। जब उस दिन पोलिग भाुरू हुई उससे लेकर राम के दस बजे तक उन्होने सारी घटनाएं देखी। उसे बाद उन्होने किसी

के घर जाकर भारण ली। वहां के लोगों ने घर घर जाकर दरखते ख्ज्ञटखटाए ओरकहा कि यहां पर एक एम0 एल0 ए0 आया हुआ था, उसकी गाडी तो हमने जला दी लेकिन वह खुद पता नही कहा है। श्री हजार चन्द ने ये सारी बातें हमारी पार्टी मीटिग में ओर वर्कर्ज की मीटिग में ए से जैड तक बताई। उन्होन दवो के साथयह बात कही कि मुख्य मंत्री के सुपंत्र अभय सिंह वहां नही पहुंचे।

Mr Mangal Sein: Speaker Sahib, since this matter is sub-ujudice one, no discussioncna be on this matter.

Mr. Speake: Since this mater is before the Commission, I would request the Hon'ble Deputy Chief Minister not to speak much on this point.

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, मै भी ज्यादा इस बारे मे ंनही कहना चाहता हूं क्योंकि यह मामला सब जुडिस है। इसको जांच के लिए न्यायाधी ा की निुक्ति हो चुकी है। वे इसकी जांच करेगे। इसलिए मै इसकी डिटेल मे ंनही जाना चाहता मै यही कहना चाहता हूं कि जिस बात के लिए हम बार–बार 'न' कह रहे है उसके बावजूद भी समाचार पत्रों में वह बात छप रही है कि अभस सिंह वहां था। खैर था या नही था यह तो जांच से ही पता लगेगा लेकिन मै एक बात यह जरूर कहनाचाहूंगा कि इस किस्म के भाब्द लिखन से पहले प्रैस को सही तथ्यों प्र प्राक ा डालना चाहएि था ओर सुनी सुनाई बात को नही छापना चाहिए था। प्रैस के, बगैर तथ्यों के इस तरह के भाब्द लिखन से

वातावरण खराब होता है। अध्यक्ष महोदय, मेरे कई साथियों ने सप्लीमैंटरी ऐस्टिमेटस पर बोलते हुए कुछ बातें कही है। श्री कि ान सिंह सांगवान हमारी लैजिस्लेचर पाी के सैक्रेटरी भी है ओर वे बहुत ही वैलैस्ड विचारों के है। उन्होने कुछ बातें कही। उन्होने एक बात यह कही कि जब किसान पटवारियों के पास नकल लेने जाते है। तो उनके पटवारी लूटखसूट करते है। यानि पटवारी किसानों से नकल देने के लिए रि वत लेे है मै अपने माननीय सदया को बातनाचाहूं क सरकार ने उस रि वत को बंद करने` लिएयह तय कियहै किसानों के लिए एक पास गुक तैयार की जाए जिसमें उसी सारी जमीन का पूरा विवरण हो ताकि उसको बार–बार पटवारी के पास खसरा नम्बर या नकल लेने के लिए न जाना पडे। जिस समय श्रीसूरज भान जी राजस्व मंत्री होते थे उस समय राजस्व विभाग की तरफ से यह प्रापोजल केन्द्रीय सरकार को गई थी। लेकिन वहां से उसकी स्वीकृति नही मिल। अब उम्मीद है कि सत्ता परिवर्तन के बाद उसकी परमि ान मिल जाएगी ओर किसानों की कठिनाईयों दूर हो जाएंगी। एक बात सांगवान साहब ने बिल्कुल ठीक कही कि व्यापारियों से जो टैक्स लिया जाता था उससे उनकों बहुत परे ाानी होती है क्योंकि कई प्रकार के इंस्पैक्टर्ज और अधिकारीगण बार बार उने यहां किसी इरादे से जाते है इसलिए इस कर के ढांचे का सरलीकरण होना चाहिए मै उसकी इस बात का समर्थन करता हूं मै यह बात मानता हूं कि जितना रेट औफ टैक्स कम होगा उतना ही सरकार का राजस्व ज्यादा बढेगा ओर भ्रश्टाचार कम होगा तथा व्यापारियों को

सुविधाए ंमिलेगी। रेट औफ टैक्स कम होने से उपभोक्तओं को माल भी सस्ता मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, मै एक उदाहरण देना चाहूंगा। जगाधरी हरियाणा प्रदे ा में बर्तनों को एक बहुत बड़ा नगर है जगाधरी के बर्तन केवल हिन्दुस्तान में ही नही बल्कि फौरेन कंट्रीज में भी जाते है टैक्स चोरी के मामले में जगाधारी के व्यापवरी पहले बडत्रे बदनाम थे डा0 साहब भी इस बात को जानते है। जगाधरी के बर्तनों के व्यापारी मेरे पास आए ओर कहने लगे कि आपकिसी तरह से हमारा इस कलंक से पीछा छुडवाओं। जो रेट औफ टैक्स है उसको यदि आप कम कर दें तो हम इस टैक्स की चौरी से ओर इस पाप से बच जाएंगे। मैन उनसे कहा कि कितना कम कर दें तो उन्होने कहा कि अब 12 परसैट है आप उसको घटा कर 3 परसैट कर दें तो मैने उनसे कहा कि यह तो बहुत कम हो जाएगा ओर इससे सरकार को बहुत घाटा होगा। उन्होने कहा कि आप क्यों चिन्ता करते है इस समय 12 परसैअ टैक्स से सरकार को जितना राजस्व मिलता है। 3 परसैट टैक्स करने से हम उससे डेढ़ गुणा देगे। मैने कहा फिर सरकार को क्या दिक्कत है। हमने टैकस 12 परसेंट टैक्स करने से सरकार को राजस्व में काफी लाभ हुआ हैं सरकार को राजस्व बढ़ा हैं अब जगाधारी के व्यापारियों ने टैक्स की चोरी बंद कर दी हे ओर इंस्पैक्टर्ज या अधिकारीगण को जो रि वत देते थे वह भी बंद कर दी है। इस तहर से भ्रश्टाचार भी कम हुआ है। इसके अलावा 7–8 रूपए प्रति किलों के हिसाब से बर्तन भी सस्ते हो गऐ ओरउपभोक्ताअें को सस्त `बत्रन मिलने लगा एग। व्यापरियों को

आराम मिल गया। भ्रश्टाचार कम हेा गण यदि रेट औफ टैक्स कम होन से किसी तकनील हे सकती है ता वह भ्रश्ट अधिकारीगण हो को हो सकती है ंहरियाणा सरारने जो रेट औफ टैक्स कम किया है यह एक मिसाल है फिर इन्होन तेल की बाम कही ओरघी की बात कही। हमारे यहां पिहोवा में मधु घी बनता हैं लेकिन दिल्ली में मधु घी सस्ता मिलता हैं इसलिए लोग हरियाणा से घी का टीन खरीदने की बजाए दिल्ली से दिल्ली से लोते है क्योंकि यह हमारे यहां पर रेट औफ टैक्स ज्यादा है और एक टीन पर 20–25 रूपये से ज्यादा का फर्क पड़ता है। यह मामला भी हमारेविचारधीन हैं अध्यक्षमहोदय, हमारी इस सरकार ने तो इस दि ा में बड़े प्रभावी कदम उठाये है। चौधरी देवी लाल जीन अपने वक्तमें तीन घंटे तक बैठकर व्यापारियों को सुना थाऔर बाद में उन्होने एक परमाने। टैक्स ऐडवाइजरी कमेटी बना दी ीि। मै उस कमेटी काचेयरमैनहूं ओर 4–5 मंत्री उस कमेटी के सदस्य है। इसी प्रकार से 7–8 अधिकारी और 9 व्यापार मण्डल के प्रतिनिध भी उस समिति के सदस्य है। हम हर तीसरे महीने उस कमेटी की मीटिग करते है ओरउस मीटिग के दौरान जो भी ऐसी काइ बात हो जिससे व्यापरियों को दिक्कत आतीहै हो उससको हम दूर कभी करते है। इसलिए यह बात हमारे सामने है ओर उस पर काम कर रहे है।

अध्यक्ष महोदय, यहां पर सदस्यों ने सड़कों के बारें में चिन्ता व्यक्त की। कई सदस्यों ने चिन्ता व्यक्त की कि सडत्रकों

का मुरम्मत के लिए कम पैसा खर्च किया जाना चाहिए था उतना खर्च नही किया गया। क्यों नही किया गया वह भी मै बता देनाचाहता हूं कि हामरेयहां पर सड़के बहुत बन चुकी हैं जितनी अधिक सडके बनेगी उतना ही अधिक पैसा सड़कों की मुरम्मत के लिए चाहिए, इतना पैसा हमारे पास नही ह फिर भी हमने इस बार माकिटिंग बोर्ड से सड़कों की मुरम्मत कराने ` लिए पी0 डब्ल्यू0 डी0 को 5 करोड़ रूपया दिलवाया है। हमारी कोि ा ा होती है कि पी0 डब्ल्यू0 डी0 को सड़कों की मुरम्मत कराने के लिए ज्यादा से ज्यादा पैसा दिया जाए। इस बार भी हम माकिकटिग बोर्ड से पैसा लेकर पी0 डब्ल्यू0 को देने के लिए कहेगे ताकि सड़कों की अधिक से अधिक मुरम्मत हो सके।

अध्यक्ष महोदय, सांगवान जी ने एक बात यह कही कि मेरे हल्के में स्कूलों को दर्जा बढ़ायचा जाए। ऐसी ही जांग कुछ दूसरे साथियो ंने भी की हैं मै हाउस की जानकारी के लिए बतानाचाहूंगा कि पिछले साल जब श्रीमती सुशमा स्वराज ि ाक्षा मंत्री थी तो उस समय काफी स्कूलों को दर्जा बढ़ाया गया था। इस बारे में मुख्य मंत्री थी तो उससमय काफ ीस्कूलेां को दर्जा बढ़ाया गया था। इस बारे में मुख्य मंत्री जी ने एक कमेटी बनाई थी मै उस कमेटी काअध्यक्ष हूं। ओर ि ाक्षा मंत्री जी उस समिति के सदस्य है। इसके अलावा कई दूसरे औफिसर्ज भी उस समिति के सदस्य हैं हमने उस समिति की आज ही बाद दोपहर मीटिग बुलाई हुई हैं उस मीटिग में इस बात पर विचार होगा कि हम

बजट को देखते हुए कितन स्कूलों का दर्जा बढ़ा सकते है। अभी यह प्र न विचारधीन है। स्कूलों को दर्जा बढ़ाने की हमारी नीयत हैं मै सदस्याओं की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि वित्तीय स्थिति को देखते हुए इसका काम को हम अव य करेगे।

अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से सागवान साहब ने बताया है कि उनके क्षेत्र के दो बड़े गांव भैसवाल कला ओर रूखी में प्राईमरी हैल्थ सैन्टर मंजूर होचुके है। लेकिन उन पर अभी तक काम भ्ारू नही हुआ हैं मै उनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि मै यह बात स्वास्थ्य विभाग से करूंगा कि जो प्राईमरी हैल्थ सैन्टर मंजूर हो चुके है उन पर काम भ्ारू हो।

अध्यक्ष महोदय, डां0 मंगल सैन जी ने डिजनीलैड की बात करते हुए कहा कि जब मै इन सप्लीमैन्टरी डिमांड का जवाबद दूं तो इस बारें में भी उत्ता दिया जाए। इस बारें मे पहली बात तो यही है कि कोर्ठ पैसा इन ऐस्टिमेंटस केक अन्दर इस काम के लिए नही मांगा गया हैं दूसरी बात यह है कि हमारी जो टूरिज्म कार्पोरे ान है वह उसको बना रही है अध्यक्ष महोदय, जहां तक किसानों को उजाड़ने की बात है इस बारें में हमारे मुख्य मंत्री जी ने यह बात कही है कि किसी भी किसान को डिजनीलैड के लिए नही उजाड़ा जाऐगा। ऐसा आ वासन उन्होने प्रैस के माध्यम से भी ओर दूसरे माध्यम से भ दिया है। इसलिए इसके बारें में कोई भांका किसी को नही रखनी चाहिए कि किसानों को बेघर किया जाऐगा या उनको उजाड़ा जाऐगा। इस बारें में तो भ्ायद डा0

साहब काकाल अटै ान मो ान भी है। और भायद उसे आपने ऐडमिट भी कर लिया हैं जब वह मो ान हाउस के सामने आएगी तो उस समय उनका जवाब पूरी तरह से दिया जाऐगा।

श्री अध्यक्षः काल अटैन ान मो ान ऐडमिट नही हुई है बल्कि ऐ क्वै चन लगा है।

श्री बनारसी दास गुप्ताः चलों उस मसय इनकी बातों का जवाबद दे दिया जाऐगा और दूसरे कई मैम्बर भी इस बारें में सवाल पूछ सकेगे। जब यह मामला आयेगा उस समय डिजनीलैंउ के बारें में सभी बातों का जवाब दे दिया जाऐगा।

अध्यक्ष महोदय, हमारे साथ उदयभान जी ने होडल सब तहसील को पूर्ण तहसील बनोन के लिए मांग की है। उन्होने बताया है कि वहां पर चूंकि सबसे ज्यादा पटवार सर्कल हैं इसलिए होडल सब तहसील को पूरी सतहसी लबनाया जाए। अध्यक्ष महोदय, इसबारें मे निवेदन है कि अ तो डिस्ट्रिक्टस ओर तहसील री–आर्गेनाइजे ान का काम खत्म होगयाहै। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, श्री उदय भान जी ने चौधरी देवी लाल का हवाला दे कर सड़क बनाने का जिक्र किया है। मै अपने साथी को तथा सदन को यकीन दिलान चाहता हूं कि चोधरी देवी लाल जी ने जा भी घोशणाएं की है हम उन परफूल चढ़ाएंगे ओर उन्हें पूरा करेगे (तालिया) बसों के बारें में कहा गया कि बसों की कमी हे। अध्यक्ष महोदय, 500 के करीब हम मिनि बसे खरीदना चाहत हे यह बसे

खरीद जाने के बाद हमारे यात्रियों को कुछ सहूलिय लि जाएंगी। समाज कल्याण के बारें में कहा गया है कि एस0 एस0 एस0 बोर्ड ने भती में हरिजनों ओर बैकवर्ड क्लासिज की रिजर्वेशन की तरफ ध्यान नही दिया, उनका कोटा पूरा नही किया। अध्यक्ष महोदय, रिजर्वेशन में जो भी बक्लांग है, जो कमी हैं उसको पूरा करने की पूरी कोि ा ा की जाएगी ओर फरदर पोस्ट में रिजर्वे ान में कोई कमी नही हकी जाएगी। डा0 हरनाम सिंह जी ने बुढापा पैं ान के भुगतान के बारे में बहुत ही अच्छा सुझाव दिया हैं उन्होन सुझाव दिया है कि पै ानर्ज का खाता बैकों में खोला जाए ओर हर वृद्ध आदमी को पास बुक दी जाए ताकि उसकोपै ान मिलने में असानी रहे। वे अपनी बचत भ उस खाते में जमा करवा सकेगे। उनके इससुझाव पर भी वविचार किया जाएगा। इस परपज के लिए डी0 सीज0 को मीटिग भी की गइ ीि और उनहें कहा गया था कि वे इस बारें में अपने सुझाव दे। आपने उपाय भी सुझाएं जिससे हर वृद्ध के पास पै ान का पैसा समय पर पहुंच जाए। यह बात विचारधीन है। और सभी सुझावों पर पूरा गौर किया जाएंगा। पुलिस के बारें जो बात डाक्टर ने कही थी उसका जवाब हमारे गृह मंत्री जी ने दे दिया था। श्री रतन लाल कटारिया जी ने आज इस बात `ाफिर दोहराया है कि इंदिरा आवास योजना हरिजनों के लिए आवास योजना नही है बल्कि बनवास योजना है। उनकी यह बात बिल्कुल ठीक है पानीपत में जी0 टी0 रोड के पास हरिजनों को कुछ मकान बना कर दिसे लकिन कोई भी हरिजन उन मकानों का कब्जा लेने के लिए बुलाया गया। उन मकानों की

जगह काफी नाकाफी है जिस कारण एक परिवार उन मकानों में अपना गुजारा नही कर सकता। इंदिरा आवास योजना के बारें में अधिकारियों `स कहा गया है कि इस बात पर विचार कर के ही और मकान बनाए जाएं कि जो जगह मकानों के लिए चुनी जाए वह गांव के नजदीक हो, एक पिरवार के रहने के लिए काफी जगह मकान में हेा और हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध हो ताक परिवार उन मकानों में रह सकें। उन मकानों की जो वर्तमान कीमत है भले ही वह कीमत थोड़ी ज्यादा बढ़ा दी जाए लकिन मकान में हर प्रकार की सुविधा होना जरूरी है। (व्यवधान)

हमारे नौजवान विधायक कप्तान अजय सिंह जी ने कहा कि रिवाड़ी की सड़कों की हालत बहुत खराब है और पीने कापूरा पानी उपलब्ध नही है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक पीने के पानी का सम्बन्ध है, हमारे मुख्य मंत्री जी ने प्रदे ा की बागडोर सम्भालते ही घोशणा की थी कि इस साल 31 दिसम्बर तक प्रत्येक गांव और भाहर में जहां पानी की कमी है, पीने की स्वच्छ पानी उपलबध करवाया जाऐगा। भाहरों के अन्दर ानी कीसुविधा है लेकिनजहां जहा पानी की कमी है उन भाहरों मे भी पर्याप्त पानी लोगों को उपलबध करवाया जाएगा। प्रत्येक गांव में पीने का स्वच्छ पानी उपलब्ध करवाया जाएगा। (तालियां) इसके लिए हमारी सरकार बहुत गम्भीर है और हमारे अधिकारी इस काम में लगे हुए है। रिवाड़ी हो या जिला महेन्द्रगढ़ हो, हर जिले के साथ समानता का सलूक किया जाएगा। इन जिलों के विकास के लिए पूरा ध्यान

रखा जाएगा। धारूहेड़ा के लिए भ कहागया कि उसे तहसील बनाया जाए। एक बार तो डिस्ट्रिक्ट टाउन बन रहा है पनप रहा है इसलिए वहां पर हर प्रकार की सुविधा होनी चाहिए

अध्यक्ष महोदय, प्रो0 परमा नन्द जी ने बोले हुए काफी समय तो मेहम चुनाव को लेकर ही ले लिया। फिर भी उन्होने एक बात कही कि इस सरकार ने प्रौढद्य ि ाखा को बन्द कर दिया है। प्रोफेसर साहब के पास जब ि ाक्षा विभाग था तो उस समय के मुख्य मंत्री चौधरी देवी लाल जी ने एक बात कही थी कि यह प्रौढ़ ि ाक्षा नही है, यह फ्रौड ि ाक्षा है। यह बात एक दो बारउनकी मौजूदगी में भी कही होगी लेकिन इसके बाद भी यह सिलसिला चलता रहौ। अध्यक्ष महोदय, अब ऐसी हालत कहो गई कि सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐसा फैसला दे दिया कि जो जे0 बी0 टी0 को तन्खाह मिलती है। वही तन्खाह प्रौढ ि ाक्षा में काम करने वालों को दी जाए जबकि उनकों दो घण्टे काम करना पड़ता है। इसमें मिडल पास भी है, मैट्रिक पास भी है। उनहे तो एक प्रकार से पैन् ान मिलती थी। सारा दिन घर परकाम करते थे। वे एक घण्टा ओर दो घण्टे के लिए चले जाते थे, वे पढ़ाते थे या नही, इस बात को भी पता नही लेकिन उन्हें 100–200 और 300 रूपए महीने के मिल जाते थे। अब आप बताइये कि पांच हाजर आदमियेां को जे0 बी0 टी0 का वेतनमान दे दिया जाए तो कितन बर्डन स्टेट पर पड़ेगा। वह हम अभी बरदा त नही कर सकते।

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, आप कितन समय ओर लेगे?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अभी वाइंड–अप करने जा रहा हूं। प्रो0 परमानन्द जी ने कहा कि हरिजन कल्याण निगम पहले दस हजार रूपए कर्जा देती थी लेकिन अब उसने यह सीमा पांच हजार की कर दी है। इस पर विचार कोगे। एक बात उनहोन वन विभाग के वेतनमानों के बारें में कही कि उनका ओर अधिकारियों के मुकाबले में कम है। भायद उनकी एक री–प्रेजेन्टै ान भी आयी है, जो विचारधीन है।

श्री कुन्दन लाल भाटिया जी ने फरीदाबाद की सड़कों के बारें में कुछ बातें कही। मै उन्हें बताना चाहूंगा कि वहां की सड़कों की फरीदाबाद कम्पलैक्स बनाता है उन परकम्पलैक्स ही खर्च करत है। उन्होने यहां बी0 के0 हस्पताल की भी बात की थी कि उसकी हालत बहुत खराब है। मै ामनता हूं कि उसी हालत खराब है, लेकिन उन्हें मे ंएक खु ाखबरी देना चाहता हूं। हमारे पास एक नौन–रैजिडैन्ट इंडियन मिस्टर भारद्वाज आये है जो बहुत बड़ा इंस्टिच्यू ान फरीदाबा में बनाना चाहते है। उेस वे पी0 जी0 आई0 के के पैट्रन पर बनना चाहते है। उन्होने हम से जमीन मांग थी, हमने हुड्डा से उन्हें जमीन दे दी है। उन पर भार्त भी लगायी हैं कि 25 परसैन्ट बैडज समाज के कमजोर वर्ग के लिए सुरक्षित रखी जाएं ओर कुछ परसैन्टेज ऐसी भी रखी है। जिसमें आउट–डोर से कोई पैसा चार्ज नही कया जाऐगा।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः यदि हाउस की सहमति हेा तो हाउस का टाईम पांच मिनट के लिए ओर बढ़ा दिया जाए।

आवाजेः ठीक है जी, बढ़ा दिया जाए।

श्री अध्यक्षः हाउस का टाईम पांच मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

वर्श 1989–90 के सप्लीमै।टरी ऐस्टिमेंट्स (दूसरी किस्त) पर चर्चा तथा मतदान (पुनराम्भ)

श्री बनारसी दास गुप्ताः श्री सतवीर सिंह कादयान ने तो इन डिमांडज को सराहया ही है। इसराना ब्लौक के बारें में उनहोने कहा कि उसे इन्डस्ट्रियली बैकवर्ड एरिया करार दिया जाए। यह मामला हम टेक–अप करेगे।थ कसी भी एरिया को केन्द्रीय सरकार ही इंडस्ट्रियली बैकवर्ड एरिया करार देती है। इन भाब्दों के साथ मै ंयह प्रार्थना करूंगा कि जो मांगे सदन के सामने प्रस्तुत है। उन्हें पारित किया जाए ताकि एक संवैधानिक आव यकता पूरी हो सके।

श्री अध्यक्षः अब तै बेरियज डिमांडज की वोटिग के लिए पुट करता हूं।

That a supplementary sum not exceeding Rs. 372400 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for

the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 1 *Vidhan Sabha.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 319300 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 2 *General Adminstraction.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 175300000 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 3-*Home.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 2532000 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 4-*Revenue.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 30355000 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 5-*Excise and Taxation.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 87234000 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 6-*Finance.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 214796000 for revenuse expenditure and Rs. 637000 for capital expenditure be granted to the Governor to dfray charges taht will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 7-*other adminstractive Services.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 46625000 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 8-*Buildings and Roads.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 438058000 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 9-*Education.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 6401570 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 10-*Medical and Publice Health.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 32341000 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 11-*Urban Development.*

The motion was carried.

Mr. Speaker: Qeustion is—

That a supplementary sum not exceeding Rs. 145213000 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 13-*Social Welfare and Rehabilitation.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 6065000 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 14-*Food and supplies.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 105500000 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 15-*Irrigation.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 1490000for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 16-*Industries.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 47323000 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 17-*Agriculture.*

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a supplementary sum not exceeding Rs. 53205000 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 20-*Forest.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 220164000 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 21-*Community Development.*

That a supplementary sum not exceeding Rs. 49331500 for revenuse expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1990 in respect of Demand No. 23-*Transport*

The motion was carried.

श्री अध्यक्षः अब हाउस कल सुबह 9.30 बजे तक एडजर्न किया जाता है।

13.30 बजे

(तत्प चात सदन बुधवार, दिनांक 14 मार्च 1990 प्रातं 9.30 तक स्थगित हुआ।)